दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

n वर्ष : 11 अंक : 19

जयपुर, गुरूवार 05 फरवरी, 2026

■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162

मूल्य : 1.50 रुपए पृष्ठ : 8+st

अमेरिका के टैरिफ रेट कम करने से प्रदेश के विकास को और मिलेगी गति, पीएम मोदी का कोटि-कोटि आभार : सीएम

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत के लिए टैरिफ की रेट 50 प्रतिशत से कम करके 18 प्रतिशत कर देने के निर्णय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोटि-कोटि आभार जगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में आधुनिक भारत पूरे विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर व्यापार वाणिज्य खेल चिकित्सा शिक्षा विज्ञान टेक्नोलॉजी सुरक्षा इत्यादि सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास कर रहा है उन्होंने कहा कि अमेरिका की ओर से टैरिफ कम कर देने से राजस्थान के विकास की रफ्तार अब और तेज हो जाएगी और राजस्थान में इस निर्णय से निर्यातकों को काफी राहत पहुंचेगी जिसका सीधा अच्छा प्रभाव और असर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र पर भी पड़ेगा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने अधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से भारत अमेरिका के इस नए ट्रेड समझौते पर प्रशंसा जाहिर की है और कहा है कि टैरिफ कम होने

से प्रदेश में ज्वेलरी हैंडीक्राफ्ट स्टोन इत्यादि क्षेत्रों में बिजनेस के रफ्तार में जबरदस्त इजाफा होगा जिसकी वजह से राजस्थान और देश की इकोनामी और मजबूत होगी उन्होंने कहा कि प्रदेश में आईटी हब के युवाओं और स्टार्टअप का द्वार खोलने के लिए यह निर्णय बड़ा फायदेमंद साबित होगा । उल्लेखनीय है कि अमेरिका की ओर से टैरिफ की रेट कम करने के बाद मंगलवार को ही एनडीए के सांसदों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सामूहिक तौर पर शानदार अभिनंदन किया गया था एनडीए के सांसदों ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पर्सनैलिटी और उनके व्यक्तित्व का ही प्रभाव रहा की अमेरिका जैसा देश भारत के साथ अपने व्यापारिक संबंध मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़कर बैक फुट पर हुआ है एनडीए सांसदों का कहना था कि आज पीएम नरेंद्र मोदी भारत के ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के नंबर वन लोकप्रिय नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं पूरी दुनिया उनकी बात को सुनती है उनकी सलाह को मानती है जो भारत के 140 करोड लोगों के लिए गर्व का विषय है एनडीए सांसदों का यह भी कहना रहा की यह भारत का सौभाग्य है कि आज भारत के शासन की बागडोर मोदी जैसे दुनिया के लोकप्रिय नेता के हाथ में है जिसकी वजह से भारतदुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है और आज मोदी की वजह से ही पूरी दुनिया भारत की तरफ देख रही है शासन सचिवालय के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भजन लाल शर्मा आगामी बजट की रूपरेखा तैयार करने के लिए इन दिनों काफी व्यस्त हैं बजट समावेशी और स्पर्शी हो इसके लिए सामूहिक संवाद और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ लोगों की सलाह के साथ-साथ प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्र में समान भाव से सर्वांगीण विकास हो इसी भाव से मुख्यमंत्री शर्मा बजट को अंतिम स्वरूप देने में जुटे हुए हैं इसके लिए उन्होंने पार्टी के विधायक को सांसदों और संगठन से जुड़े छोटे-बड़े सभी नेताओं के सुझाव भी ले लिए हैं और अब भी लगातार बजट को लेकर अलग-अलग क्षेत्र से जुड़े लोगों से बातचीत करके एक उत्कृष्ट बजट प्रदेश की जनता को समर्पित करना चाहते हैं इसलिए मुख्यमंत्री शर्मा आजकल सुबह से लेकर देर रात तक बजट मीटिंग में ही व्यस्त रहते हैं ।

राहुल गांधी की भाषा कांग्रेस की गिरती हुई राजनीतिक संस्कृति और उनके संस्कारों को करती है उजागर : मदन राठौड

जयपुर टाइम्स

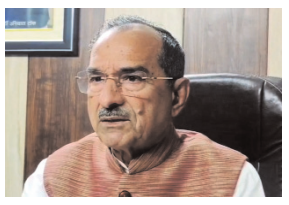

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा सदन में की जा रही अमर्यादित टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उनके बयानों की कड़े शब्दों में निंदा की है। राठौड़ ने कहा कि सिख समाज ने देश की आज़ादी से लेकर आज तक राष्ट्र की आन, बान और शान की रक्षा के लिए असंख्य बलिदान दिए हैं। ऐसे गौरवशाली समाज से आने वाले केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के लिए 'गद्दार' जैसे शब्दों का प्रयोग करना अत्यंत शर्मनाक, दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। यह बयान न केवल एक जनप्रतिनिधि बल्कि पूरे सिख समाज का अपमान है। राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया जा रहा है, वह कांग्रेस की गिरती हुई राजनीतिक संस्कृति और उनके संस्कारों को उजागर करता है। लोकतंत्र के मंदिर कहे जाने वाले सदन में इस तरह की भाषा अस्वीकार्य है और देश की जनता का अपमान है। जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि वे शब्दों की मर्यादा रखें और स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करें, लेकिन राहुल गांधी बार-बार अपने आचरण से यह साबित कर रहे हैं कि उन्हें न तो सदन की गरिमा की चिंता है और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान। भाजपा प्रदेश ने गोविंद सिंह डोटासरा को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उन्हें सदन की गरिमा और मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। कांग्रेस नेतृत्व जिस तरह से अपशब्दों और अनर्गल आरोपों की राजनीति कर रहा है, उससे स्पष्ट है कि पार्टी हताशा और निराशा में दिशाहीन हो चुकी है। राठौड़ ने मांग की कि राहुल गांधी और डोटासरा देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें तथा भविष्य में संयमित और जिम्मेदार भाषा का प्रयोग करें। भाजपा ऐसे किसी भी प्रयास का पुरजोर विरोध करेगी जो समाज को बांटने और लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तोड़ने का काम करता हो। राठौड़ ने कहा कि डोटासरा सदन में अडानी के नाम पर केवल नौटंकी कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

विधानसभा में विपक्ष का हंगामा

जोगाराम पटेल और टीकाराम जूली के बीच जोरदार टकराव

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) राजस्थान विधानसभा में बुधवार को प्रश्न काल के दौरान भरतपुर में बेघर परिवारों से जुड़े एक सवाल पर मंत्रियों और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई यही बात तब शुरू हुआ जब राष्ट्रीय लोक दल के विधायक सुभाष गर्ग ने भरतपुर में बेघर परिवारों की संख्या और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत योग्य परिवारों के बारे में सवाल पूछा सवाल का जवाब देते हुए शहरी विकास और आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि अगर भूमिहीन परिवारों का विवरण चाहिए तो जिला कलेक्टर से रिपोर्ट मंगवा कर सदन को दे दी जाएगी जवाब से असंतुष्ट होकर सुभाष गर्ग ने जोर देकर दिया कि मंत्री पहले बेघर परिवारों की सही संख्या बताएं जैसे ही शहरी विकास मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्रता मानदंडों के बारे में बताना शुरू किया गर्ग ने आपत्ति जताते हुए पूछा कि क्या बेघर नीति 2022 में बेघर परिवारों का सर्वे करने का कोई प्रावधान शामिल है गर्ग ने कहा मैं हां या ना में सीधा जवाब चाहता हूं यह मुद्दा जल्दी ही संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और विपक्ष के नेता टीकाराम जूली के बीच टकराव में बदल गया यूडीएच मिनिस्टर के जवाब के दौरान खड़े हुए दो मंत्रियों पर तंज करते हुए टीकाराम जूली ने कहा कि यहां वकीलों की कोई जरूरत नहीं है जवाब में पटेल ने कहा कि जूली को वापस देने के बजाय सवाल पूछने चाहिए जूली ने पलटवार करते हुए कहा कि वह सिर्फ तथ्य बता रहे थे और उन पर बेवजह भाषण देने का आरोप लगाया जा रहा था बाद में जूली ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री बहुत जल्दबाजी में थे और उन्होंने सवाल को गलत समझा उन्हें घर कब मिलेंगे

उन्होंने कहा कि मंत्री का जवाब गलत था इसलिए उन्होंने 2022 में शुरू की गई बेगम नीति के महान डंडों के बारे में सवाल उठाए थे जैसे ही बहस तेज हुई उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने हस्तक्षेप करते हुए कहा यह कोई गूगली नहीं है कि आपको सीधे हिट किया जाएगा और यूडीएच मिनिस्टर बेघर होने और प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित दोनों हिस्सों का जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार थे जो विपक्ष ने उनके हस्तक्षेप पर आपत्ति जताई तो स्पीकर ने स्पष्ट किया कि राठौर को बोलने की अनुमति दी गई थी सदन में मंत्रियों और विपक्षी सदस्यों के बीच इस मुद्दे पर तीखी नोकझोंक और हंगामा हुआ जिससे स्पीकर को व्यवस्था बहाल करने के लिए बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ा इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान हेमंत मीना को भी सवाल का स्पष्ट जवाब नहीं देने का विपक्ष ने आरोप लगाया और राजस्व मंत्री से पूछा कि क्या मौजूदा सड़कों को राजस्व रिकॉर्ड में सार्वजनिक सड़कों के रूप में दर्जा दिया जाएगा इस पर स्पीकर ने मंत्री से कहा कि नियमों और सर्कुलर का हवाला देने के बजाय यह सीधे हां या ना में जवाब दें ।

विधानसभा में आमेर किले की गूंज,

गृहमंत्री ने कहा- धारीवाल की अपने भाषण में अकबर और अल्लाह का जिक्र करने की इच्छा

जयपुर टाइम्स

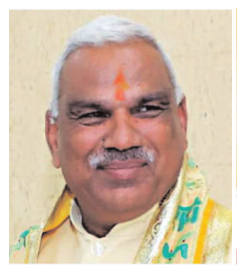

जयपुर(कासं.)। राजस्थान विधानसभा में बुधवार को विश्व विख्यात आमेर किले की गूंज भी सुनने को मिली कांग्रेस के विधायक शांति धारीवाल ने राजस्थान विधानसभा में कहा कि प्रदेश सरकार ने पूरे प्रदेश में कई जगहों पर ऐतिहासिक स्मारकों से अकबर शब्द लिखे शिलालेख हटा दिए लेकिन ऐसा क्या है कि आमेर किले में एक जगह पर शिलालेख से अकबर शब्द को नहीं हटाया गया धारीवाल ने तंजे कसते हुए कहा कि या तो सरकार का अकबर के प्रति प्रेम और सम्मान नजर आ रहा है या फिर सरकार कहीं इस शिलालेख से अकबर शब्द को हटाना भूल गई जिस पर सत्ता पक्ष के कई सदस्य धारीवाल के इस बयान पर कटाक्ष करते नजर आए इस दौरान सत्ता पक्ष के चंद्र कृपलानी ने धारीवाल की ओर इंगित करते हुए कहा कि अगर आप इसे गलत मानते हो और चाहते हो तो हटा देंगे धारीवाल ने कहा कि ऐतिहासिक स्मारक कभी भी गलत नहीं होते लेकिन उनकी सिर्फ इतनी सी पीड़ा है कि जब पूरे प्रदेश से शिलालेख से अकबर शब्द हटा दिया गया तो आखिर आमेर किले के शिलालेख में अकबर शब्द से उन्हें इतनी मोहब्बत क्यों है जिस पर कुछ देर तक सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच आपस में तीखी बहस भी हुई नोकझोंक हुई बाद में विधानसभा के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह ने कहा कि शांति धारीवाल को इस बात से कोई लेना-देना नहीं था कि आमेर किले में शिलालेख पर जो अकबर शब्द लिखा हुआ है उसे हटाया जाए या नहीं हटाया जाए वे यह चाहते थे कि कैसे जैसे उनके भाषण में अकबर और अल्लाह का नाम आए इसलिए उन्होंने आमेर फोर्ट के शिलालेख को आधार बनाकर राजस्थान विधानसभा में अपने भाषण में अकबर का जिक्र करना मुनासिब समझा एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि धारीवाल काफी बुजुर्ग हैं और वरिष्ठ हैं लेकिन कई बार बोलते बोलते उनकी जुबान फिसल जाती है पूर्व में उन्होंने राजस्थान विधानसभा में राजस्थान को मर्दों का प्रदेश बताकर महिलाओं का घोर अपमान किया था उन्होंने कहा कि कभी-कभी ऐसा लगता है कि अधिकआयु होने की वजह से उनका मानसिक संतुलन थोड़ा बिगड़ गया है एक अन्य सवाल के जवाब में जवाहर सिंह ने कहा कि सरकार के सभी मंत्री सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्यों के सवालों का सटीक जवाब देते हैं लेकिन विपक्ष के सदस्य अनर्गल विषयों को मूल प्रश्न से जोड़कर बेवजह सदन का समय खराब करने की चेष्टा रखते हैं उन्होंने कहा कि सरकार के सभी मंत्री पूरी तैयारी के साथ विधानसभा में आ रहे हैं और हर सवाल का तथ्यात्मक तरीके से जवाब दे रहे हैं ।

थाईलैंड राजकुमारी प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना 6 से 10 फरवरी तक रहेंगी राजस्थान प्रवास पर: मुख्य सचिव

जयपुर टाइम्स

जयपुर थाईलैंड की राजकुमारी प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना 6 से 10 फरवरी तक राजस्थान प्रवास पर रहेंगी। मुख्य सचिव श्री वी. निवास ने उनकी यात्रा प्रवास को लेकर बुधवार को शासन सचिवालय में रॉयल थाई एम्बेसी की एम्बेसडर चवनार्ट थांगसुमफैंट सहित थाई एम्बेसी और विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान की पूरे विश्व में अतिथि देवो भवः की परंपरा की अपनी अनूठी पहचान है। ऐसे में प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना की मेहमान नवाजी का अवसर मिलना राज्य के लिए हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि थाई राजकुमारी का यह दौरा भारत-थाईलैंड संबंधों में और अधिक गहरे सामरिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को प्रोत्साहित करेगा। मुख्य सचिव ने प्रिंसेस की यात्रा के दौरान पुलिस तैयारियों, सुरक्षा इंतजामों, यातायात व्यवस्था, प्रोटोकॉल, संबंधी समस्त पहलूओं की विस्तृत समीक्षा की। प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना अपने प्रवास के दौरान जयपुर एवं जोधपुर का भ्रमण करेंगी। जयपुर में वे आमेर किला, हवामहल, सिटी पैलेस, त्रिपोलिया बाजार सहित अन्य प्रमुख ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का अवलोकन करेंगी। इसके पश्चात जोधपुर में मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस, जसवंत थड़ा सहित अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण प्रस्तावित है। इस दौरान उन्हें राजस्थान की समृद्ध हस्तशिल्प कला, शिल्पकला, संस्कृति, विरासत एवं पारंपरिक आतिथ्य से भी अवगत कराया जाएगा। रॉयल थाई एम्बेसी की एम्बेसडर सु चवनार्ट थांगसुमफैंट ने कहा कि राजकुमारी ने राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की पहचान से प्रभावित होकर अपनी इस यात्रा के लिए राजस्थान का चयन किया है। एंबेसडर ने राज्य सरकार द्वारा की जा रही समस्त तैयारियों के लिए मुख्य सचिव का आभार जताया। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, पर्यटन, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग नवीन जैन, महानिदेशक पुलिस, (कानून एवं व्यवस्था) संजय कुमार अग्रवाल, जयपुर संभागीय आयुक्त पूनम, आयुक्त पर्यटन विभाग रूक्मणि रियार, जयपुर जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के साथ थाई एम्बेसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयास धरातल पर हो रहे साकार- ग्रामीणों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की अभिनव पहल: सीएम

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रामीणों तक सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम उत्थान शिविरों की अभिनव पहल की गई है। 23 जनवरी (बंसत पंचमी) से प्रदेश के प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर शुरू हुए इन शिविरों में आमजन की 77 लाख से अधिक समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इन शिविरों से किसान, पशुपालक, महिला एवं श्रमिक सहित विभिन्न वर्गों को एक ही छत के नीचे योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इससे प्रशासन और आमजन के बीच की दूरी कम हुई है और आत्मनिर्भर एवं सशक्त ग्रामीण राजस्थान को

गति मिली है। ग्राम उत्थान शिविरों के तहत अब तक पूरे प्रदेश में 1 हजार 512 शिविर लगाकर ग्रामीणों को राहत दी गई है। अब तक इन शिविरों में 13 लाख 91 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। जिसमें 9 लाख 17 हजार पुरूष एवं 4 लाख 12 हजार महिलाएं शामिल हैं। प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर आयोजित इन शिविरों में करीब 13 विभागों की विभिन्न सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे ग्रामीणों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। इन शिविरों में किसानों, पशुपालकों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। किसानों को 98 हजार 299 से अधिक सॉइल हेल्थ कार्ड और 55 हजार 886 स्वामित्व कार्ड का वितरण किया गया है। पशुपालकों के लिए भी इन शिविरों में अनेक कार्य करवाए जा रहे हैं। इन शिविरों में मंगला पशु योजना के तहत 92 हजार पशुपालकों का पंजीकरण किया गया तथा 5 लाख 11 हजार पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा और 77 हजार पशुओं का टीकाकरण किया गया है। ग्राम उत्थान शिविरों में सहकारिता, कृषि विपणन एवं उद्यानिकी की विभिन्न योजनाओं के प्रति आमजन को जागरूक भी किया जा रहा है। इन शिविरों में किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूहों को ऋण आवेदन, नये कस्टम हायरिंग सेन्टर्स के आवेदन सहित विभिन्न योजनाओं से लाखों ग्रामीणों को जागरूक किया गया। साथ ही, कृषि विपणन के तहत मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के तहत अब तक 2 हजार 923 आवेदनों का निस्तारण भी किया गया। इन शिविरों में पीएम सूर्य घर योजना के तहत 28 हजार 908 पंजीकरण तथा फार्मर रजिस्ट्री के 14 हजार 430 पंजीकरण किए गए हैं। शिविरों में फार्म पौंड, तारबंदी, पाईपलाइन के आवेदन, प्राथमिक डेयरी सहकारी समिति और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण, नहरों एवं खालों की मरम्मत, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संरक्षण का प्रचार-प्रसार, कृषि योजनाओं की जानकारी, मिनी किट वितरण का सत्यापन, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, युवा स्वरोजगार योजना, ड्रिप, फव्वारा संयत्र, प्लास्टिक मल्च के आवेदन सहित डेयरी, ग्रामीण विकास, जल संसाधन, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व सहित विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं योजनाओं के कार्य करवाए जा रहे हैं। 23 जनवरी से शुरू हुए शिविरों में प्रथम चरण के तहत 25 व 31 जनवरी को शिविरों का आयोजन किया गया तथा दूसरे चरण के तहत 1 फरवरी को प्रदेशभर में शिविर आयोजित हुए। अब इन शिविरों के दूसरे चरण के तहत 5 से 9 फरवरी तक शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

विपक्ष के हंगामा से मोदी का भाषण नहीं हो पाया, आज अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलेंगे पीएम

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। लोकसभा में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के अड़ियल रवैया की वजह से बुधवार को भी विपक्ष के हंगामे और शोरगुल करने की वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रपति के अभिभाषण पर उद्बोधन नहीं हो पाया मोदी सरकार का मानना है कि राष्ट्रपति का अभिभाषण काफी महत्वपूर्ण होता है इसकी चर्चा भी महत्वपूर्ण होती है इसलिए राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सदन के नेता का रिप्लाई अच्छे माहौल में हो जिसकी वजह से देश की जनता में अच्छा संदेश जाए इसी वजह से बुधवार को 5:00 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभी भाषण पर रिप्लाई देने का जो कार्यक्रम निर्धारित था उसे निरस्त किया गया आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपना जवाब देंगे जानकारी के अनुसार बुधवार को कांग्रेस पार्टी के सांसद और अन्य विपक्षी दल के सांसद राहुल गांधी की ओर से चीन घुसपैठ का जो मुद्दा उठाए

हुए थे उस पर कायम थे कांग्रेस के सांसदों का कहना था कि राहुल गांधी को सदन में बोलने का मौका देना चाहिए उन्हें अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है क्योंकि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं इसलिए अगर राहुल गांधी को लोकसभा में नहीं बोलने दिया जाएगा तो फिर सदन के नेता को भी लोकसभा में नहीं बोलने दिया जाएगा इसी वजह से बुधवार को भी कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सांसदों का अड़ियल रवैया जारी रहा जिसकी वजह से लोकसभा की कार्रवाई बाधित होती रही हंगामा और शोरगुल की स्थिति बनी रही इस दौरान लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को विपक्ष के सांसदों को अपनी बात कहकर और भी उत्तेजित कर दिया निशिकांत दुबे ने पुराने इतिहास की याद को ताजा करते थे कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री के कार्यकाल में विवादित पुस्तकों के प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया और कहा कि पूर्व में कांग्रेस पार्टी की सरकारों के दौरान भी बहुत सी पुस्तकों को नहीं छुपने दिया गया था बहुत सी पुस्तकोंको बन कर दिया था यह सुनकर विपक्ष के सांसद और उत्तेजित हो गए और शोरगुल हंगामा करने लगे राष्ट्रपति के अभी भाषण पर विपक्ष के कई सांसदों का बुधवार को भाषण होना निर्धारित था लेकिन लोकसभा में हंगामा की वजह से उनके भाषण नहीं हो पाए इस दौरान सुबह से ही हंगामा और शोरगुल को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार की शाम लोकसभा की कार्रवाई गुरुवार 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी जिसकी वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बुधवार की शाम 5:00 बजे लोकसभा में भाषण देने का जो कार्यक्रम निर्धारित था वह हो नहीं पाया सूत्रों के मुताबिक बुधवार को लोकसभा की कार्रवाई स्थगित होने से पहले गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात हुई थी इस मुलाकात के कुछ देर बाद लोकसभा अध्यक्ष ने लोकसभा की कार्रवाई को स्थगित किया कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चाहते हैं कि उनका भाषण पूरा सदन स्वच्छ और अच्छे वातावरण में सुने जिससे देश की जनता में अच्छा मैसेज जाए इसीलिए कहा जा रहा है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री के रिप्लाई को काफी महत्वपूर्ण मानते हैं लोकसभा की कार्रवाई को बुधवार की शाम स्थिति कर दिया उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने सोमवार को लोकसभा में पूर्व सैन्य अधिकारी नरवर की किताब का जिक्र करते हुए चीन के भारत की सीमा में घुसपैठ का उल्लेख करके कहा था कि चीन की मिलिट्री ने जब भारत की सीमा में घुसपैठ की थी उस समय मिलिट्री के अधिकारियों की ओर से देश के रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री को चीन के घुसपैठ किए जाने के बारे में अवगत करवाया था और सरकार से दिशा निर्देश लेने का प्रयास किया लेकिन सरकार ने मिलिट्री की इस बात को गंभीरता से नहीं लिया और कोई जवाब नहीं दिया इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गृहमंत्री अमित शाह ने साफ कहा था कि राहुल गांधी सिर्फ कागज के टुकड़ों के आधार पर तथ्यहीन बातें करके लोकसभा का कीमती समय खराब कर रहे हैं राहुल गांधी जिस किताब का जिक्र कर रहे हैं उस किताब का जब जिक्र ही नहीं हुआ है उसका जिक्र करके सदन का माहौल खराब करना ठीक नहीं है लेकिन कांग्रेस पार्टी के सांसद और सभी विपक्षी दल के सांसद राहुल गांधी के बयान का समर्थन करके राहुल गांधी को लोकसभा में बोलने का मौका देने की डिमांड करके सदन में बुधवार को भी शोरगुल और हंगामा करते रहे जिसकी वजह से लोकसभा की कार्रवाई ठीक तरह से बुधवार को भी संपादित नहीं हो पाई ।

जिला कलक्टर ने किया माय भारत पोर्टल पर बजट क्वेस्ट 2026 के पोस्टर का विमोचन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के माय भारत पोर्टल पर बजट क्वेस्ट 2026 कार्यक्रम के पोस्टर विमोचन किया। जिला कलक्टर ने बताया कि युवा कार्यक्रम मंत्रालय की ओर से यह राष्ट्रव्यापी युवा-केंद्रित पहल देश के युवाओं में केंद्रीय बजट की समझ को बढ़ाने, बजटीय प्रावधानों को अधिक सुलभ, प्रासंगिक और नागरिक-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत क्विज एवं निबंध राउंड के बाद क्वालीफाई होने वाले युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधे संवाद करने का अवसर प्राप्त होगा। माय भारत केंद्र के जिला युवा अधिकारी पंकज यादव ने बताया कि माय भारत पोर्टल पर आयोजित होने वाला यह इनोवेटिव कार्यक्रम बजट @ 2026 के संबंध में आम नागरिकों को जागरूक करने की पहल है। बजट क्विज 2026 प्रश्नोत्तरी के माध्यम से युवाओं को राष्ट्रीय मंच पर अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा । उन्होंने बताया कि प्रश्नोत्तरी में भाग लेने के लिए युवाओं को www.mybharat.gov.in पोर्टल अथवा माय भारत ऐप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करना होगा।

नगर विकास न्यास के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा विभिन्न स्थानों पर की गई अवैध निर्माण एवं अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त करने की कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। नगर विकास न्यास के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा न्यास क्षेत्राधिकार में बिना न्यास स्वीकृति एवं भू-संपरिवर्तन कराए कृषि भूमि पर ग्रेवल सडक विकसित कर अवैध प्लॉटिंग, चारदीवारी को ध्वस्त करने की कार्रवाई गई। नगर विकास न्यास की सचिव धाइगुडे स्नेहल नाना ने बताया कि ग्राम भूगोर झोपडी के खसरा नंबर 645 में करीब एक बीघा कृषि भूमि पर बन्नाराम मीणा, मुकेश, बृजमोहन, महेन्द्र, संतोष देवी, छाजूराम व अन्य द्वारा विकसित की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया। इसी प्रकार अम्बेडकर नगर के वेयर हाउस योजना में सडक के मुख्य भाग पर अवैध रूप से खोखे, थडियां लगाकर किए गए अतिक्रमण को हटाकर न्यास भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। वहीं अम्बेडकर नगर के वेयर हाउस योजना के भू-भाग पर बिना स्वीकृति के की जा रही अवैध ट्रक पार्किंग को हटाकर न्यास भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि न्यास द्वारा अवैध प्लॉटिंग एवं अवैध निर्माण/अतिक्रमण के विरूद्ध आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आमजन से अपील की है कि न्यास द्वारा विकसित की गई आवासीय योजनाओं तथा न्यास द्वारा स्वीकृत की गई योजनाओं में ही भूखण्ड अथवा मकान खरीदे तथा किसी भी अनाधिकृत रूप से काटी गई अवैध कॉलोनियों में भूखण्ड अथवा भूमि नहीं खरीदे। इस दौरान अतिक्रमण निरोधक अधिकारी, क्षेत्रीय कनिष्ठ अभियन्ता के साथ टीम के सदस्य मौजूद रहे।

विश्व हिंदू महासंघ अलवर में महिला नेतृत्व को नई जिम्मेदारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। विश्व हिंदू महासंघ के अलवर जिलाध्यक्ष मनीष कुमार द्विवेदी ने जिला संरक्षक लक्षमेश कुमार सिंह की अनुशंसा पर गरिमा गोयल को अलवर महिला जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया। इस अवसर पर समाजसेवी महेंद्र गोयल द्वारा नवनियुक्त महिला जिलाध्यक्ष गरिमा गोयल का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संगठन के विस्तार, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक सरोकारों को और अधिक मजबूती देने पर विचार-विमर्श किया गया। नियुक्ति पर गरिमा गोयल ने संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की विचारधारा के अनुरूप कार्य करते हुए महिलाओं को संगठित करने और समाजहित के कार्यों को गति देने का प्रयास करेंगी। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने किया बाल अधिकारिता विभाग की संस्थाओं एवं यूआईटी के निर्माणाधीन विकास कार्यों का निरीक्षण

बच्चों को शैक्षणिक गतिविधियों से जोडकर उनके स्वास्थ्य एवं परवरिश की प्रभावी मॉनिटरिंग करें - जिला कलक्टर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बाल अधिकारिता विभाग के अधीन संचालित सम्प्रेषण गृह, शिशु गृह एवं यूआईटी के प्रगतिरत विकास कार्यों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने निरीक्षण के दौरान संप्रेषण गृह में आवासरत बालकों से बातचीत कर उनको प्रदान की जा रही सुविधाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने बाल अधिकारिता

विभाग के सहायक निदेशक को निर्देश दिये कि बच्चों को किसी भी माध्यम के द्वारा शैक्षिक गतिविधियों से जोडा जावे तथा प्रतिदिन के शिड्यूल के अनुसार नियमित रूप से निर्धारित गतिविधियां सम्पन्न कराई जाए। उन्होंने शिशु गृह का निरीक्षण कर समुचित व्यवस्थाओं का जायजा लेकर बच्चों के स्वास्थ्य और उनकी परवरिश की जानकारी प्राप्त की तथा बालकों की चिकित्सा पत्रावली का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने बच्चों की दत्तक ग्रहण प्रक्रिया को निर्धारित समय अवधि में पूरा कराने की निर्देश दिये। साथ ही 3 वर्ष से अधिक आयु के बालकों को शाला पूर्व शिक्षा के लिए आंगनबाड़ी केंद्र पर भेजने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिये कि बाल कल्याण समिति को निर्धारित समय अवधि में प्रकरणों के निर्धारण करें। उन्होंने नियमित रूप से साफ सफाई स्वच्छता और व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये।

यूआईटी के निर्माणाधीन कार्यों का किया निरीक्षण

जिला कलक्टर ने सूर्य नगर बी ब्लॉक पार्क का निरीक्षण कर यूआईटी के अधिकारियों निर्देश दिये कि पार्क को अलवर दर्शन पार्क की तर्ज पर विकसित करने की संभावनाओं पर कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिये कि पार्क की फाउन्टेन को दुरूस्त कराकर चालू करावे। साथ ही पार्क के सौन्दर्यकरण का विस्तृत प्लान तैयार करें। इसके उपरान्त उन्होंने बुध विहार के सी ब्लॉक में निर्माणाधीन ओपन लाइब्रेरी का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि ओपन लाइब्रेरी का कार्य की प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप में पूर्ण करावे, जिससे यहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों एवं आमजन को ओपन लाइब्रेरी का लाभ मिल सके। साथ शहर के अन्य पार्कों में प्रगतिरत कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए उनका रख-रखाव सुनिश्चित करें। इस दौरान बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रविकांत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक लक्ष्मण सिंह, यूआईटी के अधिशासी अभियन्ता अशोक मदान, सहायक अभियन्ता धर्मेन्द्र यादव, कनिष्ठ अभियन्ता दौलतराम, संप्रेक्षण गृह के अधीक्षक संजय वर्मा, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष रेनू गुप्ता, ज्योति आहूजा एवं किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य चंद्रशेखर शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

8 से 15 फरवरी तक होगा शिव कृपा आनन्द महोत्सव

कलश यात्रा से होगा शुभारंभ, 108 रुद्राभिषेक व शिव बारात होंगे आकर्षण

पाप से दूर रहना है तो धर्म से जुड़े रहना आवश्यक- डॉ. महाराज

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अलवर की पावन धरा पर ब्रह्मलीन भक्ति सम्राट संत गुरुजी श्री शिवानन्द साधक जी महाराज (डेरा वाले बाबा, श्रीधाम वृन्दावन) की असीम अनुकम्पा एवं परम पूज्य डॉ. शिवम् साधक महाराज के सानिध्य में शिव कृपा आनन्द महोत्सव एवं शिव कथा का भव्य आयोजन 08 फरवरी से 15 फरवरी 2026 तक श्री राम मंदिर, अपना घर शालीमार, अलवर में किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. शिवम् साधक महाराज ने कहा कि यदि मनुष्य को पाप से दूर रहना है तो उसे सदैव धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने बताया कि शिव कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति एवं भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होगी।

08 फरवरी को निकलेगी भव्य कलश यात्रा

साधक सेवा समिति, अलवर के अध्यक्ष डॉ. एस.सी. मित्तल ने जानकारी दी कि महोत्सव का शुभारंभ रविवार, 08 फरवरी को प्रातः 10 बजे भक्तिधाम मंदिर, गेट नंबर-3, अपना घर शालीमार से भव्य कलश यात्रा के साथ होगा।

धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला

महोत्सव के दौरान प्रतिदिन विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रमों की रूपरेखा इस प्रकार रहेगी–
09 फरवरी को गणेश जी का 1008 सहस्त्रनाम पाठ,
10 फरवरी को खाटूश्याम ज्योति पूजन एवं भजन संध्या,
11 फरवरी को सायं 7 बजे ब्रज सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत चरकुला नृत्य की प्रस्तुति,
12 फरवरी को सुंदरकाण्ड पाठ,
13 फरवरी को हल्दी-मेहंदी एवं भजन संध्या,
14 फरवरी को हिंडोला उत्सव एवं प्रसिद्ध भजन गायक मुकुल द्विवेदी की भजन संध्या आयोजित होगी।

महाशिवरात्रि पर 108 रुद्राभिषेक

महोत्सव के अंतिम दिन 15 फरवरी 2026 को 108 महा विशेष रुद्राभिषेक एवं ज्योतिर्लिंग पूजन का आयोजन किया जाएगा। इसके उपरांत भगवान शिव की भव्य बारात निकाली जाएगी तथा एक कन्या का विवाह भी संपन्न कराया जाएगा।

प्रतिदिन दोपहर 1 से 4 बजे तक कथा

09 फरवरी से 15 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक श्री राम मंदिर, अपना घर शालीमार, अलवर में कथा एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

श्रद्धालुओं से सहभागिता की अपील

साधक सेवा समिति, अलवर ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस पावन आयोजन में सहभागिता कर भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त करें तथा अपने जीवन को मंगलमय बनाएं।

आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर नार्थ जोन सोसायटी अपना घर शालीमार ने नगर निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। शहर की अपना घर शालीमार विस्तार स्थित रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसायटी नार्थ जोन की कार्यकारिणी ने बुधवार को सोसायटी क्षेत्र में बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर नगर निगम अलवर आयुक्त सोहन सिंह नरूका को ज्ञापन सौंपा।
सोसायटी के अध्यक्ष रमेश चंद खैरिया के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे आमजन, विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में आवारा कुत्तों से हो रही प्रमुख परेशानियो को बताया गया है कि सुबह एवं देर रात कुत्तों के झुंड द्वारा राहगीरों पर हमला, बच्चों और बुजुर्गों के लिए घरों से बाहर निकलना असुरक्षित, आए दिन कुत्तों के काटने की घटनाएँ, जिससे रेबीज का खतरा, मोटरसाइकिल व साइकिल सवारों के पीछे दौड़ने से दुर्घटनाओं की आशंका, रात्रि समय लगातार भौंकने से शांति भंग, खुले कचरे पर कुत्तों के झुंड से गंदगी और अस्वच्छता, सोसायटी द्वारा सुझाए गए रोकथाम के उपाय :
क्षेत्र में आवारा कुत्तों का तत्काल सर्वे कर चिन्हांकन, नगर निगम द्वारा नसबंदी अभियान (Sterilization Drive) तेज किया जाए, बीमार व आक्रामक कुत्तों को रेस्क्यू कर पशु चिकित्सालय भेजा जाए, पशु नियंत्रण टीम की नियमित गश्त सुनिश्चित की जाए आवारा कुत्तों को सोसायटी से बाहर किया जाए। ज्ञापन सौंपते समय अध्यक्ष रमेश चंद खैरिया, सचिव वीरेन्द्र क्रांतिकारी, कोषाध्यक्ष मुकेश चौधरी, सदस्य गुड्डू सोनी ने नगर निगम आयुक्त से समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की गई। आयुक्त सोहन सिंह नरूका ने सोसायटी प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि नगर निगम द्वारा इस विषय में उचित एवं त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

जिले में पूरे सप्ताह खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन शिविरों का आयोजन

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। खाद्य कारोबारियों को लाइसेंस एवं पंजीयन की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग, जयपुर तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी खैरथल-तिजारा डॉ. अरविंद गेट के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आगामी सप्ताह जिले के छोटे कस्बों एवं ग्राम पंचायतों में खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 6 फरवरी को शर्मा मेडिकल स्टोर के सामने मुंडावर रोड सोडावास, 7 फरवरी को मेन बस स्टैंड बासनी मुंडावर, 8 फरवरी को सोनू रसगुल्ला के सामने बीबी रानी, 9 फरवरी को बस स्टैंड कोटकासिम कस्बा, 10 फरवरी को मेन स्टैंड बूढ़ी बावल (कोटकासिम), 11 फरवरी को मेन बस स्टैंड खैरथल रोड कस्बा हरसोली तथा 12 फरवरी 2026 को छोटी धर्मशाला कस्बा तिजारा में शिविर आयोजित होंगे। खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमन्त यादव ने बताया कि शिविर प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित किए जाएंगे, जिसमें 12 लाख रुपये से कम वार्षिक टर्नओवर वाले खाद्य कारोबारियों को फोटो एवं आधार/पहचान पत्र की प्रति लानी होगी, जबकि 12 लाख रुपये से अधिक टर्नओवर वाले कारोबारियों को जीएसटी पंजीयन, दुकान स्वामित्व प्रमाण पत्र, पैन कार्ड एवं पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। वहीं निर्माण एवं प्रसंस्करण इकाइयों के लिए उपकरणों की सूची, पानी की जांच रिपोर्ट तथा इकाई के फोटो साथ लाना आवश्यक रहेगा।

राजस्थान विधानसभा में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर बरसे तिजारा विधायक महंत बालकनाथ योगी

क्षेत्रीय विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

जयपुर टाइम्स

तिजारा/जयपुर(निसं.)। तिजारा विधायक महंत बालकनाथ योगी ने राजस्थान विधानसभा में महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई चर्चा के दौरान पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने और तिजारा क्षेत्र सहित प्रदेश में विकास कार्यों को रोकने के गंभीर आरोप लगाए। साथ ही वर्तमान भाजपा सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।
विधानसभा में अपनी बात रखते हुए महंत बालकनाथ योगी ने बीड़ा इंटीग्रेटेड 60 व 45 मीटर सड़क, जिला एवं उप जिला अस्पताल भवनों के निर्माण, टोल शिफ्टिंग सहित विभिन्न मुद्दों को उठाया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ये सभी महत्वपूर्ण परियोजनाएं केवल फाइलों तक सीमित रहीं, जबकि भाजपा सरकार के गठन के बाद अटके हुए कार्यों को गति मिली है। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित खिजूरीबास टोल शिफ्टिंग, भिवाड़ी जिला अस्पताल भवन निर्माण और तिजारा में उप जिला अस्पताल की सौगात भाजपा सरकार में ही संभव हो पाई है। महंत योगी ने बताया कि वसुंधरा राजे सरकार के समय प्रस्तावित नीमराना-बहरोड़ लिंक रोड पर कांग्रेस सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल में कोई ठोस कार्य नहीं कर सकी, जबकि अब शीघ्र ही इसकी डीपीआर तैयार कर कार्य शुरू किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त उन्होंने भिवाड़ी टोल से टपूकड़ा सिक्स लेन हाईवे का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। तिजारा विधायक ने कहा कि कांग्रेस सरकार केवल सोशल मीडिया और फेसबुक पर घोषणाएं करने तक सीमित रही, जमीनी स्तर पर कोई ठोस विकास कार्य नहीं हुआ। वर्ष 2023 के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में सकारात्मक और व्यापक बदलाव देखने को मिला है। विधानसभा सहित पूरे प्रदेश में विकास कार्य न केवल तेजी से हो रहे हैं, बल्कि उनका प्रत्यक्ष लाभ जनता को मिल रहा है। अंत में उन्होंने कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जनता ने उनकी खोखली घोषणाओं को समझ लिया, इसी कारण प्रदेश की जनता ने उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया। साथ ही सदन में कांग्रेस विधायकों की कम उपस्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस के विधायक देखने को भी नहीं मिलेंगे।

'कैसंर सुधार के लिये एकजुट होने से बचाव सम्भव है '

विश्व कैंसर दिवस का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व कैंसर दिवस का आयोजन राजकीय राजीव गाँधी सामान्य चिकित्सालय अलवर के आईएमए हॉल में आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण विश्व में कैसर रोग से बचाव के प्रति लोगों में जागरूकता बढाने के उद्देश्य से विश्व कैंसर दिवस 4 फरवरी को आयोजन किया जाता है। उन्होंनें बताया कि इस वर्ष की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक 2026 (कैसंर सुधार के लिये :- एकजुट होना) है। विश्व में असामयिक मृत्यु के प्रमुख कारणों में से कैंसर रोग है, जिसका बचाव सम्भव है। उन्होंने बताया कि भारत वर्ष में लगभग 38 लाख कैंसर से पीड़ित मरीज है जिसमें प्रत्येक वर्ष 16 लाख नये मरीज जुड़ रहे हैं। लगभग 8 लाख मरीजों की मृत्यु कैंसर रोग के कारण हो रही है। कैंसर रजिस्ट्री के अनुसार केवल 33' कैंसर मरीजों की पहचान रोग के प्रारम्भिक स्तर पर की जा रही है, जबकि 66' कैंसर मरीजों की पहचान रोग की द्वितीय तथा तृतीय स्तर पर हो पाती है। उप मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी (स्वा0) डॉ0 महेश बैरवा ने बताया गया की प्रारम्भिक अवस्था में कैंसर की पहचान कर इससे होने वाली मृत्यु को कम किया जा सकता है। कैंसर दिवस पर सामान्य चिकित्सालय अलवर में कैंसर डीटेक्शन कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों की कैसर कि जॉच व लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान आईएमए हॉल में डॉ. ऋचा गुप्ता ने कैंसर के बचाव के बारे में बताया गया तथा जिला एनसीडी क्लिनिक प्रभारी डॉ0 बीएस खत्री, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ0 सुखवीर तेंवर, डॉ0 प्रवीण, कौशल ने अपने कैंसर के बारे में बताया गया। इस अवसर पर डॉ. शोलर मीना, डॉ. चारु जोहरी, डीपीसी (आईईसी) डूंगाराम भौवाल, राजपाल यादव, कोशल किशोर बैरवा सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

सरिस्का टाइगर रिज़र्व में उत्कृष्ट गश्ती कर्मचारियों के लिए मासिक पुरस्कार योजना शुरू

वन एवं वन्यजीव संरक्षण को मिलेगा नया बल, फील्ड स्टाफ का बढ़ेगा मनोबल

अलवर(निसं.)। सरिस्का टाइगर रिज़र्व में वन एवं वन्यजीव संरक्षण तथा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सर्वश्रेष्ठ गश्ती कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु मासिक पुरस्कार योजना प्रारंभ की गई है। इस पहल का उद्देश्य प्रभावी गश्त को बढ़ावा देना तथा फील्ड स्टाफ के

मनोबल को सशक्त करना है। योजना के तहत प्रत्येक माह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। इसी क्रम में अलवर बफर रेंज के तकनीशियन ग्रेड-।। घनश्याम सैनी को पिछले माह का सर्वश्रेष्ठ गश्ती कर्मचारी घोषित करते हुए पुरस्कार प्रदान किया गया। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह पुरस्कार योजना निरंतर प्रत्येक माह जारी रहेगी, जिससे गश्ती कार्य की गुणवत्ता में सतत सुधार सुनिश्चित हो सकेगा और कर्मचारियों को बेहतर कार्य के लिए प्रेरणा मिलेगी। एम-स्ट्राइप्स ऐप से हो रही डिजिटल गश्त उल्लेखनीय है कि वर्तमान में सरिस्का टाइगर रिज़र्व में संपूर्ण गश्ती कार्य डिजिटल ऐप 'एम-स्ट्राइप्स के माध्यम से किया जा रहा है। इस आधुनिक प्रणाली से गश्ती गतिविधियों की निगरानी एवं अभिलेखन और अधिक प्रभावी हुआ है, जिससे वन एवं वन्यजीव संरक्षण व्यवस्था को मजबूती मिली है।

मानवता, दबंगता, दानशीलता और युवा शक्ति का अभूतपूर्व संगम है 'विजय पूनिया'

जयपुर में बालिका हॉस्पिटल के लिए 150 करोड रुपए कीमत की जमीन दान देने वाले और जाटों को आरक्षण दिलाने में बड़ी भूमिका निभाने वाले इस जाट नेता के नाम लेने से ही 50 साल पहले बड़े-बडे गेंगंस्टरों रूह कांप जाती थी और आज 75 साल की उम्र में भी यह जाट नेता राजस्थान के जाट समाज नहीं बल्कि हर जाति और बिरादरी के युवाओं में युवा शक्ति और युवा एकता के बने हैं प्रतिबिंब, पूर्व मंत्री दिवंगत गोरी पूनिया के लाडले विजय पूनिया के सहयोग और सानिध्य में गरीब परिवार के अनेक लड़के आईएएस, आईपीएस, आर आरएएस, आरपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर और उद्योगपति बनकर कर रहे देश की सेवा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(रामेश्वर लाल जाट)। शुरू से ही प्रदेश की राजनीति जाटों पर केंद्रित रही है, जाट समाज में बड़े-बड़े राजनेता, समाजसेवी उद्योगपति होने के साथ पुलिस और प्रशासन में भी बड़े पदों पर नियुक्त रहे लेकिन इन सब में विजय पूनिया के नाम ने जो सुर्खियां प्रदेश के इतिहास में अब तक बटोरी है वैसी सुर्खियां कोई और जाट नेता अब तक नहीं बटोर पाया, आज से करीब 50 साल पहले जयपुर और प्रदेश में विजय पूनिया के नाम लेने मात्र से ही बड़े-बड़े बदमाशों की रूह कांप जाती थी और प्रदेश के जंगलों में हिरण के कान खड़े हो जाते थे । इनका नाम लेने मात्र से ही प्रदेश के दूर दराज के गांव से जयपुर में पढ़ने आने वाले छात्रों की जटिल से जटिल समस्याएं भी हल हो जाती थी और जयपुर में ही नहीं बल्कि प्रदेश के हर कॉलेज और विश्वविद्यालय कैंपस में इनके नाम का डंका बजाता था। वह डंका 50 साल बाद भी आज प्रदेश के हर कॉलेज और विश्वविद्यालय में बज रहा है। यह अकल्पनीय करिश्मा विजय पूनिया ने अपने जीवन में बिना चाकू छुरी चलाएं और बिना गोला बारूद के हासिल किया जो अपने आप में एवरेस्ट की चौटी को फतह करने के समान है । इनके नाम के आगे इनकी स्वर्गीय मां गौरी पूनिया और पत्नी उषा पूनिया का नाम जुड़ा है यह दोनों ही राजस्थान की राजनीति में सक्रिय रही जिसमें गोरी पूनिया करीब 20 साल तक डेगाना मकराना से विधायक रही और राजस्थान कांग्रेस की अध्यक्ष भी रही तो दूसरी तरफ उषा पूनिया पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे सरकार में कैबिनेट मंत्री रही । लेकिन विजय पूनिया ने तो बिना विधायक सांसद और मंत्री बने ही जाट समाज और राजस्थान के युवा वर्ग में जो लोकप्रियता हासिल की ऐसी लोकप्रियता राजस्थान के इतिहास में आज तक किसी भी व्यक्ति को नसीब नहीं हुई । युवा अवस्था में पहलवानी करने वाले विजय पूनिया को तो अब तक यह एहसास नहीं है कि वे प्रदेश के युवाओं के हृदय सम्राट है और जाट समाज के आंखों के तारे लेकिन इनकी अप्रोच, लोकप्रियता, दानशीलता, मानवता और दबंग छवि का ही परिणाम है कि आज राजस्थान ही नहीं बल्कि हरियाणा जैसे जाट बहुल प्रदेश के जाट समाज के छोटे-बड़े सभी संगठन इन्हें अपने मंच पर नंबर वन जाट नेता का दर्जा देते हैं ।

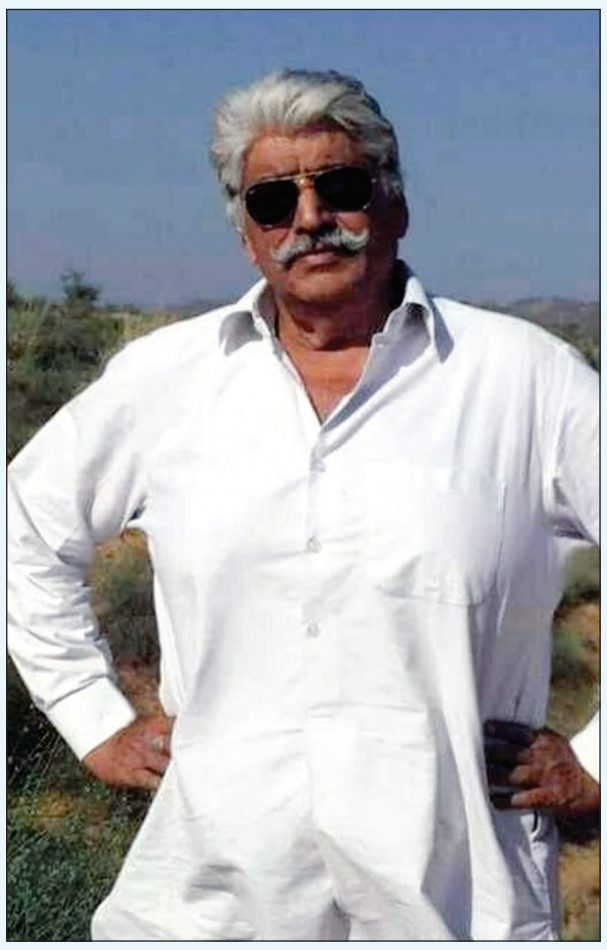

जयपुर जैसे महंगे शहर में 150 करोड़ रुपए की जमीन बालिका हॉस्टल के लिए दे दी दान

वैसे तो विजय पूनिया करीब 50 साल से जाट समाज के गरीब परिवारों के छात्रों की स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी की पढ़ाई में हर तरह से सहयोग करते आ रहे हैं चाहे दूर दराज के गांव और ढाणी से जयपुर में कॉलेज और यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के लिए आने वाले बच्चों के रहने खाने, पीने और ठहरने का मामला हो या फिर उनके ऐडमिशन से जुड़े होने का मामला हो या फिर और कोई समस्या हो इन तमाम छात्रों की समस्याओं का भार विजय पूनिया ने अपने कंधों पर उठाया हुआ है लेकिन कुछ महीने पहले ही पूनिया ने जयपुर जैसे बड़े महंगे शहर में करीब 150 करोड रुपए की अपनी निजी जमीन जाट समाज के बालिकाओं के हॉस्टल के लिए दान करके दानशीलता का एक और बड़ा उदाहरण उन्होंने प्रस्तुत किया, यह 50 कमरों वाला गोरी पूनिया बालिका हॉस्टल करीब 3000 वर्ग गज भूमि में बनकर तैयार होगा बड़ी बात यह है कि इस हॉस्टल के निर्माण के लिए पूनिया की ओर से जमीन डोनेट करते ही कुछ ही देर में हॉस्टल निर्माण के लिए जाट समाज के दानदाताओं की ओर से आर्थिक मदद देने के लिए लंबी कतार लग गई पूनिया उन लोगों में नहीं है जो दान देकर सुर्खियां हासिल करना चाहते हो क्योंकि अक्सर यह देखने में आता है कि कोई थोड़ा सा भी दान करता है तो वह मीडिया के सामने करता है ताकि उसे सुर्खियां और मान सम्मान लोकप्रियता मिले लेकिन विजय पूनिया इन सबके भूखे नहीं है क्योंकि विजय पूनिया तो सालों पहले ही मान सम्मान और लोकप्रियता के उस शिखर पर पहुंच गए थे जहां बहुत कम लोग ही पहुंचे हैं इसलिए उन्होंने जयपुर में सवाई मानसिंह अस्पताल के सामने 150 करोड रुपए कीमत की इस जमीन को बालिका हॉस्टल के लिए चुपचाप दान की लेकिन काम इतना बड़ा था कि मीडिया ने अपने आप ही उनके इस कार्य को प्रमुखता दी और सोशल मीडिया के जमाने में विजय पूनिया के लाखों फैंस फिर कहां पीछे रहने वाले थे इसलिए उनकी यह जमीन दान करने की खबर पूरे देश की खबर बन गई

1971 से ही जयपुर में निर्धन जरूरतमंद छात्रों के लिए हॉस्टल का कर रहे संचालन

वर्ष 1949 में जन्मे विजय पूनिया ने स्कूली और कॉलेज की पढ़ाई जोधपुर में की कॉलेज और यूनिवर्सिटी की पढ़ाई के दौरान ही उनकी एक दबंग छात्र नेता के रूप में छवि बनी ग्रामीण क्षेत्र के निर्धन और टैलेंटेड भोले भाले छात्रों के प्रति इनका दया भाव इनके अपने छात्र जीवन में ही गहराई से दिल से जुड़ गया था मिलिट्री ऑफिसर पिता और एक लोकप्रिय कांग्रेस नेत्री मां से मिले भरपूर प्यार और आशीर्वाद से पूनिया की हाई प्रोफाइल कॉलेज लाइफ रही लेकिन उनका दिल हमेशा ग्रामीण छात्रों की भलाई और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जूझता रहा उनकी संघर्षपूर्ण छात्र जीवन की शैली से ही छात्र उनके कॉलेज के जमाने से ही उनसे जुड़ते रहे जो आज तक कई सालों के बाद भी लगातार उनसे जुड़ रहे हैं वजह यही है कि आज का कॉलेज का छात्र जब कॉलेज और यूनिवर्सिटी कैंपस में विजय पूनिया के छात्र जीवन के किस्से और छात्रों के कल्याण के लिए इनकी ओर से 1971 से जयपुर में स्थापित किए गए हॉस्टल और अन्य सामाजिक और भलाई के कार्यों के बारे में सुनता है तो फिर उसका दिल और दिमाग दोनों विजय पूनिया से सीधे जुड़ जाते हैं विजय पूनिया ने 1971 में जयपुर में प्रदेश के कोने-कोने से आने वाले जाट समाज के निर्धन और जरूरतमंद छात्रों की सुविधा के लिए हॉस्टल स्थापित किए थे जो आज तक संचालित है किसान छात्रावास, स्वाधीन छात्रावास सहित अन्य हॉस्टल संचालित कर रहे हैं जिनमें बड़ी संख्या में छात्र रहते है और पढ़ाई करके अपना करियर बना रहे हैं इन हॉस्टलों में छात्रों के ठहरने खाने पीने पर सुरक्षा के तमाम इंतजाम हैं इन हॉस्टल्स में पड़कर छात्र पिछले कई सालों से भारतीय प्रशासनिक सेवा भारतीय पुलिस सेवा राजस्थान प्रशासनिक सेवा राजस्थान पुलिस भारतीय वन सेवा इत्यादि हाई प्रोफाइल सरकारी सर्विस में समाज और देश की सेवा कर रहे हैं इन हॉस्टल में कॉलेज और यूनिवर्सिटी की पढ़ाई करके बच्चे खेल, कला, संस्कृति, विज्ञान, फिल्म इत्यादि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे है यह सब विशिष्ट व्यक्ति आज भी विजय पूनिया को अपना मसीहा मानते हैं

फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र विजय पूनिया को अपने सगे भाई से भी ज्यादा मानते थे पूनिया के आग्रह पर ही बीकानेर से लोकसभा का चुनाव लड़ा

कांग्रेस के नेता महेंद्र चौधरी जो राजस्थान विद्यालय छात्र संघ का अध्यक्ष बने थे तब चौधरी के छात्र संघ शपथ समारोह में धर्मेंद्र ने हजारों छात्रों के बीच में कहा था कि मैं विजय पूनिया को अपने सगे भाई से भी ज्यादा मानता हूं और प्यार करता हूं इनकी मां गोरी पूनिया ने मुझे अपना धर्म बेटा बनाया हुआ है। गोरी पूनिया मुझे अपने बेटे से भी ज्यादा प्यार करती है और मैं विजय पूनिया को अपने सगे भाई से भी ज्यादा मानता हूं । छात्र संघ चुनाव में विजय पूनिया का महेंद्र चौधरी को समर्थन था इसलिए उनकी जीत भी हुई और विजय पूनिया के कहने पर ही धर्मेंद्र उनके शपथ ग्रहण समारोह में आए थे। बाद में वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव में विजय पूनिया के आग्रह पर ही धर्मेंद्र ने भाजपा ज्वाइन की और बीकानेर से भाजपा के प्रत्याशी के तौर पर लोकसभा का चुनाव लड़ा और चुनाव में जीत भी हासिल की । धर्मेंद्र का अभी कुछ महीने पहले निधन हुआ लेकिन धर्मेंद्र और विजय पूनिया के बीच आपस में सगे भाई जैसा रिश्ता बरकरार रहा। यहां तक की विजय पूनिया की बड़ी बेटी की शादी में धर्मेंद्र खुद मौजूद रहे और कन्यादान किया हालांकि स्वास्थ्य कारण की वजह से विजय पूनिया की दूसरी बेटी की शादी में धर्मेंद्र नहीं आ पाए लेकिन उन्होंने अपने भाई को कन्यादान की रस्म अदायगी के लिए भेजा था । इस तरह से धर्मेंद्र और विजय पूनिया के परिवार के बीच सालों से पारिवारिक रिश्ता गहरा रहा जो धर्मेंद्र की निधन के बाद भी बरकरार है आज धर्मेंद्र के बेटे अभिनेता सनी देओल भी विजय पूनिया से वैसा ही पारिवारिक रिश्ता निभा रहे हैं जैसा रिश्ता धर्मेंद्र ने जीते जी निभाया एक मुलाकात के दौरान धर्मेंद्र ने पत्रकारों से कहा था कि उनका राजनीति में आने का बिल्कुल भी मन नहीं था लेकिन विजय पूनिया के बार-बार आग्रह करने से वह अपने भाई की बात को इग्नोर नहीं कर सकते थे । इसलिए अपनी इच्छा के खिलाफ धर्मेंद्र ने विजय पूनिया का सम्मान करते हुए भाजपा ज्वाइन की और फिर बीकानेर से चुनाव लड़कर सांसद भी पहुंचे।

'मैं जाट का बेटा और जाटों के लिए मेरा सब कुछ कुर्बान '

पिछले करीब 50 साल से जाट समाज के कल्याण और विकास के लिए सतत रूप से अग्रणी भूमिका निभा रहे विजय पूनिया से जब कोई पत्रकार उनकी दानशीलता को लेकर सवाल पूछता है तो पूनिया का एक ही जवाब सुनने को मिलता है - 'मैं जाट का बेटा और जाटों के लिए मेरा सब कुछ कुर्बान '.. पूनिया से एक पत्रकार ने जब जयपुर में बालिका हॉस्टल के लिए 150 करोड रुपए की जमीन दान देने की चर्चा की तो पूनिया ने पलट कर यही कहा जमीन दान करने वाले वे कौन होते हैं दान करने वाले यह जमीन उनकी थोड़ी थी यह जमीन देने वाले भी श्रीनाथजी थे और लेने वाले भी श्रीनाथजी हैं वे थोड़ी है इस जमीन के मालिक यह सब कुछ समाज के प्यार और सम्मान से कमाया है और अब समाज के ही काम आएगा इसलिए उनके लिए 150 करोड रुपए जमीन की कोई कीमत नहीं है इन लफ्जों से साफ मतलब निकाला जा सकता है कि पुनिया का अपने समाज के कल्याण और विकास के लिए कितना गहरा दिल का जुड़ाव है जाट समाज के प्रति पुनिया का यही भाव उन्हें जाट समाज के नंबर वन लोकप्रिय नेता के रूप में लंबे समय से स्थापित किए हुए हैं, वैसे भी यह कोई पहला बड़ा उदाहरण नहीं था जब पूनिया ने करोड़ों रुपए की जमीन चुटकी में ही समाज के लिए डोनेट कर दी पुनिया सालों से जाट समाज के लिए त्याग तपस्या का प्रतिबिंब बने हुए हैं जहां भी जाट समाज की ओर से सामूहिक चंदे और दान के माध्यम से कोई कार्य करने की बात होती है वहां दान करने वालों में पुनिया सबसे पहले नंबर पर होते हैं चाहे तेजाजी के मंदिर का निर्माण करने की बात हो चाहे समाज की ओर से धर्मशाला चिकित्सालय स्कूल भवन इत्यादि निर्माण करने की बात हो पुनिया दान देने वालों में हमेशा आगे की पंक्ति पर नजर आए इसीलिए राजस्थान के छोटे बड़े जाट समाज के सभी संगठनों की ओर से पुनिया का समय-समय पर सम्मान होता रहा है और जाट समाज के हर मंच पर आज विजय पूनिया को 75 वर्ष की अवस्था में भी सर्वोच्च स्थान मिला हुआ है

विजय पूनिया की लोकप्रियता और दमखम को देखकर भैरों सिंह शेखावत ने भी चुनाव लड़ने का दिया था ऑफर

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी को स्थापित करने में भैरों सिंह शेखावत की सबसे बड़ी भूमिका मानी जाती है शेखावत की वजह से ही भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में कांग्रेस को कड़ी टक्कर देने के रूप में खड़ी हो पाई थी राजस्थान में वर्ष 2003 में वसुंधरा राजे के प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष बनने से पहले भेरू सिंह शेखावत ही भाजपा और भाजपा ही भैरों सिंह शेखावत के रूप में मानी जाती थी लेकिन वर्ष 1990 के दशक में शेखावत खुद विजय पूनिया की लोकप्रियता और उनके दबंग छवि से काफी प्रभावित थे और 1999 में लोकसभा चुनाव में उन्होंने विजय पूनिया को भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने का आग्रह भी किया था लेकिन विजय पूनिया राजनीति की बजाय सामाजिक क्षेत्र में ही कार्य करके जाट समाज को एकजुट और मजबूत करने की दिशा में तेजी से प्रयास कर रहे थे इसी क्रम में उन्होंने करीब 3 लाख जाटों की एक बड़ी सभा का आयोजन करके राजस्थान की राजनीति में सनसनी फैला दी थी उस समय प्रदेश में जाट राजनीति कई विषयों को लेकर गर्म थी जिसमें ओबीसी आरक्षण को लेकर जाट आंदोलन और कई अन्य मुद्दों को लेकर जाट समाज राजस्थान में राजनीति को एक अलग दिशा देने का प्रयास कर रहा था इसलिए विजय पूनिया ने जाटों के सशक्तिकरण और सामूहिक कारण पर अपना ध्यान ज्यादा केंद्रित किया जिसकी वजह से राजस्थान के जाट समाज में उनकी पकड़ इतनी मजबूत हो चुकी थी कि उन्हें हरियाणा दिल्ली पंजाब उत्तर प्रदेश के जाट संगठनों की ओर से उन्हें बुलावे आने लगे थे इसलिए शेखावत के चुनाव लड़ने के निमंत्रण को पूनिया ने स्वीकार नहीं किया इस दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने जाट आरक्षण की मांग को स्वीकार भी कर लिया था इसलिए चुनाव लड़ने का इरादा पूरी तरह से छोड़ दिया वैसे इस दौरान पूनिया ने नागौर से लोकसभा का चुनाव भी लड़ा जिसमें उन्हें सफलता तो नहीं मिली लेकिन बड़ी संख्या में उन्हें मत हासिल हुए चाहते तो आगे चुनाव लड़ने पर उन्हें शानदार सफलता मिल सकती थी लेकिन उन्होंने विधायक और सांसद बनने की बजाय खुद को जाट समाज के कल्याण और विकास के लिए ज्यादा समर्पित रखा और राजनीति से खुद को अलग रखकर जाट समाज को गतिशील और ताकतवर बनाने की दिशा में कार्य करते रहे और यह कार्य अब तक कर रहे हैं ।

प्रदेश और विभिन्न राज्यों के जाट समाज के सभी बड़े नेताओं के साथ किया है काम

जानकार लोगों का कहना है कि पिछले कई सालों से विजय पूनिया राजस्थान हरियाणा दिल्ली पंजाब मध्य प्रदेश इत्यादि सभी राज्यों के जाट नेताओं के साथ काम करते हुए दिखे हैं रामनिवास मिर्धा नाथूराम मिर्धा कुंभाराम आर्य भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल ओमप्रकाश चौटाला बंसीलाल हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल जैसे दिग्गज राजनेताओं के साथ काम करने के अलावा पूर्व डीजीपी और पूर्व राज्यसभा सांसद ज्ञान प्रकाश पिलानिया राजाराम मील जैसे नेताओं के साथ काम किया है और आज भी प्रदेश में सभी जाट समाज के संगठन जब भी कोई बड़ा कार्य और मीटिंग का आयोजन करते हैं तो सबसे पहले विजय पूनिया से सलाह लेना जरूरी समझते हैं क्योंकि सभी जाट संगठन यह जानते हैं कि विजय पूनिया ने समाज के युवाओं में और लोगों में जो मुकाम हासिल किया हुआ है वह मुकाम किसी और नेता ने हासिल नहीं किया इसलिए राजस्थान की जाट समाज में विजय पूनिया की जबरदस्त अप्रोच और लोकप्रियता है विजय पूनिया पूर्व में राजस्थान जाट महासभा युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं राजस्थान में जाट समाज में उनकी मजबूत पकड़ को देश के अन्य जाट समाज के संगठनों ने भी माना है इसीलिए हरियाणा दिल्ली उत्तर प्रदेश पंजाब मध्य प्रदेश इत्यादि राज्यों में जाट संगठनों की ओर से आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों और जनसभाओं में विजय पूनिया को विशेष तौर पर आमंत्रित किया जाता है हरियाणा के चौधरी देवीलाल परिवार के वर्तमान पीढ़ी के सभी सदस्यों के साथ भी विजय पूनिया के बहुत अच्छे व्यक्तिगत राजनीतिक संबंध बने हुए हैं इसी तरह से स्वर्गीयचौधरी चरण सिंह के पुत्र स्वर्गीयअजीत सिंह के बेटे केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी से भी विजय पूनिया के अच्छे पॉलिटिकल और व्यक्तिगत रिश्ते हैं जयंत चौधरी के पगड़ी समझ में भी विजय पूनिया को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था इसलिए विजय पूनिया आज देश के प्रमुख जाट नेताओं की अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं

जाटों को ओबीसी आरक्षण दिलवाने में विजय पूनिया की रही सबसे बड़ी भूमिका

वर्ष 1998 के दौर में राजस्थान में जाटों को ओबीसी का आरक्षण दिलाने में विजय पूनिया की बहुत बड़ी भूमिका रही। उस समय केंद्र में अटल बिहारी वाजपेई की सरकार थी और राजस्थान में आरक्षण को लेकर जाट आंदोलन दमदार तरीके से संपादित किया गया इस आंदोलन में विजय पूनिया ज्ञान प्रकाश पिलानिया और राजाराम मील अग्रणी भूमिका निभा रहे थे उस समय विजय पूनिया प्रदेश भर के कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं में काफी चर्चित और लोकप्रिय शख्सियत के रूप में स्थापित हो चुके थे और जयपुर में तो हर जाति और बिरादरी के कॉलेज के छात्र-छात्राएं विजय पूनिया से काफी प्रभावित थे इसलिए ओबीसी आरक्षण को लेकर जाट आंदोलन में बड़ी संख्या में जाट समाज के युवाओं की उपस्थिति से जाट आंदोलन काफी विशाल और उग्र रूप ले चुका था इसलिए तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने जाटों को आरक्षण प्रदान करके जाट समाज की झोली में हमेशा हमेशा के लिए खुशियां बिखेर दी ।

मां गौरी पूनिया 20 साल तक विधायक रही और पत्नी उषा पूनिया वसुंधरा राजे सरकार में कैबिनेट मंत्री रही

विजय पूनिया की मां गौरी पूनिया 1957 में ही मकराना डेगाना से कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर राजस्थान विधानसभा में पहुंची और 1962 और 1967 में भी विधायक चुनी गई इसके अलावा राजस्थान कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष भी रही। नागौर की राजनीति में खासतौर से कांग्रेस पार्टी में मिर्धा परिवार का बोलबाला रहा है लेकिन इनकी मां गौरी पुनिया का भी कांग्रेस पार्टी में अच्छा प्रभाव और रुतबा रहा । हालांकि बाद में विजय पूनिया की पत्नी उषा पूनिया मुंडवा से वर्ष 2003 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की टिकट पर विधायक चुनी गई और तत्कालीन वसुंधरा सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रही। एक तरफ उषा पूनिया मंत्री के रूप में अपने उत्कृष्ट कार्यो को लेकर वसुंधरा सरकार के श्रेष्ठ मंत्रियों के रूप में खुद को साबित कर रही थी तो उस दूसरी तरफ विजय पूनिया सरकार से हटकर जाट समाज के सशक्तिकरण और जाट समाज के कल्याण और विकास के कार्यों में अपनी एक अलग दुनिया में खुद को व्यस्त रख रहे थे। उन्हें इस बात से बिल्कुल भी लेना-देना नहीं था कि उनकी पत्नी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं और ना ही उन्होंने अपनी पत्नी के मंत्री होने का कोई फायदा व्यक्तिगत रूप से उठाने का प्रयास किया। विजय पूनिया की हर सुबह जाटों के विकास और जाटों के सशक्तिकरण का संकल्प लेकर शुरू होती थी और देर रात तक जाटों को प्रदेश भर में एकजुट करने की दिशा में मीटिंग में ही व्यस्त रहे और यह प्रक्रिया अब उनकी75 साल की आयु में भी जारी है

विजय पूनिया से जो आयु में छोटे हैं उनके लिए 'भाई साहब 'और जो आयु में उनसे बड़े हैं वह भी कहते हैं 'भाई साहब '

पिछले कई सालों से विजय पूनिया 'भाई साहब' शब्द के पर्याय बने हुए हैं जो विजय पूनिया से आयु में छोटे हैं वे उन्हें भाई साहब कहकर संबोधित करते हैं और जो उनसे आयु में बड़े हैं वह भी अक्सर उन्हें भाई साहब कहकर ही पुकारते हैं । जाट समाज में उन्हें भाई साहब की ऐसी उपाधि मिली है कि हर समाज के लोग उन्हें सिर्फ भाई साहब का कर ही पुकारते नजर आते हैं। विजय पूनिया पिछले कई कई सालों से कॉलेज और विश्वविद्यालय में नहीं गए लेकिन राजस्थान विश्वविद्यालय ही नहीं बल्कि राजस्थान के हर कॉलेज और विश्वविद्यालय में उनके अप्रोच और उनकी लोकप्रियता छात्र समुदायों और विभिन्न छात्र संगठनों में इतनी मजबूती से बनी हुई है। कि छात्र संघ चुनाव में उम्मीदवारी को लेकर अगर छात्र नेताओं के बीच कोई विवाद होता है तो वे सब विजय पूनिया के दरबार में फैसला करने के लिए पहुंच जाते हैं और जो विजय पूनिया फैसला सुना दे वह फैसला सब मान लेते हैं । हालांकि बदलते परिवेश में छात्र संघ चुनाव में विजय पूनिया खुद को दूर रखते हैं और छात्रों को अपनी इच्छा पर चुनाव लड़ने की सलाह देते हैं लेकिन फिर भी करीब 50 साल से विजय पूनिया अप्रत्यक्ष रूप से प्रदेश के सभी छात्र समुदाय के हृदय सम्राट बने हुए हैं युवा शक्ति का वह एक ऐसा बड़ा केंद्र बन गए हैं जो जीवन भर उनके नाम के साथ जुड़ा रहेगा अगर वे खुद को युवाओं से अलग रखना भी चाहे तो युवा उन्हें छोड़ेंगे नहीं क्योंकि 50 साल से गरीब छात्रों के लिए इन्होंने जो कुछ किया है ऐसा नेक और पुण्य कार्य हर किसी के हाथ से संभव नहीं होता ।

जिन नेताओं ने मां गौरी पूनिया के खिलाफ चुनाव लड़ा उनकी भी खूब मदद की

कहते हैं जिन नेताओं ने विजय पूनिया की मां गौरी पूनिया के खिलाफ चुनाव लड़ा उन नेताओं की भी विजय पूनिया ने जरूरत पड़ने पर खूब मदद की । राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को मानवता से हमेशा दूर रखा। अपनी मां के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले चेनाराम की मौत के बाद उनकी डेथ बॉडी को अस्पताल से उनके घर तक पहुंचने वाले विजय पूनिया ही थे। इसी तरह से नागौर के प्रतिष्ठित मिर्धा परिवार के जिन-जिन सदस्यों ने गोरी पूनिया और विजय पूनिया के खिलाफ चुनाव लड़ा उन सबसे व्यक्तिगत और पारिवारिक रिश्ते पहले भी थे और आज भी वैसे ही पारिवारिक और व्यक्तिगत मजबूत रिश्ते बने हुए हैं खुशी और शादी के मौके पर आते जाते रहते हैं इसलिए विजय पूनिया से शत्रुता रखने वाले लोगों की संख्या नगण्य है ।

कहानी

घमंड का परिणाम

राजा भोज के दरबार में कालिदास नामक एक महान और विद्वान कवि थे । उन्हें अपनी कला और ज्ञान का बहुत घमंड हो गया था । प्राचीन काल में यात्रा करने के लिए रेल अथवा बस जैसे कोई साधन नहीं होते थे । अधिकतर लोग एक गांव से दूसरे गांव जाने के लिए पैदल ही यात्रा करते थे । एक बार कवि कालिदास भी यात्रा पर निकले । मार्ग में उन्हें बहुत प्यास लगी । वह अपनी प्यास बुझाने के लिए मार्ग में किसी घर अथवा झोपडी को ढूंढ रहे थे, जहां से पानी मांगकर वह अपनी प्यास बुझा सकें।

चलते चलते उन्हें एक घर दिखाई दिया । उस घर के सामने पहुंचकर कालिदासजी बोले, 'माते, कोई है मैं बहुत प्यासा हूं, थोडा पानी पिला दीजिए, आपका भला होगा ।' उस घर से एक माताजी बाहर आई और बोली, 'मैं तो तुम्हें जानती भी नहीं । तुम पहले अपना परिचय दो । उसके बाद मैं तुमको पानी अवश्य पिला दूंगी ।

कालिदासजी बोले, 'माते, मैं एक पथिक हूं, कृपया अब पानी पिला दें ।' वह माताजी बोली, 'तुम पथिक कैसे हो सकते हो, इस संसार में तो केवल दो ही पथिक हैं, एक है सूर्य और दूसरे चंद्रमा ! वे कभी नहीं रुकते, निरंतर चलते ही रहते हैं । तुम झूठ न बोलो, मुझे सत्य बताओ । कालिदासजी बोलें, 'मैं एक अतिथि हूं, अब तो कृपया पानी पिला दें ।'

माताजी बोली, 'तुम अतिथी कैसे हो सकते हो इस संसार में केवल दो ही अतिथि हैं । पहला है धन और दूसरा है यौवन । इन्हें जाने में समय नहीं लगता । अब सत्य बताओ, तुम कौन हो कालिदासजी प्यास के कारण और तर्क से पराजित होकर हताश हो चुके थे । जैसे-तैसे करके वह बोलें, 'मैं सहनशील हूं । अब तो आप पानी पिला दें । माताजी बोली, 'तुम पुनः झूठ बोल रहे हो । सहनशील तो केवल दो ही हैं, एक है धरती जो कि पापी और पुण्यवान सबका भार सहन करती है । धरती की छाती चीरकर बीज बो देनेपर भी वह अनाज के भंडार देती है । दूसरे सहनशील हैं पेड, जिनको पत्थर मारो तो भी मीठे फल देते हैं । तुम सहनशील नहीं हो । सच बताओ, तुम कौन हो '

कालिदासजी अब मूर्च्छा की सथिति में आ गए और बोले, 'मैं एक हठी हूं ।' माताजी बोली, 'क्यों असत्य पर असत्य बोलते जा रहे हो संसार में हठी तो केवल दो ही हैं, पहला है नख और दूसरे हैं केश अर्थात बाल ! उन्हें कितना भी काटो वे पुनः निकल आते हैं । अब सच बताओ, तुम कौन हो ' अब कालिदासजी पूर्णतः पराजित और अपमानित हो चुके थे । वे बोले, 'मैं मूर्ख हूं ।' माताजी बोली, 'तुम मूर्ख कैसे हो सकते हो मूर्ख तो दो ही हैं, पहला है वह राजा जो बिना योग्यता के भी सभी पर शासन करता है, और दूसरा है उसके दरबार का पंडित जो राजा को खुश करने के लिए उसकी गलत बातों को भी सही सिद्ध करने की चेष्टा में ही लगा रहता है और सदैव उसका झूठा गुणगान करता रहता है ।

अब कालिदास जी लगभग मूर्च्छित होकर उन माताजी के चरणों में गिर पडे और पानी की याचना करने लगे, गिडगिडाने लगे । माताजी ने कहां, 'उठो वत्स ! उनकी आवाज सुनकर कालिदासजी ने ऊपर देखा तो वहां साक्षात सरस्वती माता खडी थीं । कालिदासजी ने उनके चरणो में पुनः नमस्कार किया । सरस्वती माता ने कहा, 'शिक्षा से ज्ञान आता है, अहंकार नहीं । तुम्हें अपने ज्ञान और शिक्षा के बलपर मान और प्रतिष्ठा तो मिलीं परंतु तुमको उसका अहंकार हो गया । इसलिए मुझे तुम्हारा घमंड तोडने के लिए, अहंकार नष्ट करने के लिए मुझे यह लीला करनी पडी । कालिदासजी को अपनी गलती समझ में आ गई और उन्होंने सरस्वती माता के चरणों में शरण जाकर उनसे क्षमा मांग ली ।

आखिर कब निकाले जाएंगे घुसपैठिए?

आपरेशन सिंदूर के दौरान गुजरात में हजारों बांग्लादेशियों को पकड़ा गया था। यह स्वाभाविक ही है कि इस अभियान के समय तमाम बांग्लादेशी अन्य राज्यों में खिसक गए होंगे। जो कहानी बांग्लादेशी घुसपैठियों की है, वही रोहिंग्याओं की भी है। रोहिंग्या भी पूर्वोत्तर और बंगाल के रास्ते घुसपैठ करने के बाद जिस तरह दिल्ली, हैदराबाद और जम्मू तक में अपने ठिकाने बनाने में सफल हैं, उससे यह साफ है कि उन्हें भारत में लाने और बसाने का काम सुनियोजित तरीके से हो रहा है। इस काम में लिप्त लोग घुसपैठियों को फर्जी प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने का भी काम करते हैं। ऐसा काम करने वाले बंगाल में खूब सक्रिय हैं।

निःसंदेह घुसपैठ रोकना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन यह भी सही है कि यदि राज्य सरकारें इस काम में केंद्र का सहयोग नहीं करतीं तो घुसपैठियों की पहचान आसान नहीं। बंगाल सरकार का यह कहना तो ठीक है कि यदि घुसपैठ हो रही है तो उसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है, लेकिन केंद्र के इस सवाल का जवाब भी मिलना चाहिए कि राज्य प्रशासन की ओर से घुसपैठियों को लेकर कभी कोई शिकायत क्यों नही की जाती? तथ्य यह है कि बंगाल के किसी भी थाने से कोई ऐसी शिकायत नहीं मिलती कि बांग्लादेश से किसी ने अवैध तरीके से प्रवेश किया है।

शिकायत इसलिए भी नहीं मिलती, क्योंकि स्थानीय नेता घुसपैठियों को अपने वोट बैंक के रूप में देखते हैं।

जब बिहार विधानसभा के चुनाव हो रहे थे, तब बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा उभरा था। उसके पहले झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान भी घुसपैठियों को बड़ा खतरा बताया गया था। चूंकि असम और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, इसलिए एक बार फिर घुसपैठियों की चर्चा हो रही है। पिछले दिनों बंगाल गए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बन जाए तो घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकाला जाएगा। इसके पहले उन्होंने असम में कहा था कि यदि इस राज्य में तीसरी बार भाजपा सरकार बन जाए तो घुसपैठियों को निकालने में देर नहीं होगी। इसका अर्थ है कि असम में पिछले लगभग दस वर्षों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालने का काम नहीं किया जा सका। हर किसी को पूछना चाहिए आखिर क्यों? यह ठीक नहीं कि केवल चुनाव के समय घुसपैठियों की चर्चा की जाए और फिर कुछ न किया जाए। इससे तो घुसपैठिए और उन्हें घुसाने वाले सतर्क ही होते होंगे।

बांग्लादेशी घुसपैठियों से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में असम है। बांग्लादेशी असम के अलावा मेघालय और त्रिपुरा के रास्ते से भी घुससैठ करते हैं। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाला घुसपैठिया मेघालय के रास्ते ही मुंबई आया था। बांग्लादेशी घुसपैठिए सीमावर्ती राज्यों में घुसकर इसलिए दूसरे राज्यों में जाने में सफल रहते हैं, क्योंकि वे कोई न कोई फर्जी पहचान पत्र हासिल कर लेते हैं। इसके बाद उनका काम आसान हो जाता है। पूर्वोत्तर और बंगाल में घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी गुजरात, कर्नाटक और दिल्ली तक में बस गए हैं। यदा-कदा कुछ राज्य सरकारें उनकी पहचान करने का अभियान चलाती हैं, लेकिन अभी तक कोई अभियान प्रभावी नहीं सिद्ध हो सका है।

आपरेशन सिंदूर के दौरान गुजरात में हजारों बांग्लादेशियों को पकड़ा गया था। यह स्वाभाविक ही है कि इस अभियान के समय तमाम बांग्लादेशी अन्य राज्यों में खिसक गए होंगे। जो कहानी बांग्लादेशी घुसपैठियों की है, वही रोहिंग्याओं की भी है। रोहिंग्या भी पूर्वोत्तर और बंगाल के रास्ते घुसपैठ करने के बाद जिस तरह दिल्ली, हैदराबाद और जम्मू तक में अपने ठिकाने बनाने में सफल हैं, उससे यह साफ है कि उन्हें भारत में लाने और बसाने का काम सुनियोजित तरीके से हो रहा है। इस काम में लिप्त लोग घुसपैठियों को फर्जी प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने का भी काम करते हैं। ऐसा काम करने वाले बंगाल में खूब सक्रिय हैं।

निःसंदेह घुसपैठ रोकना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन यह भी सही है कि यदि राज्य सरकारें इस काम में केंद्र का सहयोग नहीं करतीं तो घुसपैठियों की पहचान आसान नहीं। बंगाल सरकार का यह कहना तो ठीक है कि यदि घुसपैठ हो रही है तो उसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है, लेकिन केंद्र के इस सवाल का जवाब भी मिलना चाहिए कि राज्य प्रशासन की ओर से घुसपैठियों को लेकर कभी कोई शिकायत क्यों नही की जाती? तथ्य यह है कि बंगाल के किसी भी थाने से कोई ऐसी शिकायत नहीं मिलती कि बांग्लादेश से किसी ने अवैध तरीके से प्रवेश किया है।

शिकायत इसलिए भी नहीं मिलती, क्योंकि स्थानीय नेता घुसपैठियों को अपने वोट बैंक के रूप में देखते हैं। एक समय ममता बनर्जी घुसपैठ के खिलाफ आवाज उठाती थीं, लेकिन बंगाल की मुख्यमंत्री बनने के बाद से वे घुसपैठियों को चिह्नित करने की किसी भी पहल का विरोध करती हैं। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआइआर के विरोध की एक बड़ी वजह यही आशंका है कि कहीं इससे घुसपैठियों की पहचान न हो जाए। बंगाल में एसआइआर की प्रक्रिया शुरू होते ही सैकड़ों बांग्लादेशी अपने देश लौटने लगे थे।

कुछ समय बाद उनके लौटने का सिलसिला थम गया। कोई भी समझ सकता है कि यह इसीलिए थमा, क्योंकि उन्हें यह भरोसा हो गया होगा कि इस कवायद से उनकी पहचान नहीं होने वाली। हैरानी नहीं कि उनके संरक्षक नेताओं ने ही उन्हें यह भरोसा दिलाया हो कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं। जो भी हो, इससे इन्कार नहीं कि भारत में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। असम और बंगाल में तो उनकी इतनी संख्या हो गई है कि उन्होंने न केवल आबादी के संतुलन को बुरी तरह बिगाड़ दिया है, बल्कि वे कई क्षेत्रों में चुनाव परिणाम प्रभावित करने की स्थिति में आ गए हैं, क्योंकि वे छल-कपट से मतदाता बन गए हैं। घुसपैठिए केवल देश के संसाधनों पर बोझ ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा भी हैं। अब यह खतरा और अधिक गंभीर हो सकता है, क्योंकि बांग्लादेश के साथ संबंध अब पहले जैसे नहीं रहे और इसका भरोसा नहीं कि वहां की नई सरकार की भारत से संबंध सुधारने में दिलचस्पी होगी। इन दिनों पाकिस्तान बांग्लादेश को अपना हितैषी दिखाने के लिए न केवल हरसंभव जतन कर रहा है, बल्कि उसे भारत के खिलाफ उकसा भी रहा है। इन स्थितियों में अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की पहचान कर उन्हें निकालने के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया ही जाना चाहिए।

सम्पादकीय

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से राहत की उम्मीद

पिछले कई महीने से अमेरिका की ओर से लागू शुल्क नीति के कारण जहां दुनिया भर में व्यापार युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो रही थी, वहीं भारत के सामने मुख्य चुनौती अपने लिए बेहतर विकल्प तलाश करने की थी। अब सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो कहा, उससे यही लगता है कि भारत और अमेरिका के बीच परस्पर हित पर आधारित एक समझौता आकार ले सकता है। ट्रंप ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर दावा किया कि अमेरिका-भारत के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बनी है, जिसके तहत शुल्क को पचास फीसद से घटा कर अठारह फीसद किया जाएगा। दूसरी ओर, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत भी इसी तरह अमेरिका के खिलाफ अपनी शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

दोनों देशों की ओर से ऐसी घोषणा को शुल्क के मसले पर महीनों से जारी तनाव के बाद अमेरिका और भारत की नीतियों में अब एक बड़े बदलाव का सूचक माना जा रहा है। हालांकि यह साफ होना बाकी है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता अंतिम तौर पर किस स्वरूप में सामने आता है और उसमें बनी सहमति कहां तक परस्पर हित सुनिश्चित करती है। मगर फिलहाल सामने आई खबरों के मुताबिक, अमेरिका ने जिस तरह शुल्क में कमी करने की बात कही है, उसके अमल में आने पर भारत को राहत मिल सकती है। दरअसल, कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर अमेरिकी नीतियों का असर पड़ना शुरू हो चुका था। इसके बावजूद भारत ने अमेरिका की ओर से जरूरत से ज्यादा सख्त शर्तों की वजह से समझौते के लिए सहमति देने को लेकर सावधानी बरती और इससे उपजी मुश्किल का विकल्प तलाशने की कोशिश जारी रखी। यही वजह है कि अमेरिका की ओर से शुल्क को पचास फीसद कर देने की घोषणा के बाद भी भारत ने रूस से तेल की खरीद जारी रखी। यों ट्रंप ने दावा किया है कि अब भारत ने रूस से तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका से कहीं अधिक मात्रा में तथा संभावित रूप से वेनेजुएला से भी तेल खरीद पर सहमति जताई है। हालांकि भारत और रूस के बीच जैसे संबंध रहे हैं, उसके मद्देनजर यह देखने की बात होगी कि रूस से तेल की खरीद पूरी तरह बंद करने के सवाल पर भारत क्या रुख अपनाता है। इसके अलावा, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाने का एक बड़ा कारण यह था कि भारत कृषि क्षेत्र को पूरी तरह खोलने को लेकर राजी नहीं था। इस मसले पर देश भर में सवाल उठाए गए थे। अभी यह स्पष्ट होना बाकी है कि व्यापार समझौते के अंतिम रूप में भारत कृषि जैसे सबसे संवेदनशील मुद्दे पर क्या हासिल करता है, लेकिन किसानों की ओर से कई तरह की चिंताएं सामने आई हैं। इस मसले पर आशंका ट्रंप के उस दावे से उपजी है, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत की ओर से काफी बड़े स्तर पर अमेरिकी उत्पाद खरीदने को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई है। इसमें ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य उत्पाद शामिल हैं। अगर भारत कृषि क्षेत्र को भी खोलता है

अमेरिका के साथ एक नई शुरुआत

देखा जाए तो मोदी ने वह कर दिखाया जो तमाम वैश्विक नेता नहीं कर सके। मोदी ने ट्रंप की कुख्यात 'द आर्ट आफ द डील' रणनीति को समझा और उसे भारत के हित में साध लिया। ट्रंप की सौदेबाजी बेहद आक्रामक, दबाव बनाने वाली और अतिरंजित दावों पर आधारित रही है। कनाडा, यूरोप, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे अमेरिकी सहयोगी भी उनकी इस शैली के सामने अक्सर रक्षात्मक स्थिति में दिखे।

स्वयं भारत ट्रंप के पहले कार्यकाल में एक सीमित व्यापार समझौते की कोशिश में विफल रहा था, लेकिन इस बार मोदी ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही आत्मसमर्पण किया। उन्होंने ट्रंप को वह राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक संतुष्टि की गुंजाइश दी, जिसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति व्यग्र थे। जबकि वास्तविक लाभ भारत के खाते में गया। यह मोदी की कूटनीतिक परिपक्वता और

पहले यूरोपीय संघ के साथ बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर मुहर और उसके कुछ ही दिनों के भीतर अमेरिका के साथ एक तरह के व्यापार युद्ध में संघर्षविराम की स्थिति निःसंदेह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए बड़ी उपलब्धियां हैं। उनके लिए नए साल की इससे बेहतर शुरुआत शायद ही हो सकती थी। खास तौर से तब जब पिछला साल कूटनीतिक तनाव, आपरेशन सिंदूर के दौरान युद्ध की आशंका और अमेरिका के साथ खटपट के नाम रहा। इस संदर्भ में अमेरिका के साथ बिगड़ी हुई बात का बनना बहुत कुछ कहता है। अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत के टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने का निर्णय मात्र एक आर्थिक राहत नहीं है, बल्कि यह मोदी की विदेश नीति की महत्वाकांक्षा और दृढ़ता की पुष्टि भी है। जब तमाम विश्लेषक यह मान बैठे थे कि ट्रंप 2.0 के दौर में भारत को लगातार दबाव और अपमान झेलना पड़ेगा, उसी दौरान मोदी ने धैर्य, रणनीति और आत्मविश्वास के साथ स्थिति को पलट दिया। यह समझौता दर्शाता है कि भारत अब वैश्विक राजनीति में प्रतिक्रिया देने वाला नहीं, बल्कि दिशा तय करने वाला देश बन चुका है। देखा जाए तो मोदी ने वह कर दिखाया जो तमाम वैश्विक नेता नहीं कर सके। मोदी ने ट्रंप की कुख्यात 'द आर्ट आफ द डील' रणनीति को समझा और उसे भारत के हित में साध लिया। ट्रंप की सौदेबाजी बेहद आक्रामक, दबाव बनाने वाली और अतिरंजित दावों पर आधारित रही है। कनाडा, यूरोप, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे अमेरिकी सहयोगी भी उनकी इस शैली के सामने अक्सर रक्षात्मक स्थिति में दिखे।

स्वयं भारत ट्रंप के पहले कार्यकाल में एक सीमित व्यापार समझौते की कोशिश में विफल रहा था, लेकिन इस बार मोदी ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही आत्मसमर्पण किया। उन्होंने ट्रंप को वह राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक संतुष्टि की गुंजाइश दी, जिसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति व्यग्र थे। जबकि वास्तविक लाभ भारत के खाते में गया। यह मोदी की कूटनीतिक परिपक्वता और आत्मविश्वास का प्रमाण है।

टैरिफ कटौती के बीच ट्रंप ने एकतरफा दावे भी किए। जैसे भारत रूसी तेल की खरीद पूरी तरह बंद कर देगा। भारत अमेरिकी उत्पादों की 500 अरब डालर तक की खरीद करेगा और अमेरिकी वस्तुओं पर सभी टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं शून्य कर देगा। ये दावे जितने नाटकीय हैं, उतने ही अव्यावहारिक भी प्रतीत होते हैं। भारत का अमेरिका से कुल वार्षिक आयात करीब 50 अरब डालर से भी कम है। 500 अरब डालर का आंकड़ा नीति से अधिक राजनीतिक नारेबाजी जैसा अधिक है। कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भारत का पूर्ण उदारीकरण घरेलू राजनीति और सामाजिक स्थिरता के लिहाज से वैसे भी असंभव है। मोदी का इन बिंदुओं पर मौन रहना दर्शाता है कि भारत इस समझौते को एक दिशात्मक संकेत के रूप में देख रहा है, न कि अंतिम और बाध्यकारी समझौते के रूप में। अपने स्वरूप में यह घटनाक्रम किसी ठोस समझौते से अधिक एक राजनीतिक ब्रेकथ्रू है। यह ट्रंप प्रशासन की उसी प्रवृत्ति के अनुरूप है, जिसमें पहले बड़े एलान किए जाते हैं और बाद में विवरण तय होते हैं। अतीत में यूरोपीय संघ, दक्षिण कोरिया और अन्य देशों के साथ भी ऐसे 'फ्रेमवर्क समझौतों की घोषणा हुई, जिनका क्रियान्वयन जटिल और लंबा साबित हुआ। भारत-अमेरिका समझौता भी इसी श्रेणी में आता है।

इसमें तनाव घटाने, व्यापार बहाली और रणनीतिक खाई को पाटने जैसे लक्ष्य तो स्पष्ट हैं, लेकिन विवरण अभी शेष हैं। कभी-कभी कूटनीति में दिशा तय करना ही सबसे कठिन कार्य होता है।

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील फाइनल

अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को 18 प्रतिशत किए जाने की घोषणा और उसका भारतीय प्रधानमंत्री की ओर से स्वागत करने से यह स्पष्ट हो गया कि आखिरकार डोनाल्ड ट्रंप को यह आभास हो गया कि भारत उनके अनुचित दबाव में झुकने वाला नहीं है। उन्होंने भारत को दबाव में लेने के लिए तमाम जतन किए, लेकिन वे इसलिए नाकाम रहे, क्योंकि भारत ने उनसे उलझने के स्थान पर संयम और दृढ़ता का परिचय दिया। 18 प्रतिशत टैरिफ का मतलब है कि भारत अमेरिका से व्यापार के मामले में अपने कई प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले बेहतर स्थिति में होगा। ट्रंप ने भारत पर लगाए गए

पारस्परिक टैरिफ को 25 से 18 प्रतिशत तो किया ही, रूस से तेल खरीदने के कारण लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को पूरी तरह हटाया भी। उन्होंने इसी के साथ यह भी कहा कि भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा और रूस से तेल आयात बंद करेगा। उनकी इस घोषणा के पहले भारतीय प्रधानमंत्री की वेनेजुएला की राष्ट्रपति से बात हुई थी। शायद इसके बाद ही अमेरिका से व्यापार समझौते को लेकर बिगड़ी बात बनी। यदि भारत को उचित मूल्य पर वेनेजुएला से तेल मिलता है तो इसमें हर्ज नहीं। आखिर वह पहले भी उसके साथ-साथ ईरान से तेल खरीदता ही था। भारत के लिए यह संभव नहीं था कि वह रूस से तेल खरीद का विकल्प मिले बिना उससे तेल लेना बंद कर देता। देखना है कि भारत को उतना तेल वेनेजुएला से मिल पाता है या नहीं, जितना वह रूस से लेता था? इसके साथ ही इस प्रश्न का उत्तर भी सामने आना शेष है कि क्या भारत को अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ शून्य करना होगा और क्या अमेरिका से 500 अरब डालर की खरीद करनी होगी, जैसा कि ट्रंप कह रहे हैं। वास्तव में कई सवालों के जवाब तभी सामने आएंगे, जब व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होंगे, लेकिन इतना तो है ही कि अमेरिका से व्यापार का जो दरवाजा बंद सा हो गया था, वह खुल गया और भारत के तीव्र विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया। अब देश में कारोबारी माहौल सुधरेगा। शेयर बाजार ने इसके संकेत देने भी शुरू कर दिए हैं। चूंकि ट्रंप बढ़-चढ़कर दावा करते रहते हैं

विश्व कैंसर दिवस पर मुख कैंसर जागरूकता सप्ताह प्रारम्भ

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निस)। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की ओर से राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनओएचपी) के तहत बुधवार से मुख कैंसर जागरूकता सप्ताह वं विशेष जांच शिविर का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 4 से 10 फरवरी तक जिला चिकित्सालय सहित विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत आमजन को मुख कैंसर के प्रति जागरूक करने के साथ निःशुल्क जांच सुविधा प्रदान की जा रही है। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. धर्मेन्द्र भामू ने बताया कि जिला चिकित्सालय के दंत रोग विभाग में आयोजित शिविर में दंत विशेषज्ञ डॉ. सरोज देवी की ओर से मरीजों की स्क्रीनिंग व परामर्श दिया जा रहा है। शिविर के दौरान मुख कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, संदिग्ध मरीजों का रिकॉर्ड संधारण तथा आवश्यकता अनुसार उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। चिकित्सा विभाग की ओर से ऑडियो-विजुअल व प्रिंट मीडिया के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। साथ ही तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों एवं कैंसर से बचाव के उपायों की जानकारी देकर लोगों को समय पर जांच कराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विभाग ने आमजन से शिविर में पहुंचकर जांच कराने व जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।

नवज्योति शिक्षा निकेतन में विदाई समारोह

जयपुर टाइम्स

सांगानेर(निस)। कस्बे के ग्राम पंचायत पहाड़ियां में स्थित नवज्योति शिक्षा निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों की ओर से गणेश पूजन व माँ सरस्वती पूजन कर दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया और बच्चों ने अपने विचार रखे तथा विद्यालय की ओर से बच्चों को तिलक लगाकर,माला पहनाकर,स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया और विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई।इस अवसर पर प्रधानाचार्य हनुमान सहाय शर्मा ने कहा कि सफलता के लिए मेहनत करनी चाहिए जिससे सफलता प्राप्त होती है तथा जीवन में आगे बढ़ने में मदद मिलती है जिससे समाज को प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित दुर्गा शंकर शर्मा, विशिष्ट अतिथि रामकरण मीणा अध्यक्ष स्कूल शिक्षा परिवार माधोराजपुरा व अति विशिष्ट अतिथि शिवकरण चौधरी, सुरेश जाखड़ वंदना कम्प्यूटर रेनवाल मांजी रहे। उपस्थित सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि जीवन में सफलता के लिए मेहनत करनी चाहिए जिससे जीवन में उन्नति प्राप्त हो सके और भविष्य के सपने साकार हो सके। विदाई समारोह के समापन पर सभी छात्र-छात्राओं को भोजन प्रसादी खिलाई गई। इस अवसर पर निशा शर्मा, मीरा कुमावत जयदेव सिंह नरुका,मीना पारीक, नेहा कुमावत,नीलिमा शर्मा, अमर सिंह राठौड़,राजू बड़ौदा,राजकुमार शर्मा, नरेंद्र यादव, अशोक शर्मा, यश शर्मा, श्रियांशी शर्मा सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उप जिला चिकित्सालय फुलेरा में शुरू हुई सोनोग्राफी सुविधा

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निस)। उप जिला चिकित्सालय फुलेरा में पहली बार सोनोग्राफी सुविधा शुरू होने के बाद जहां मरीजों को राहत मिली है, वहीं वर्षों तक इस मूलभूत सुविधा से वंचित रखने को लेकर जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। डॉ. गायत्री सैनी ने पदभार ग्रहण करते ही सोनोग्राफी मशीन का शुभारंभ किया, जिससे अब मरीजों को निजी अस्पतालों में महंगी जांच कराने की मजबूरी से छुटकारा मिलेगा। गौरतलब है कि आमजन लंबे समय से सोनोग्राफी सुविधा की मांग करते रहे, लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की ओर से ठोस पहल न होने से मरीजों को सालों तक परेशानी झेलनी पड़ी। खासकर गर्भवती महिलाओं को छोटी-सी जांच के लिए भी निजी अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़े, जिससे आर्थिक बोझ और मानसिक तनाव दोनों बढ़ते रहे। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र भामू ने बताया कि सोनोग्राफी सेवा शुरू होने से अस्पताल की जांच व्यवस्था मजबूत होगी और मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते जनप्रतिनिधि सक्रिय होते तो यह सुविधा वर्षों पहले ही मिल सकती थी। अब भी अस्पताल में अन्य जरूरी संसाधनों की कमी को दूर करने की मांग तेज हो गई है।

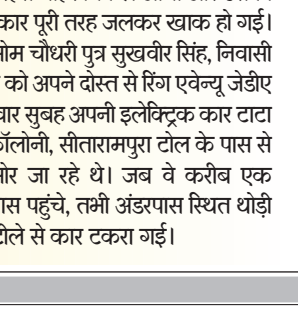

इलेक्ट्रिक कार में भिड़ंत से लगी आग

जयपुर टाइम्स

सांगानेर(निस)। उपखंड क्षेत्र सांगानेर के रिंग रोड स्थित सीतारामपुरा गांव अंडरपास पर बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां बुधवार सुबह करीब 5.30 बजे इलेक्ट्रिक कार मे आग लग गई। गनीमत रही कि कार मालिक समय रहते बाहर निकल आया और उसकी जान बच गई, लेकिन कुछ ही देर में कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। जानकारी के अनुसार कार मालिक ओम चौधरी पुत्र सुखवीर सिंह, निवासी रोडू नगर मानसरोवर, मंगलवार शाम को अपने दोस्त से रिंग एवेन्यू जेडीए कॉलोनी स्थित मिलने आया था। बुधवार सुबह अपनी इलेक्ट्रिक कार टाटा टिगोर ईवी एक्सजेड से रिंग एवेन्यू कॉलोनी, सीतारामपुरा टोल के पास से पत्रकार कॉलोनी मानसरोवर की ओर जा रहे थे। जब वे करीब एक किलोमीटर आगे सीतारामपुरा अंडरपास पहुंचे, तभी अंडरपास स्थित थोड़ी दूर पड़े सीसी रोड के सूखे मलबे के टीले से कार टकरा गई।

महाविद्यालयों में संविदा नियुक्तियों की चयन प्रक्रिया पर तत्काल रोक की माँग

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान (उच्च शिक्षा) की राजकीय महाविद्यालय डोगरपुर राजाखेड़ा इकाई की ओर से राजसेस महाविद्यालयों की वर्तमान संकल्पना एवं संचालन व्यवस्था के विरोध में शांतिपूर्ण व मर्यादित विरोध प्रदर्शन किया गया। राजकीय महाविद्यालय डोगरपुर राजाखेड़ा के प्राचार्य अनुज कुमार ने बताया कि प्राध्यापकों ने महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर काली पट्टी बांधकर तथा मांगों से संबंधित प्ले-कार्ड लेकर अपना विरोध दर्ज कराया।महासंघ का स्पष्ट मत है कि राज सेस योजना के अंतर्गत संचालित महाविद्यालयों का वर्तमान स्वरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल भावना के विपरीत है। संगठन के अनुसार इन महाविद्यालयों में स्थायी अकादमिक ढांचे का अभाव, अपर्याप्त अधोसंरचना व संसाधनों की कमी, शोध व नवाचार की सीमित संभावनाएँ तथा संविदा व अस्थायी नियुक्तियों पर आधारित अध्यापन व्यवस्था राज्य की उच्च शिक्षा को गुणवत्ता, बहुविषयकता व अकादमिक निरंतरता से दूर ले जा रही है।महासंघ ने अवगत कराया कि सत्र 2020-21 से 2022-23 के मध्य राज सेस योजना के अंतर्गत 303 नवीन महाविद्यालय खोले गए, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सत्र 2023-24 एवं 2024-25 में 71 अतिरिक्त राज सेस महाविद्यालय स्थापित किए जा चुके हैं। इस प्रकार इनकी कुल संख्या 374 हो गई है। संगठन के अनुसार इनमें से लगभग 260 राजसेस महाविद्यालयों में आज भी एक भी स्थायी संकाय सदस्य कार्यरत नहीं है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। प्रदर्शन के उपरांत संगठन के प्रतिनिधिमंडल की ओर से उपखंड अधिकारी/जिला कलेक्टर के माध्यम मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार जयपुर, राजस्थान राज्यपाल व भारत के प्रधानमंत्री के नाम पृथक-पृथक ज्ञापन प्रस्तुत कर शीघ्र समाधान की मांग की गई। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विधानसभा चुनाव-2023 के पश्चात गठित राज्य सरकार की ओर से राज सेस महाविद्यालयों एवं विषयों के संचालन के संबंध में गठित सोडाणी समिति की सिफारिशें अब तक न तो सार्वजनिक की गई हैं और न ही लागू की गई हैं। महासंघ ने गंभीर आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि भर्ती परीक्षा कैलेंडर-2026 के माध्यम से राजसेस नियम-2023 में संशोधन कर पाँच वर्षों के लिए 28,500 रुपये के नियत वेतन पर संविदा टीचिंग एसोसिएट व अशैक्षणिक पदों की चयन प्रक्रिया प्रारंभ करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके लिए अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड को अभ्यर्थना भेजी जा चुकी है। संगठन के अनुसार यह व्यवस्था अस्थायी, असुरक्षित व नीति-विरोधी है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के सर्वथा विपरीत है।महासंघ ने राज्य सरकार से मांग की है कि राजसेस महाविद्यालयों के संबंध में गठित सोडाणी समिति की सिफारिशों को अविलंब लागू किया जाए, राज्य में संचालित सभी राजसेस महाविद्यालयों को सामान्य राजकीय महाविद्यालयों के रूप में संचालित करने के स्पष्ट आदेश जारी किए जाएँ तथा संविदा नियुक्तियों की प्रस्तावित चयन प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोका जाए।संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते इस दिशा में ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो उसे लोकतांत्रिक एवं आंदोलनात्मक मार्ग अपनाने के लिए विवश होना पड़ेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।आज के इस विरोध प्रदर्शन में राजकीय महाविद्यालय डोंगरपुर राजाखेड़ा इकाई के पदाधिकारी, प्राचार्य उपस्थित रहे।

तेजाजी जन्मोत्सव पर शाजापुर में उमड़ा आस्था का सैलाब, भव्य शोभायात्रा और विशाल रैली ने रचा इतिहास

जयपुर टाइम्स

शाजापुर/जयपुर। सत्यवादी वीर वीर तेजाजी महाराज के जन्मोत्सव पर 29 जनवरी को शाजापुर नगर में पहली बार इतना भव्य और ऐतिहासिक आयोजन देखने को मिला। प्रदेशभर में आयोजित कार्यक्रमों की कड़ी में शाजापुर में तेजाजी महाराज की विशाल शोभायात्रा व रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में तेजा भक्तों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न गांवों व शहरों से आए श्रद्धालुओं का आयोजकों ने आत्मीय स्वागत किया गया। अतिथियों के लिए चाय-नाश्ते की व्यवस्था के बाद संगीत के साथ विधिवत पूजा-अर्चना व आरती संपन्न हुई। आरती में क्षेत्रीय विधायक अरुण भीमावद सहित अनेक समाजसेवी, जनप्रतिनिधि व तेजा भक्त उपस्थित रहे। आरती उपरांत गोंदिया रोड से भव्य चल समारोह निकाला गया। डीजे, गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ निकली रैली का दृश्य अत्यंत आकर्षक रहा। सबसे आगे सजी-धजी घोड़ियां नृत्य करती हुई चल रही थीं, उनके पीछे तेजाजी के झंडे थामे समाजजन, फिर मोटरसाइकिलों पर सवार जाट सरदार और अंत में कारों का लंबा काफिला शामिल रहा। लगभग दो से तीन किलोमीटर लंबी इस शोभायात्रा का मार्गभर जाट समाज के साथ-साथ अन्य समाजों व व्यापारियों की ओर से पुष्पवर्षा, पगड़ी बांधकर और मंच बनाकर भव्य स्वागत किया गया। चल समारोह का समापन बादशाह पुल स्थित तेजाजी मंदिर पर हुआ, जहां पुनः आरती कर प्रसाद वितरित किया गया। इसके पश्चात हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित सभा में अतिथियों का साफा व पुष्पहारों से स्वागत किया गया। सभा को अशोक जाट, ईश्वर जाट, एडवोकेट गणेश प्रसाद जाट, सुनील ठिंगला, संतोष जाणी और हरनारायण जाट माली सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित करते हुए तेजाजी महाराज के जीवन आदर्शों पर प्रकाश डाला। आयोजकों ने बताया कि शाजापुर नगर में इस प्रकार का यह पहला आयोजन था, जो अपनी भव्यता और अनुशासन के कारण विशेष रूप से सराहा गया। आयोजन की सफलता के पीछे जिलेभर के जाट समाज की सामूहिक मेहनत और समर्पण रहा। कार्यक्रम के सफल संचालन में राम सिंह जी सरपंच मखावद, अशोक जाट सिलोदा, बलराम जी सिलोदा, रमेश सिंह जाट सरपंच इंदौर पिपलिया, लोकेंद्र जाट शाजापुर, आनंदलाल जाट तिलावद, चरण सिंह जाट सखेड़ी, दिलीप जाट गोंदिया, जैकी जाट गोंदिया, जितेंद्र जाट शाजापुर सहित अनेक समाजसेवियों का उल्लेखनीय सहयोग रहा, जिसकी उपस्थित जनसमूह ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित जाट सरदारों व अतिथियों ने सुस्वादु सामूहिक भोजन प्रसादी का आनंद लिया।

चौमूं में भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी पर जेसीबी से बरसे फूल

रामलाल शर्मा के नेतृत्व में भव्य अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निस)। जयपुर से सालासर बालाजी के दर्शन के लिए जाते समय भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी का चौमूं आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं, सैनी समाज व स्थानीय नागरिकों ने साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया। स्वागत के दौरान माली समाज की ओर से विशेष आयोजन किया गया। समाज के लोगों ने जेसीबी मशीनों पर खड़े होकर महामंत्री सैनी के काफिले पर पुष्पवर्षा की। नगर परिषद क्षेत्र से लेकर सैनी समाज सभा भवन तक उन्हें खुली जीप में बैठाकर ले जाया गया। इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद' के नारों से वातावरण गूंज उठा। सैनी समाज सभा भवन में भूपेंद्र सैनी का नागरिक अभिनंदन कर सम्मानित किया गया।

कार्यकर्ताओं का आभार, बजट की सराहना:

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी ने स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रामलाल शर्मा के साथ उन्हें विद्यार्थी परिषद से लेकर युवा मोर्चा तक विभिन्न संगठनों में लंबे समय तक कार्य करने का अवसर मिला है। केंद्रीय बजट पर चर्चा करते हुए उन्होंने इसे 'सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी' बताते हुए कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग के कल्याण को समर्पित है।

साधारण कार्यकर्ता भी सर्वोच्च पद तक पहुंचता है: रामलाल

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जहां बूथ स्तर का साधारण कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और निष्ठा के बल पर संगठन के सर्वोच्च पदों तक पहुंच सकता है। कार्यक्रम में भाजपा प्रवक्ता व मीडिया पैनलिस्ट गुड्डू सैनी, जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, भाजपा महामंत्री महेश शेरावत, अरविंद यादव, सैनी समाज अध्यक्ष हीरालाल पांच्या सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, सैनी समाज के प्रबुद्धजन और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

खेलकूद व संस्कृतिक प्रतियोगिता स्प्रिंट की रही धूम

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निस)। एमजेएफ कॉलेज ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज़, में सोमवार को खेल एवं सांस्कृतिक सप्ताह 'स्प्रिंट '-2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। खेल आयोजन सचिव डॉ. विजय शर्मा ने बताया कि खेलकुद सप्ताह में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिस खेल-कूद प्रतियोगिता में विद्यार्थी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर वीर सिंह राठौड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल व सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। ऐसे आयोजनों से अनुशासन, टीम भावना तथा नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। मीडिया प्रभारी डॉ. रोहितास कुमार ने बताया कि बुधवार को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सभी अलग अलग खेलों के लिये अलग अलग प्रभारी बनाये गये हैं। बैडमिंटन प्रतियोगिता के प्रभारी डॉ. आलोक चौरसिया ने बताया कि सिंगल बॉयज़ वर्ग में चतुर्थ वर्ष के एलेक्स व प्रथम वर्ष के श्रेयांश शर्मा के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें प्रथम वर्ष के श्रेयांश शर्मा विजेता रहे। वहीं, गर्ल्स वर्ग में प्रथम वर्ष की आर्या एवं तृतीय वर्ष की सुचिता के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया, जिसमें तृतीय वर्ष की सुचिता विजेता रही। बास्केटबॉल प्रतियोगिता की प्रभारी डॉ. ब्रेंडा गोम्स ने बताया कि फाइनल मैच प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें प्रथम वर्ष की टीम ने जीत हासिल की। वॉलीबॉल प्रतियोगिता के प्रभारी डॉ. अक्षय अशोक रंगापुर ने बताया कि फाइनल मुकाबला तृतीय वर्ष और चतुर्थ वर्ष की टीमों के बीच हुआ, जिसमें चतुर्थ वर्ष की टीम विजेता रही। क्रिकेट प्रतियोगिता के प्रभारी डॉ. रंजीत पाटिल ने बताया कि क्वालिफाइंग मैच तृतीय वर्ष और चतुर्थ वर्ष के बीच खेला गया, जिसमें तृतीय वर्ष की टीम ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। खेल व सांस्कृतिक सप्ताह के दौरान आगे भी कई अन्य रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों में इस आयोजन को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

कबड्डी प्रतियोगिता के रोमांचक फाइनल में पांचोता टीम बनी विजेता

जयपुर टाइम्स

नावां शहर(निस)। उपखंड मुख्यालय नावा स्थित आदर्श विद्या मंदिर परिसर में बुधवार को बजरंग दल नावा प्रखंड की ओर से कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में शारीरिक सुदृढ़ता, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ संगठनात्मक सक्रियता को मजबूत करना रहा। बजरंग दल प्रखंड संयोजक मुकेश जलांधरा ने बताया कि प्रतियोगिता में संगठन से जुड़े युवाओं और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे दिन चले मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों के साथ दर्शकों में भी जबरदस्त जोश और उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बजरंग दल जिला संयोजक योगेश शर्मा सहित ललित माटोलिया, ओमप्रकाश सोनी और गोपाल रूंथला मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलकूद युवाओं के शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला हेमपुरा और पांचोता टीम के बीच खेला गया। मुकाबला बेहद रोमांचक और कांटे का रहा, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए पांचोता टीम ने जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। विजेता और उपविजेता टीमों को अतिथियों की ओर से शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में संगठन मंत्री जयेश ने प्वाइंट टेबल की जिम्मेदारी निभाई, जबकि दशरथ सिंह, बाबूलाल बरवड़ और मनोज गंगवाल ने रेफरी के रूप में मैचों का संचालन किया। मैच के दौरान युवाओं के जोशीले नारों से पूरा परिसर ऊर्जावान बना रहा। कार्यक्रम के समापन पर संगठन पदाधिकारियों ने युवाओं से खेलों के साथ-साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया।

डॉ. सुषमा यादव महिला प्रकोष्ठ में प्रदेश सचिव नियुक्त

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निस)। चौमूं निवासी डॉ. सुषमा यादव को अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा महिला प्रकोष्ठ में प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्ति दी है। डॉ. यादव को समाज बंधुओ ने बधाई दी। प्रदेश सचिव बनने पर सुषमा यादव ने कहा कि मैं इस पद पर रहकर सर्व समाज को साथ लेकर कार्य करूंगी।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करता है यह बजटः गोयल

इंफ्रास्ट्रक्चर युवा, महिला सशक्तिकरण पर है खास फोकस

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। केंद्रीय बजट 2026 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि यह बजट देश को विकसित भारत की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ाने वाला ऐतिहासिक दस्तावेज़ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की कुशल आर्थिक समझ के साथ प्रस्तुत यह बजट आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध भारत की मजबूत नींव रखता है। गोयल ने कहा कि बजट में 10' जीडीपी वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है, जो भारत की तेज़ आर्थिक प्रगति को दर्शाता है। वहीं, राजकोषीय घाटे को घटाकर 4.3' करने का लक्ष्य सरकार की वित्तीय अनुशासन और जिम्मेदार नीतियों का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे पर रिकॉर्ड निवेश, सड़क, रेल, हवाई अड्डों और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को मजबूती देकर देश में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा। विशेष रूप से देशभर में प्रस्तावित 7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। टैक्स सुधारों पर बोलते हुए गोयल ने कहा कि टीसीएस दरों में बदलाव और डिजिटल टैक्स सिस्टम से कर व्यवस्था अधिक पारदर्शी और सरल बनेगी, जिससे आम नागरिकों और व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा। किसानों के लिए सिंचाई परियोजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीक, फसल बीमा और किसान क्रेडिट सुविधाओं को बढ़ावा देकर सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। इससे किसानों को आर्थिक सुरक्षा और आत्मविश्वास मिलेगा। युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट, डिजिटल लर्निंग, स्टार्टअप फंडिंग और नवाचार आधारित योजनाएं यह दर्शाती हैं कि मोदी सरकार देश के भविष्य को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। महिला सशक्तिकरण को लेकर उन्होंने कहा कि स्वरोजगार, स्वयं सहायता समूहों और वित्तीय सहायता योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह बजट मील का पत्थर साबित होगा। एमएसएमई, उद्योग और स्टार्टअप सेक्टर को विशेष प्रोत्साहन देकर सरकार ने आत्मनिर्भर भारत की नींव को और मजबूत किया है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकेगा। अंत में गोयल ने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का स्पष्ट रोडमैप है।

प्रभास ने की राशा थडानी की तारीफ

अभिनेत्री राशा थडानी ने फिल्म लईकी लईका के गाने छाप तिलक से गायन की शुरुआत की है। फिल्म द राजा साब के स्टार प्रभास ने राशा के गायन प्रतिभा की खूब सराहना करते हुए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी है।

प्रभास ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में राशा थडानी का गाना छाप तिलक शेयर किया और लिखा, वाह, शानदार शुरुआत राशा थडानी। तुम्हारा प्रदर्शन सच्चा, भावपूर्ण और दिल से निकला हुआ है। बधाई हो। राशा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रभास का आभार जताते हुए लिखा, प्रभास सर, मैं हमेशा आभारी रहूंगी।

फिल्म लईकी लईका एक आने वाली रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसमें राशा मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ अभय वर्मा हैं। फिल्म की पहली झलक में स्ट्रीट स्टाइल और आधुनिक ग्रैफिटी का मिश्रण दिखता है। पहले पोस्टर में अभय और राशा एक संकरी, धुंधली गली में एक-दूसरे को गले लगाते नजर आए। अभय ने गहरे रंग की टेक्सचर्ड जैकेट पहनी है, जो फटी हुई है। राशा ने हल्के रंग की पारंपरिक कुर्ती पहनी है, जिस पर खून के छींटे लगे हुए हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का लेखन और निर्देशन सौरभ गुप्ता ने किया है। सह-निर्माता भावना दत्ता तलवार और राघव गुप्ता हैं। राशा और अभय की फिल्म लईकी लईका 2026 की गर्मियों में रिलीज हो सकती है।

मेधा राणा ने बताया कैसा रहा बॉर्डर-2 की शूटिंग का अनुभव

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर-2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म में लीड रोल्स की चर्चा हर कोई कर रहा है, लेकिन फिल्म में मेधा राणा ने भी महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का रोल प्ले किया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेत्री खुद एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और वे उस डर और इमोशंस को जी चुकी हैं, जिन्हें फिल्म में दिखाया गया है। बॉर्डर-2 जैसी फिल्म में सेलेक्ट होने के अनुभव पर मेधा राणा ने आईएएनएस से कहा, जब मुझे पहली बार कॉल आया तो मैं खुशी से रो पड़ी थी। फिल्म के लिए मैंने कई राउंड ऑडिशन दिए थे और कास्टिंग डायरेक्टर छाबड़ा सर ने मुझे बुलाकर सामने से बताया था कि मैं सेलेक्ट हो चुकी हूं। वो पल मेरे लिए सबसे प्यारा था और खुशी के मारे मैं बहुत रोई थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी फिल्म में मुझे काम करने का मौका मिलेगा। अब काम करने के बाद खुद पर धीरे-धीरे यकीन कर पा रही हूं। फिल्म में मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का किरदार निभाया है। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ये किरदार इमोशनली बहुत स्ट्रांग था क्योंकि ये उन पत्नियों की हिम्मत को दिखाता है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। जब मुझे पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए दी गई तो मैं समझ गई कि किरदार बहुत सारी जिम्मेदारी और इमोशंस के साथ आता है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे परिवार की तीन पीढ़ियों ने आर्मी में सेवा दी है और मेरे पापा आज भी सेवाएं दे रहे हैं और यही कारण है कि इस फिल्म को पूरी जिम्मेदारी से निभाना मेरा फर्ज था। हमने भी उन इमोशंस को जिया है, जो फिल्म में पर्दे पर दिखाए गए हैं।

बॉर्डर-2 में बॉर्डर से अलग क्या देखने को मिलेगा के सवाल पर मेधा ने बताया कि हर फिल्म का किरदार अलग है और इमोशन और हिम्मत से भरा है। फिल्म में प्यार, इमोशन, फैमिली, और हिम्मत को दिखाया गया है क्योंकि नहीं पता कि वापस कब लौट पाएंगे। चारों किरदार अलग हैं, लेकिन चारों कहानी ही पूरी फिल्म को बनाती हैं। फिल्म को लेकर खुद को तैयार करने के सवाल पर मेधा ने बताया कि जो मेरा किरदार है, वो मेरी नानी पहले जी चुकी हैं, क्योंकि 1971 के समय मेरी मां का जन्म हुआ था और नाना की पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। मेरी नानी ने मुझे बहुत सारी कहानियां और टिप्स भी दीं, जिससे मुझे फिल्म के किरदार को निभाने में बहुत मदद मिली। वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर मेधा ने कहा, उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और शूटिंग के समय काफी कुछ सीखने को मिला। सेट पर पहला दिन काफी नर्वसनेस के साथ बीता था, लेकिन वरुण ने काफी मदद की।

ऋषभ शेट्टी ने कांतारा चैप्टर 1 के निर्देशन को लेकर लिखी खास बात

ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा चैप्टर 1 पिछले साल 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

वहीं ऋषभ ने कांतारा चैप्टर 1 की कई बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही एक खास नोट भी लिखा है। ऋषभ शेट्टी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर कांतारा चैप्टर 1 की सेट से कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन सभी तस्वीरों में वह आस-पास के लोगों को सीन समझाते नजर आ रहे हैं।

इस पोस्ट के साथ ऋषभ ने कैप्शन में लिखा, अपने किरदारों को जीवंत बनाना निर्देशन का सबसे अच्छा हिस्सा है। इसके साथ ही ऋषभ ने आगे लिखा, एक नया कर्ज लेना ठीक है। फैंस ने कमेंट कर लिखा है कि ऋषभ को ऑस्कर मिलना चाहिए। वहीं कई फैंस ने उनकी अगली फिल्म की रिलीज को लेकर सवाल किए हैं।

पारुल गुलाटी ने फिल्म 'तू या मैं' में अपनी भूमिका को लेकर की बात

अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तू या मैं' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। अब फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री पारुल गुलाटी ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात की।

तू या मैं में पारुल गुलाटी शनाया कपूर की करीबी दोस्त और मैनेजर लैरा का किरदार निभा रही हैं। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए पारुल ने कहा कि मैं सचमुच बहुत खुश हूं और ईमानदारी से कहूं तो अभी भी इस किरदार को पूरी तरह से समझने की कोशिश कर रही हूं। लैरा शनाया की दोस्त और मैनेजर है, जो मजबूती से उसका साथ देती है। उससे सवाल करती है, उसका समर्थन करती है और बहुत ही वास्तविक है। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि वह सिर्फ एक सहायक किरदार नहीं है। वह कहानी में एक महत्वपूर्ण भावनात्मक कड़ी है और इतने यादगार संवाद का हिस्सा बनना पहले से ही अविश्वसनीय लग रहा है।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि एक अभिनेत्री और एक निर्माता के तौर पर यह मेरे लिए अब तक का सबसे बेहतरीन कोलैबरेशन है। आनंद एल राय की दुनिया इतनी नाटकीय, बहुआयामी और भावनात्मक रूप से समृद्ध है, यह उस तरह का सिनेमा है जिसकी मैं हमेशा से प्रशंसक रही हूं और जिसका हिस्सा बनना चाहती थी। मुझे यकीन नहीं हो रहा क्योंकि यह एक बड़े पर्दे की भव्य और दिल को छू लेने वाली फिल्म का हिस्सा बनने का एक दुर्लभ, जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर जैसा लगता है। बेजॉय नाम्बियार द्वारा निर्देशित तू या मैं का निर्माण आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने मिलकर किया है। फिल्म में आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 13 फरवरी को वेलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होगी।

कोहरा 2 में अपने किरदार को लेकर बोले बरुन सोबती

दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने वाली वेब सीरीज कोहरा का दूसरा सीजन जल्द ही रिलीज होने जा रहा है। पहली सीरीज की कहानी, रहस्य और रहस्यमयी वातावरण दर्शकों को इतना पसंद आया कि इसके दूसरे सीजन का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था।

इस बार की कहानी में रहस्य और मामले पहले से भी ज्यादा जटिल होंगे। इस बार भी अभिनेता बरुन सोबती अपने पहले वाले किरदार अमरपाल गारुडी के रूप में नजर आएंगे। सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बरुन ने कहा, इस सीजन में गारुडी पहले से ज्यादा सतर्क है। वह हर कदम पर सोच-विचार करता है और अपने फैसलों और विकल्पों का लगातार मूल्यांकन करता है। गारुडी इस बार नए सिरे से जीवन शुरू करना चाहता है, लेकिन कोहरा की दुनिया में बीते समय और पुराने अनुभव उसे पीछे नहीं छोड़ते। रहस्य इस बार और गहरा है और केस की जटिलता उसकी मानसिक स्थिति और फैसलों में भी दिखती है। बरुन ने कहा, इस सीजन ने मुझे अभिनेता के रूप में नई चुनौतियां दी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस कहानी में गहराई से जुड़ेंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गारुडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गारुडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है, सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है। यह सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

मर्दानी से थप्पड़ तक - बदली हीरोइन की परिभाषा बॉलीवुड ने महिलाओं की आवाज को बनाया ताकत

भारत में बेटियों के प्रति सामाजिक सोच बदलने और उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को गुरुवार को 11 साल पूरे हो गए हैं। बॉलीवुड ने महिला केंद्रित कहानियों के जरिए समाज को प्रेरित करने का काम किया। 2014 के बाद रिलीज हुई कई फिल्मों ने यह संदेश दिया कि महिलाएं न सिर्फ अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सकती हैं, बल्कि अपने निर्णयों से समाज में बदलाव भी ला सकती हैं।

मर्दानी - रानी मुखर्जी की मर्दानी फ्रैंचाइजी लोगों की पसंदीदा है। अब इस फ्रैंचाइजी का तीसरा पार्ट जल्द ही आने वाला है। इसमें रानी ने शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाया। 2014 में रिलीज हुई फिल्म मर्दानी में शिवानी एक निडर पुलिस अधिकारी हैं, जो महिला उत्पीड़न और अपराध के खिलाफ लड़ती हैं। गोपी पुथरान के निर्देशन में बनी यह क्राइम थ्रिलर फिल्म पुरुष प्रधान मानसिकता के खिलाफ लड़ती है। रानी मुखर्जी ने अपने किरदार में भाव, चाल और फेमिनिस्ट रवैये के साथ पूरी फिल्म का भार अपने कंधों पर उठाया, जबकि विशाल जेठवा ने विलन के रूप में सस्पेंस और डर का असर बढ़ाया।

थप्पड़ - अनुभव सिन्हा की फिल्म थप्पड़ ने घरेलू हिंसा और पारिवारिक दबाव की उन कहानियों को पर्दे पर उतारा, जिनमें अक्सर महिलाएं अपने हक के लिए खड़ी नहीं हो पातीं। 2020 में रिलीज हुई फिल्म में तापसी पन्नू ने अमृता के किरदार में एक सामान्य गृहिणी के रूप में दिखाया कि कैसे एक छोटे से थप्पड़ ने उसकी जिंदगी बदल दी और उसने अपने हक के लिए आवाज उठाई। फिल्म में कई औरतों के जीवन की कहानियों को दिखाया गया, जिसके जरिए समझाया गया कि हर महिला अपने अधिकार के प्रति संवेदनशील होती है।

हिचकी - 2018 में रिलीज हुई फिल्म हिचकी में रानी मुखर्जी ने एक अलग ही भूमिका निभाई। फिल्म में वह टीचर नैना माथुर के किरदार में टॉरेट सिंड्रोम जैसी चुनौती का सामना करती हैं। 18 स्कूलों से रिजेक्ट होने के बावजूद नैना अपने सपनों को पूरा करने और बच्चों को पढ़ाने के अपने जुनून में लगी रहती हैं। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह कॉमेडी ड्रामा समाज में उन बीमारियों और मानसिक चुनौतियों के प्रति जागरूकता फैलाती है, जिन्हें अक्सर हल्के में लिया जाता है। रानी का किरदार बताता है कि आत्मविश्वास और धैर्य से हर महिला अपने सपनों को सच कर सकती है।

डियर जिंदगी - 2016 में रिलीज हुई फिल्म में आलिया भट्ट और शाहरुख खान ने ऐसी कहानी प्रस्तुत की, जो मानसिक स्वास्थ्य और खुद को समझने के महत्व पर आधारित है। आलिया का किरदार कायरा अपनी जिंदगी की उलझनों और डर से जूझती है और मनोचिकित्सक शाहरुख खान उसे खुद को समझने और खुश रहने का तरीका सिखाते हैं। गौरी शिंदे के निर्देशन में बनी यह फिल्म महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के संदेश को बखूबी पेश करती है।

राजी - फिल्म राजी में आलिया भट्ट ने सहमत का किरदार निभाया, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय देश की खातिर पाकिस्तान में जासूस बन जाती है। 2018 में रिलीज हुई फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया। यह थ्रिलर न केवल देशभक्ति की कहानी बताती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि महिलाएं अपने साहस और बुद्धिमानी से किसी भी मुश्किल परिस्थिति में सफल हो सकती हैं।

द केरल स्टोरी- निर्देशक सुदीप्तो सेन की फिल्म द केरल स्टोरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी फातिमा उर्फ शालिनी (अदा शर्मा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी सहेलियों गीतांजलि (सिद्धि इदनानी), निमाह (योगिता बिहानी) और आसिफा (सोनिया बलानी) के साथ नर्सिंग स्कूल में एडमिशन लेती है, लेकिन इस दौरान वे कट्टरपंथी संगठनों के जाल में फंस जाती हैं। अदा शर्मा का किरदार डर, पीड़ा और बेचैनी के बावजूद अपनी पहचान और स्वतंत्रता की लड़ाई को मजबूती से दिखाता है।

किशोरी स्वास्थ्य दिवस एवं बाल विवाह जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले के अंतर्गत जटोली ग्राम पंचायत स्थित +2 गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी हाई स्कूल में बुधवार को प्रोजेक्ट प्रगति के तहत राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत किशोरी स्वास्थ्य दिवस व बाल विवाह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, धौलपुर की ओर से पिरामल फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्वस्थ्य काउंसलर ने किया। इस अवसर पर केवल किशोरियों की भागीदारी रही। कार्यक्रम के दौरान किशोरियों को शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, एनीमिया की रोकथाम, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 50 किशोरियों की हीमोग्लोबिन जांच भी की गई। साथ ही किशोरियों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता किशोरियों को पीयर एजुकेटर के रूप में चिन्हित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्वास्थ्यकर्मी तथा पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विद्यालय के शिक्षकों ने किशोरियों को संबोधित करते हुए एनीमिया से बचाव, स्वच्छता बनाए रखने तथा शिक्षा को पूर्ण करने के महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि बाल विवाह किशोरियों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य के लिए किशोरी अवस्था में सही निर्णय लेना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। इस कार्यक्रम के माध्यम से किशोरियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता, बाल विवाह रोकथाम व सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को लेकर प्रभावी संदेश दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पिरामल फाउंडेशन की प्रतिनिधि साक्षी कुमारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पालिका व एनएचएआई ने संयुक्त कार्रवाई कर नेशनल हाईवे से अतिक्रमण हटाया

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले के मनियां उपखण्ड में जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देशन में अधिशाषी अधिकारी विष्णु कुमार परमार व एनएचएआई और मनियां थाना पुलिस को साथ लेकर संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान बुधवार को क्षेत्र से अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की। नगर पालिका ने टांडा रोड, तहसील रोड, फूलपुर मोड़ एवं मांगरोल चौराहे से अस्थाई व स्थाई अतिक्रमण हटवाया। पालिका कर्मचारियों ने अभियान के दौरान सड़क किनारे खड़े वाहन, टेम्पो और बड़े लोडिंग ट्रक हटवाए, वहीं कस्बे में स्थित चाय की थड़ी और फास्ट फूड संचालकों को गंदगी ना फैलाने की सख्त हिदायत दी। अधिशासी अधिकारी विष्णु कुमार परमार ने बताया मनियां एसएचओ नीरज शर्मा व एनएचएआई सुपर वाइजर दिलीप सिंह को साथ लेकर यह अभियान सुबह करीब 11 बजे थाना चौराहे के पास से नेशनल हाईवे 44 के दोनों तरफ से शुरू हुआ और मुख्य मार्ग होते हुए फूलपुर मोड़, मांगरोल रोड, तहसील रोड, टांडा रोड सहित मुख्य बाजार तक चला। दुकानदार व अन्य अतिक्रमणकारियों को नोटिस देते हुए पाबंद किया। अभियान का मुख्य उद्देश्य हाईवे के दोनों तरफ बने नालों की सफाई करना व नवीन सड़क निर्माण करना है। ईओ परमार ने आगे बताया अतिक्रमण के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। समय-समय पर नगर पालिका व एनएचएआई और मनिया पुलिस द्वारा अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, सभी दुकानदारों को 15 फरवरी का समय देते हुए अतिक्रमण को पूर्ण रूप से समाप्त करने के बारे में कहा।

घोंसला विहार कॉलोनी में जलभराव को लेकर विवाद, नगर परिषद ने नाला खुलवाया

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। शहर के नगर परिषद क्षेत्र स्थित घोंसला विहार कॉलोनी में बुधवार को जलभराव की समस्या को लेकर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। नगर परिषद की टीम जब नाला खुलवाने पहुंची तो कॉलोनी में दो गुट आमने-सामने आ गए। एक पक्ष जलभराव से राहत के लिए नाला खोलने की मांग कर रहा था, जबकि दूसरा पक्ष इसका विरोध कर रहा था।

इस दौरान मौके पर हल्की नोक-झोंक की स्थिति भी देखने को मिली। हालांकि, नगर परिषद के सफाई निरीक्षक प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि जिला कलेक्टर व आयुक्त के निर्देशन पर नाले को खोला गया है। उन्होंने बताया कि एक दिन पूर्व कुछ लोगों की ओर से कलेक्ट्रेट पर भी इस मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया था, जिसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए नाला खुलवाने का निर्णय लिया। नगर परिषद की टीम की ओर से नाला खोल दिए जाने के बाद कॉलोनी में जमा पानी की निकासी शुरू हो गई, जिससे स्थानीय लोगों को जलभराव की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। प्रशासन की ओर से क्षेत्र में स्थिति पर नजर रखी जा रही हैं

दीवार में गड़ा बिजली का खंभा बना ग्रामीणों के लिए खतरा, पोयणा में डिस्कॉम पर लापरवाही के आरोप

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। उपखंड क्षेत्र के ग्राम पोयणा में बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। गांव की एक गली में निजी मकान की दीवार के भीतर गड़ा विद्युत खंभा अब ग्रामीणों की जान के लिए खतरा बन गया है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और उन्होंने जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम निवासी लीला भारती ने विद्युत विभाग के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से वर्षों पुराने बिजली के खंभे को अपने नए बने मकान की दीवार में चुनवा दिया। यह न केवल विद्युत नियमों का उल्लंघन है, बल्कि सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग का भी गंभीर मामला है। खंभा दीवार में होने से शॉर्ट सर्किट, करंट फैलने, बिजली बाधित

होने और किसी भी समय गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मामला 15-20 वर्ष पुराना नहीं, बल्कि 4-5 साल पहले का है, जब संबंधित मकान का निर्माण किया गया। इसके बावजूद विद्युत विभाग की ओर से कार्रवाई के बजाय कागजी प्रक्रिया में उलझाकर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। बिजली का यह खंभा पिछले कई दिनों से मीडिया की सुर्खियों में है, लेकिन ठोस कार्रवाई अब तक नहीं हुई। शिकायतों के बाद विद्युत निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मकान मालिक व ग्रामीणों के बयान दर्ज कर जांच शुरू की। सहायक अभियंता ने बताया कि मामला 20 वर्ष से अधिक पुराना प्रतीत होता है, इसलिए यह स्पष्ट करना कठिन है कि खंभा कब दीवार में गड़ा गया। उन्होंने पंचायत से पत्राचार करने और संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी करने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही। विभाग के इस रुख से ग्रामीण संतुष्ट नहीं हैं। ग्रामीणों ने साफ शब्दों में कहा कि विभाग के अधिकारी वकील की तरह नहीं, बल्कि जनसेवक बनकर पारदर्शिता से समस्या का समाधान करें। ग्रामीणों ने एक स्वर में बिजली के खंभे को तत्काल सुरक्षित स्थान पर हटाने की मांग की है।

इनका कहना है:

ग्राम प्रशासक रमणीक त्रिवेदी ने कहा कि बिजली का खंभा दीवार या मकान में दबाना सभी के लिए खतरनाक है। यह मामला पूरी तरह विद्युत विभाग से जुड़ा है। विभाग जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करे, पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है।

ग्रामीणों की आपत्ति:

ग्रामीण भगवत सिंह देवड़ा, मुपाराम प्रजापत, जेठालाल, दिनेश कुमार कुमावत और योगेंद्र सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने अलग-अलग बयान दर्ज कराए। उन्होंने बताया कि खंभा दीवार में होने से लगातार फॉल्ट, शॉर्ट सर्किट और करंट फैलने की समस्या हो रही है। बारिश के समय खतरा और बढ़ जाता है। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई और कोई दुर्घटना हुई तो उसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी। ग्रामीणों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिजली के खंभे को तत्काल सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए।

जिले भर में जागरूकता व जांच शिविरों का आयोजन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले भर में व्यापक स्तर पर जनजागरूकता एवं निःशुल्क कैंसर जांच शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करना तथा समय रहते जांच एवं उपचार करवाना रहा। जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, शहरी स्वास्थ्य संस्थानों पर आयोजित शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मुख कैंसर, स्तन कैंसर तथा गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की प्राथमिक जांच की गई। जांच के दौरान संदिग्ध पाए गए मरीजों को आगे की जांच एवं उपचार हेतु उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया गया। शिविरों के दौरान आमजन को कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों, जोखिम कारकों तथा बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। विशेष रूप से तंबाकू, गुटखा एवं धूम्रपान से होने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ चेतराम मीणा ने बताया कि कैंसर का समय पर पता लगने पर उपचार की संभावना काफी बढ़ जाती है। नियमित जांच, संतुलित आहार, व्यायाम एवं नशे से दूरी कैंसर से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आमजन से सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध निःशुल्क जांच एवं उपचार सुविधाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर आशा सहयोगिनियों, एएनएम एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा समुदाय स्तर पर जनसंपर्क कर जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की गईं। पोस्टर, पंपलेट एवं संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को कैंसर से जुड़े मिथकों से दूर रहने और लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में नागरिकों, विशेषकर महिलाओं, ने सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

पालनहार योजना से बदली एक नेत्रहीन पिता के परिवार की तकदीर

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले की बाड़ी तहसील के गांव नगला दूल्हे खा में रहने वाले श्री वीरी सिंह एक नेत्रहीन पिता है। ऑखों से देख न पाने के कारण वे नियमित मेहनत-मजदूरी करने में असमर्थ थें। उनका परिवार आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर था। चार छोटे-छोटे बच्चों की जिम्मेदारी, घर का खर्च, पढ़ाई और इलाज सब कुछ उनके के लिए किसी बड़े संघर्ष से कम नहीं था।

पालनहार योजना से पहले परिवार की स्थिति बहुत दयनीय थी। कई बार बच्चों को स्कूल भेजने या किताबें-कॉपियां दिलाने के लिए पैसे नहीं होते थे। दो वक्त का भोजन जुटाना भी मुश्किल हो जाता था। बच्चों का भविष्य अंधकारमय दिखाई देता था। इसी दौरान सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग बाड़ी के अधिकारियों ने गांव में शिविर के दौरान पालनहार योजना के बारे में जानकारी दी। अधिकारयिों ने नेत्रहीन पिता की स्थिति को समझते हुए उन्हें योजना के लाभ के बारे में विस्तार से बताया और ऑनलाइन आवेदन करवाकर चारों बच्चों का पालनहार लाभ चालू कराया। यह पल परिवार के लिए उम्मीद की एक नई किरण बन गया। पालनहार योजना से मिलने वाली नियमित सहायता से बच्चों की जिंदगी में धीरे-धीरे बदलाव आने लगा। अब बच्चों का स्कूल में नामांकन हो गया, यूनिफॉर्म, किताबें और पोषण की व्यवस्था संभव हुई। समय पर इलाज और पोष्टिक भोजन मिलने से बच्चों के स्वास्थ्य में भी सुधार आया। पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ा और वे खुलकर अपने सपनों के बारें में बात करने लगे। आज चारों बच्चे नियमित रूप से स्कूल जाते है। कोई शिक्षक बनना चाहता है, कोई पुलिस में जाना चाहता है, तो कोई डॉक्टर बनने का सपना देखता है। नेत्रहीन पिता के चेहरे पर अब निराश नहीं, बल्कि संतोष और उम्मीद की मुस्कान है। वे कहते है कि पालनहार योजना ने उनके बच्चों को सहारा ही नहीं, बल्कि सम्मान के साथ जीने का अवसर दिया है। पालनहार योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा और मानवीय संवेदना की मिसाल है। यह योजना ऐसे परिवार के जीवन में उजाला लाती है, जहां परिस्थितियां सबसे अधिक कठिन होती है। यह कहानी प्रमाण है कि सही समय पर सही सहायता किसी परिवार की पूरी दिशा बदल सकती है।

फर्जी आरटीओ कर्मी बन अवैध वसूली करने वाला गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। हाल ही में परिवहन विभाग की ओर से सोशल मीडिया के माध्यम से वायरल हो रही वीडियो पर संज्ञान लेते हुए दो अलग-अलग एफआइआर दर्ज कराई गई है। परिवहन विभाग की ओर से जिले में अन्य राज्यों से आने वाले वाहनों पर कर अपवंचना की प्रभावी रोकथाम के लिए अन्य राज्यों से राज्य के प्रवेश मार्गों पर नियमित रूप से सघन जांच कर बिना कर चुकाए संचालित वाहनों के विरुद्ध राजस्थान मोटर कराधान अधिनियम 1951 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाती है साथ ही ऐसे वाहन जो नियम विरुद्ध संचालित होते हैं जैसे ओवरलोड रिफ्लेक्टर टेप, डबल डीजल टैंक ओवर हाइट आदि के विरुद्ध भी प्रभावी जांच कर चालान की कार्रवाई की जाती है। हाल ही में सोशल मीडिया के माध्यम से ट्रांसपोर्ट टीवी चैनल की ओर से एक वीडियो प्रसारित किया जा रहा है जिसमें धौलपुर बॉर्डर पर राजस्थान में फर्जी तरीके से आरटीओ कर्मी बन व्यक्ति की ओर से ड्राइवर से जबरन अवैध वसूली की जा रही है जिसमें व्यक्ति की ओर से ड्राइवर को मारने की धमकी देकर अभद्रता पूर्वक व्यवहार किया जा रहा है व गाली गलौज देकर उससे जबरन एंट्री मांगी जा रही हैं। जिसका संज्ञान में आने पर विभाग की ओर से जांच की गई तो पाया गया कि यह व्यक्ति न तो पुलिस से संबंधित है, न ही परिवहन विभाग का कोई कर्मचारी है। उक्त व्यक्ति पर पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज हैं जो एक हिस्ट्रीशीटर है व आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध विभाग की ओर से भारतीय न्याय संहिता बीएनएस 2023 की धारा 121 धारा 308(2) धारा 351(2) धारा 356(2) में एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्रकरण में पुलिस की ओर से उक्त व्यक्ति को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाला गया है और अनुसंधान जारी है। जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव ने बताया कि भविष्य में ऐसे व्यक्ति जो वाहन चालकों को अपना हथियार बनाकर अपने स्वार्थ सिद्ध करने की मंशा से विभाग की छवि को धूमिल करने के लिए ऐसे कृत्य करते हैं या वीडियो बनाकर वायरल करवाते हैं, ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध मुख्यमंत्री महोदय राजस्थान सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत विभाग को राजस्व नुकसान पहुंचाने व राज्य कार्य में बाधा डालने के लिए विभाग की ओर से एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी।

संतान सुख की प्रतिक्षा कर रहे दंपति को मिली खुशी

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजकीय विशिष्ट द-4 योक ग्रहण अभिकरण में प्रवेशित नवजात बालिका को विधिक प्रक्रिया के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट श्रीनिधि बी टी ने दत्तक-ग्रहण में दत्तक माता-पिता को सौंपा। इस मानवीय पहल से जहां मासूम को माता-पिता का आसरा मिला, वहीं वर्षो से संतान सुख की प्रतीक्षा कर रहे दत्तक माता-पिता के जीवन में खुशियों की नई शुरूआत हुई। उन्होंने कहा कि आज उनका परिवार पूर्ण हो गया है और वे बालिका को प्रेम, सुरक्षा एवं उज्जवल भविष्य प्रदान करेगे।

विधिक प्रक्रिया से सुरक्षित दत्तक-ग्रहण-बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक देवेन्द्र सिंह जांगल ने बताया कि बालिका लावारिस अवस्था में मिलने पर एक महिला की ओर से अस्पताल में प्रवेशित कराया गया। जहां से बालिका को चाईल्ड लाईन व पुलिस की सहायता से बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया। समिति के आदेशानुसार बालिका को राजकीय चिकित्सालय में उपचार तत्पश्चात् शिशु गृह में उपचार व पालन पोषण प्रदान किया गया। परिजनों की तलाश के लिए समाचार पत्रों में विज्ञप्ति प्रकाशित करवाई गई, किन्तु 2 माह तक कोई दावा प्रस्तुत नहीं होने पर बाल कल्याण समिति की ओर से बालिका को विधिक रूप से दत्तक-ग्रहण के लिए स्वतंत्र घोषित किया गया। उल्लेखनीय है कि जिला मजिस्ट्रेट के द्वारा कुल 4 नवजात शिशुओं को दत्तक-ग्रहण में दिया गया है। अधीक्षक मुरारी लाल मीना राजकीय विशिष्ट दत्तक-ग्रहण अभिकरण ने आमजन से अपील की है कि अनचाहे नवजात शिशुओं को असुरक्षित स्थानों झाड़िया, जंगल, सुनसान स्थान, या कचरे के ढेर में न छोड़े, बल्कि राजकीय चिकित्सालय व विशिष्ट दत्तक-ग्रहण अभीकरण में स्थापित शिशु पालना केन्द्र (क्रेडल पाइण्ट) में सुरक्षित परित्याग करें अथवा जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष अभ्यर्पित करें। अभ्यर्पण की समस्त प्रक्रिया बन्द कमरे में की जाती है और इसकी जानकारी किसी के साथ साझा नहीं की जाती। धौलपुर जिले में पालना गृह-राजकीय मातृ व शिशु स्वास्थ्य संस्थान राजकीय सामान्य चिकित्सालय धौलपुर, राजकीय उप जिला चिकित्सालय बाड़ी व राजकीय विशिष्ट दत्तक-ग्रहण अभीकरण परिसर में स्थित है। जहाँ सुरक्षित परित्याग पर किसी भी प्रकार की कानूनी कार्यवाही नहीं की जाती है। दत्तक-ग्रहण के इच्छुक दंपतियों के लिए मार्गदर्शन- जिला कलक्टर ने बताया कि किशोर न्याय बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम, 2015 यथा संशोधित, 2021 एवं दत्तक-ग्रहण विनियम, 2022 के प्रावधानानुसार दत्तक-ग्रहण की समस्त कार्यवाही केन्द्रीय दत्तक-ग्रहण संसाधन प्राधिकरण कारा, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से संपादित की जाती है। अगर कोई भी दंपत्ति, एकल दत्तकग्राही माता-पिता बच्चा गोद लेना चाहते हैं तो वे महिला व बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के मिशन वात्सलय पोर्टल के माध्यम से निःशुल्क ऑनलाईन आवेदन कर वैधानिक रूप से दत्तक ग्रहण कर सकते है। दत्तकग्राही माता-पिता एवं बच्चे की समस्त जानकारी गुप्त रखी जाती है। इस मौके पर सहायक निदेशक देवेंद्र सिंह जांगल, अधीक्षक मुरारीलाल मीना, किशोर गृह के कनिष्ठ सहायक संजय सिंह, जिला बाल संरक्षण इकाई प्रोटेक्शन ऑफिसर पवन कुमार व दत्तकग्राही माता-पिता आदि मौजूद रहे।

जलभराव मामले में स्थाई लोक अदालत का सख्त रुख, नगर परिषद ने एक लाख रुपए की शास्ति राशि चेक से जमा कराई

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। नगर परिषद क्षेत्र की 66 कॉलोनी में लंबे समय से चली आ रही जलभराव व सीवर ओवरफ्लो की समस्या को लेकर स्थाई लोक अदालत के सख्त निर्णय का असर अब दिखने लगा है। आनंद नगर कॉलोनी के एक दर्जन से अधिक नागरिकों की ओर से दर्ज कराए गए परिवाद पर लोक अदालत ने 8 जनवरी 2025 को सुनवाई करते हुए नगर परिषद पर एक लाख रुपए की शास्ति राशि तथा समस्या के पूर्ण समाधान तक प्रतिदिन एक हजार रुपए की अतिरिक्त शास्ति वसूलने के आदेश दिए थे। इसी निर्णय के परिप्रेक्ष्य में नगर परिषद धौलपुर के कार्यवाहक आयुक्त एवं उपखंड अधिकारी कर्मवीर सिंह की ओर से 2 जनवरी 2026 को एक लाख रुपए का चेक जारी कर आनंद नगर निवासी राजेंद्र शर्मा के खाते में जमा करा दिया गया। इसके साथ ही आदेशानुसार समस्या के निराकरण तक प्रतिदिन की शास्ति राशि संबंधित अधिकारी के वेतन-भत्तों से वसूल किए जाने की प्रक्रिया भी की जानी है। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2023 से जलभराव की समस्या से जूझ रहे नागरिकों ने कानून को हाथ में लेने के बजाय सकारात्मक सोच के साथ प्रशासनिक व न्यायिक रास्ता अपनाया। उनके इस प्रयास के चलते सैपऊ रोड से आनंद नगर कॉलोनी में पक्के नालों के निर्माण का कार्य पिछले तीन दिनों से जारी है। हालांकि 66 कॉलोनी के कई हिस्सों में सीवर ओवरफ्लो की समस्या अभी भी बनी हुई है और कुछ स्थानों पर बनाए गए पक्के नाले भी कम समय में क्षतिग्रस्त हो गए। नागरिकों का कहना है कि यह मामला उन अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सबक है, जो मनमर्जी और कथित भ्रष्टाचार के चलते केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों तथा सुशासन के प्रयासों की अनदेखी करते हैं। प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से मामला पहले ही प्रशासन के संज्ञान में आ चुका है। अब अपेक्षा की जा रही है कि राजस्थान सरकार के नगरीय निकाय व स्वायत्त शासन विभाग इस दिशा में ठोस कार्रवाई करें। नगर परिषद धौलपुर की ओर से 260 करोड़ रुपए का प्रस्ताव 27 जनवरी 2025 को स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर को भेजा गया था, लेकिन अब तक न तो राशि स्वीकृत हुई है और न ही कार्यादेश जारी हुए हैं।

लापरवाही पर कनेक्शन काटने की चेतावनी

नावां शहर(निस)। कस्बे के हरिजन मोहल्ला और मालियों का मोहल्ला क्षेत्र में बुधवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत डीडवाना-कुचामन के अधीक्षण अभियंता के नेतृत्व में टीम ने पेयजल सप्लाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण में सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता सहित विभागीय स्टाफ मौजूद रहा। जांच के दौरान कई जल उपभोक्ताओं के घरों पर पानी के वाल्व और टोंटी नहीं लगे पाए गए, जिससे पेयजल व्यर्थ बहकर नालियों में जा रहा था। इस पर विभाग ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन उपभोक्ताओं के यहां वाल्व व टोंटी नहीं लगे हैं।

कार्यालय मुख्य अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान, जयपुर

क्रमांक:- अ.अ.(मु.)/सहा.अभि.(मु.)/अनु.-10/केयर टेकर/2025-26/डी. 6669 दिनांक:-23/01/26

-: नीलामी सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मुख्य अभियन्ता कार्यालय सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान जयपुर, जैकब रोड़ जयुपर क्लब के सामने, गणपति नगर, जयपुर के परिसर ब्लाक - ए में स्थित निम्न अनुपयोगी सामानों की नीलामी 'जहाँ है, जैसी स्थिति में है' की जायेगी'।

क्र. सं.	सामान का विवरण	पुस्तक मुल्य	आरक्षित मुल्य	नीलामी की दरें मुहरबन्द लिफाफे में प्रस्तुत करने की तारीख व समय	मुहरबन्द लिफाफे खोलने की करने की तारीख व समय	धरोहर राशि
1.	अलमारियाँ, टैबल, कुर्सी, स्टील रैक एवं अन्य फर्नीचर्स सामग्री इत्यादि	2.02 लाख	28,270 -/	24/01/2026 At 3:00 PM to 06/02/2026 At 12:00 PM	06/02/2026 At 12:00 PM	10,100/ -

निविदा एकल बोली में मुहरबन्द लिफाफे कें द्वारा की जायेगी। अनुभवी फर्म / व्यवसायियों से निर्धारित दिनांक व समय पर उपस्थित होकर धरोहर राशि जमा करवाकर बोली मे भाग ले सकता है। अन्य शर्ते कार्यालय के नोटिस बोर्ड एवं SPPP Portal पर देखी जा सकती है।

(प्रियंका मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता (मु.)
सा.नि.वि.राज., जयपुर
मो.नं. – 70238 57885

DIPR/C/1728/2026

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, गुरूवार
5 फरवरी, 2026

विधायक शर्मा ने विधानसभा में रखी क्षेत्र की मुख्य मांगे

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के विधायक अनिल शर्मा ने मंगलवार को राज्यपाल के अभिभाषण के जवाब में विधानसभा में बोलते हुए विधानसभा क्षेत्र में अनेक समस्याओं को सदन के पटल पर रखकर सरकार से निराकरण करने की मांग की। किसानों को बकाया कृषि क्लेम समय पर देने, ट्यूबवेलों पर रात की बिजली को दिन में व पूरे समय पर देने, कृषि कनेक्शन शीघ्र ही जारी करने, डीएपी व यूरिया की हो रही कालाबाजारी पर अकुंश लगाते हुए क्षेत्र के जरूरतमंद किसानों को उपलब्ध करवाने की मांग उठाई। उन्होने राजकीय उप जिला चिकित्सालय सरदारशहर के भवन निर्माण का कार्य शीघ्र ही शुरू करवाने, विधानसभा क्षेत्र में संचालित पीएचसी व सीएचसी में पर्याप्त डॉक्टर्स लगाने, क्षेत्र में राजकीय विद्यालयों के जर्जर व क्षतिग्रस्त भवनों के स्थान पर नए कक्षा कक्षों का निर्माण करवाने सहित सरदारशहर में आईटीआई का भवन बने दो वर्ष हो चुके लेकिन उसे शुरू नही किया गया। जिसे शिघ्र शुरू किया जावे। शहर में स्थित ट्रस्ट व सरकारी जमीन पर किए जा रहे सत्ताधारी नेताओं व भूमाफियों की ओर से अतिक्रमण को तुरंत हटाने व उन पर कार्यवाही करने व यूपीए सरकार की शुरू की गई महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के वित्तीय प्रावधानों में किए गए बदलावों को तुरन्त निरस्त करते हुए उसको यथावत रखने की मांग सदन में जोर शोर से उठाई।

जल संरक्षण विषय पर निबंध प्रतियोगिता में रितिका प्रथम

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के अधिशासी अभियंता मनोज कुमार मित्तल के निर्देशानुसार बुधवार को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय नंबर 6 रामनगर बास में जल संरक्षण विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम रितिका, द्वितीय जयश्री राव और तृतीय प्रिया ने प्राप्त किया। सामुदायिक जागरूकता व जन सहभागिता इकाई के बाबूलाल ने बताया कि निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा इसके बाद भी जल बेवजह बर्बाद किया जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जल-संकट का समाधान जल के संरक्षण से ही है। जिससे जल संरक्षण के प्रति आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। जागरूकता कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के उमेदसिंह, महावीर प्रसाद, मुकेश चौधरी, चंद्रशेखर, राकेश कुमार, रवीना, नौरंगलाल, हनुमानसिंह, रामचंद्र, शारदा व पवन सिंह ने सहयोग प्रदान किया।

पंचायत व पालिका चुनाव को लेकर आरएलपी ने किया मंथन

जयपुर टाइम्स

सादुलपुर(निस)। मुख्य बस स्टैंड के पास राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी पंचायत चुनाव एवं पालिका चुनावों को लेकर रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई तथा संभावित प्रत्याशियों के चयन पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए आरएलपी तहसील अध्यक्ष अनूप पूनिया ने कहा कि पार्टी आगामी पंचायत चुनावों में प्रत्येक वार्ड एवं प्रत्येक ब्लॉक से अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी की प्राथमिकता साफ-सुथरी छवि एवं ईमानदार लोगों को चुनावी मैदान में उतारने की रहेगी, जिससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सके और आमजन का राजनीति के प्रति विश्वास मजबूत हो। अनूप पूनिया ने कहा कि आरएलपी जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी और विकास, पारदर्शिता व जवाबदेही को चुनाव का मुख्य आधार बनाएगी। बैठक में मोहनलाल झाड़सर, सतवीर खेमना, समुंदर ददरेवा, धर्मवीर महला, किलका डोकवा, मंडिया डोकवा, राजेश भामसी, राजेंद्र पूनिया भगेला, कर्ण सिंह फौजी, रतनपुरा शीशराम भामी, मुकेश दुगल मूंदी, सूरजभान रडावा सहित अनेक कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इमरजेंसी को बगड़िया अस्पताल में ही रखने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सामाजिक कार्यकर्ता बसन्त कुमार बोरड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन प्रेषित कर राजकीय बगड़िया उप जिला अस्पताल में ट्रोमा सेंटर को यथावत् रखे जाने की मांग की है। ज्ञापन में बसंत कुमार बोरड़ ने मुख्यमंत्री को बताया है कि करीब पौने दो लाख की आबादी वाले शहर सुजानगढ़ के तरफ सैकड़ों गांवों के लोग शहर की राजकीय बगडिया उपजिला अस्पताल में ईलाज कराने के लिए आते हैं। यहां पिछले कई दशकों से इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल में पहले ट्रॉमा सेंटर ऊपर की मंजिल पर था, जिसे हाल ही में नीचे बनाकर व्यवस्थित किया गया। भामाशाह के सहयोग से सभी सुविधाओं में विकसित यह ट्रोमा सेंटर लोगों की पहुंच में है। इन दिनों इस ट्रॉमा सेंटर को शहर के फतेहपुरिया सरोवर के पास स्थित फतेहपुरिया जनाना अस्पताल में ले जाए जाने का निर्णय किया गया है, जो गलत है। जनाना अस्पताल की इस जगह पहले ट्रोमा सेंटर बनना प्रस्तावित था। लेकिन राजनीतिक कारणों में यहां ट्रोमा सेंटर नहीं बन पाया। जिसके बाद यहां एमसीएच (मातृ शिशु कल्याण केन्द्र) बना दिया गया। अब वहां ट्रोमा मेंटर के लिए पर्याप्त जगह ही नहीं बची है। अतः ट्रोमा सेंटर, इमरजेंसी वार्ड को बगड़िया अस्पताल में ही यथावत् रखा जाए।

संविदा नियुक्तियों की चयन प्रक्रिया पर तत्काल रोक की माँग

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान उच्च शिक्षा की स्थानीय इकाई एसबीडी राजकीय महाविद्यालय द्वारा बुधवार को राजसेस महाविद्यालयों की वर्तमान संकल्पना एवं संचालन व्यवस्था के विरोध में शांतिपूर्ण एवं मर्यादित विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्राध्यापकों ने महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर काली पट्टी बांधकर तथा मांगों से संबंधित प्ले-कार्ड्स लेकर अपना विरोध दर्ज किया। महासंघ का स्पष्ट मत है कि राजसेस योजना के अंतर्गत संचालित महाविद्यालयों का वर्तमान स्वरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना के विपरीत है। इन महाविद्यालयों में स्थायी अकादमिक ढांचे का अभाव, अपर्याप्त अधोसंरचना एवं संसाधन, शोध एवं नवाचार की संभावनाओं का न होना तथा संविदा एवं अस्थायी नियुक्तियों पर आधारित अध्यापन व्यवस्था राज्य की उच्च शिक्षा को गुणवत्ता, बहुविषयकता एवं अकादमिक निरंतरता से दूर ले जा रही है। महासंघ ने अवगत कराया कि सत्र 2020-21 से 2022-23 के मध्य राजसेस योजना के अंतर्गत 303 नवीन महाविद्यालय खोले गए तथा वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सत्र 2023-24 एवं 2024-25 में 71 अतिरिक्त राजसेस महाविद्यालय खोले जा चुके हैं। जिससे इनकी कुल संख्या 374 हो गई है। इनमें से लगभग 260 राजसेस महाविद्यालयों में आज एक भी स्थायी संकाय सदस्य कार्यरत नहीं है जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। प्रदर्शन के उपरांत संगठन के प्रतिनिधिमंडल द्वारा उपखंड अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री, राज्यपाल एवं प्रधानमंत्री के नाम पृथक-पृथक ज्ञापन एसडीएम को प्रस्तुत कर शीघ्र समाधान की मांग की गई। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विधानसभा चुनाव-2023 के पश्चात गठित राज्य सरकार द्वारा राजसेस महाविद्यालयों एवं विषयों के संचालन के संबंध में गठित सोडाणी समिति की सिफारिशें अब तक न तो सार्वजनिक की गई हैं और न ही लागू की गई हैं। महासंघ ने यह भी गंभीर आपत्ति दर्ज कराई कि भर्ती परीक्षा कैलेंडर-2026 के माध्यम से राजसेस नियम-2023 में परिवर्तन कर पांच वर्षों के लिए 28500 रुपये के नियत वेतन पर संविदा टीचिंग एसोसिएट एवं अशैक्षणिक पदों की चयन प्रक्रिया प्रारंभ करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके लिए अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड को अभ्यर्थना भेजी जा चुकी है। महासंघ के अनुसार यह व्यवस्था अस्थायी, असुरक्षित एवं नीति-विरोधी है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के सर्वथा विपरीत है। महासंघ ने राज्य सरकार से मांग की कि राजसेस महाविद्यालयों के संबंध में गठित सोडाणी समिति की सिफारिशों को अविलंब लागू किया जाए। राज्य में संचालित सभी राजसेस महाविद्यालयों को सामान्य राजकीय महाविद्यालयों के रूप में संचालित करने के स्पष्ट आदेश जारी किए जाएं तथा संविदा नियुक्तियों की प्रस्तावित चयन प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। महासंघ ने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते इस दिशा में ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन को लोकतांत्रिक एवं आंदोलनात्मक मार्ग अपनाने के लिए विवश होना पड़ेगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। विरोध प्रदर्शन में महाविद्यालय के इकाई सचिव भवानीशंकर, जिला उपाध्यक्ष कमलेश कुमार जोशी, इकाई सह सचिव डॉ सिद्धि गुप्ता तथा संकाय सदस्य शेरसिंह, मुकेश कुमार प्रजापत, डॉ देवीलाल रोझ, डॉ सुनीता मीणा, डॉ लालचंद मीणा, राजकुमार झांकल, शुभम बंसल, जयरत्न लखेरा, सुमन, लता गुर्जर, डॉ अल्का जांगिड़, सुनीता गोदारा, डॉ प्रभाकर दीक्षित उपस्थित रहे।

चूरू में यूजीसी कानून का मुखर विरोध, सड़कों पर नागरिक

रैली निकाल किया जमकर विरोध प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला मुख्यालय पर यूजीसी कानून के विरोध में बुधवार को जमकर प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न संगठनों और युवाओं ने पंचायत समिति से कलेक्ट्रेट तक विरोध रैली निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर सांकेतिक जाम लगाकर आक्रोश व्यक्त किया। जाम के कारण कुछ समय तक यातायात भी प्रभावित रहा। कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी कानून को तत्काल वापस लेने की मांग की। यूजीसी रोलबैक करो और केंद्र सरकार होश में आओ जैसे नारों से जमकर विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यूजीसी नियमों से झूठी शिकायतों पर सजा के प्रावधान हटा दिए गए हैं, जिससे इनका दुरुपयोग होने की आशंका बढ़ गई है। करणी सेना के अध्यक्ष प्रदीप सिंह ढ़ाढ़रिया ने बताया कि यदि यूजीसी कानून को वापस नहीं लिया गया, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भले ही इस कानून पर रोक लगाई हो, लेकिन केंद्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप करते हुए इसे पूरी तरह वापस लेना होगा। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थानीय पुलिस के अलावा आरएसी का जाब्ता तैनात किया गया। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी व युवा उपस्थित रहे।

लक्ष्मणगढ़ में पाइप लीकेज से रोज बह रहा हजारों लीटर पानी

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। प्रदेश सरकार जहां एक ओर जल संरक्षण को लेकर जन जागरूकता अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर जिम्मेदार विभागों की लापरवाही इन प्रयासों को मुंह चिढ़ा रही है। लक्ष्मणगढ़ शहर के वार्ड संख्या 32 में सरावगीयो की बगीची वाले मार्ग जो कि एस.आर. स्कूल मार्ग को पावर हाउस मार्ग से भी जोड़ता है इस पर जलदाय विभाग की घोर लापरवाही सामने आई है। उक्त रास्ते पर लंबे समय से पेयजल पाइपलाइन में लीकेज के कारण प्रतिदिन हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है, लेकिन विभाग आंख मूंदे बैठा है। पाइपलाइन से हो रहे लगातार रिसाव के चलते सड़क पर पानी जमा होता है जो कीचड़ में तब्दील हो जाता है। यह मार्ग प्रमुख संपर्क मार्ग है में से एक मार्ग है जहां से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। साथ ही यह रास्ता स्कूली बच्चों के लिए भी मुख्य मार्ग है। कीचड़ और जलभराव के कारण न केवल वाहन चालकों को परेशानी हो रही है, बल्कि पैदल राहगीरों और बच्चों के लिए यह रास्ता खतरे का सबब बन गया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार स्कूल जाने वाले छोटे बच्चे फिसलकर गिर चुके हैं। बारिश के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। आम नागरिकों को इस मार्ग से गुजरने में भारी मशक्कत करनी पड़ती है। सड़क पर फैले कीचड़ के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारी मौके पर झांकने तक नहीं पहुंचे हैं।स्थानीय निवासी पूर्व पार्षद सुभाष पारीक सहित अन्य रहवासियों को भी पाइपलाइन लीकेज की वजह से जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व पार्षद सुभाष पारीक ने बताया कि पानी की पाइप में लीकेज के कारण लंबे समय से यह समस्या बनी हुई है। जलदाय विभाग को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। वहीं 181 पर भी शिकायत की गई पर कोई नतीजा नहीं निकला।उन्होंने कहा कि विभाग की उदासीनता के चलते आमजन को परेशान होना पड़ रहा है और कीमती पेयजल बर्बाद हो रहा है।वहीं वार्ड पार्षद मुकेश सैनी ने भी जलदाय विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि संबंधित लीकेज के बारे में विभागीय अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अधिकारी सुनवाई नहीं कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि जनप्रतिनिधियों की बात भी विभाग के कानों तक नहीं पहुंच पा रही है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब प्रदेश जल संकट की ओर बढ़ रहा है, तब इस तरह खुलेआम पेयजल का दुरुपयोग आखिर कब तक होता रहेगा? क्या जलदाय विभाग अपनी जिम्मेदारी समझेगा या फिर जनता को इसी तरह समस्याओं से जूझना पड़ेगा? क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से जल्द से जल्द लीकेज दुरुस्त करवाने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने पढ़ाया साइबर क्राइम का पाठ

सीआई ने साइबर क्राइम से बचने की जानकारी दी

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। आदर्श विद्या मन्दिर उमावि, मण्डावा में बुधवार को पुलिस साइबर सुरक्षा और महिला सुरक्षा जागरूक कार्यशाला हुई। इसमें कई स्कूलों के बच्चों ने साइबर धोखाधड़ी के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान मण्डावा पुलिस थाना के सीआई रामनारायण चोयल ने छात्र-छात्राओं को संबोधन किया। साइबर क्राइम की पाठशाला पढ़ाई। उन्होंनेबच्चों को साइबर क्राइम से बचने के गुण सिखाए। चोयल ने छात्रों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करते हुए कहा- साइबर अपराधी लोगों को भय में डालकर साइबर फ्रॉड करते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस कभी भी किसी जांच में पैसों की मांग नहीं करती है और डिजिटल अरेस्ट नहीं किया जाता है। अगर आपके साथ साइबर क्राइम होता है, तो तुरंत 1930 पर कॉल करें और अपनी शिकायत दर्ज करें। इससे फ्रॉड होने वाले के साथ फायदा यह रहता है कि साइबर थाना उसे बैंक से संपर्क कर खाते से पैसा रिकवर कर लेता है। उन्होंने कहा कि अगर आप थाने जाकर शिकायत दर्ज कराते हैं, तो साइबर अपराधी अन्य खातों में पैसा ट्रांसफर कर लेता है, जिससे जांच करने में और पैसा रिकवर करने में काफी समय लगता है। इसलिए, 1930 पर तत्काल कॉल करें और अपनी शिकायत दर्ज करें। उन्होंने साइबर क्राइम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ऑथेंटिकेटर और (लिंक उपलब्ध नहीं है) जैसी वेबसाइट्स का उपयोग करके आप अपने फोन को सुरक्षित रख सकते हैं। ऑथेंटिकेटर से ओटीपी की टाइमिंग 10 सेकंड रह जाती है, जिससे हैकर्स को आपके अकाउंट या फोन को हैक करने में मुश्किल होती है। वहीं, haveibeenpwned साइट से आप अपनी ओर से शेयर की गई डाटा और ओटीपी की जानकारी रख सकते हैं। उन्होंने मोबाइल में फोटो डाउनलोड को बंद करने की सलाह दी, क्योंकि कई बार हम चीजों को डाउनलोड नहीं करते लेकिन सीन करते ही फोन हैक हो जाता है। रक्षा ने ऑनलाइन गेमिंग से भी बचने की सलाह दी, क्योंकि ङ्क कई बार बच्चे पैसे हारने की बात पर साइबर क्राइम की ओर चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा के लिए जागरूकता और सावधानी बहुत जरूरी है।

कार्यक्रम में मंडावा सीबीईओ पवन कुमार, नगरपालिका जेईएन आनन्द कुमार सोलंकी, साक्षरता अधिकारी मूल सिंह शेखावत, भोजासर सरपंच ओमप्रकाश, रेज़ोनेंस टीम झुंझुनूं के विनय चाहर, सेवानिवृत्त एएओ पीएचईडी मांगीलाल, सहायक लेखाधिकारी कुरड़ाराम तथा शीशराम जाखड़ आदि मंचासीन अतिथि रहे।

स्कूल निदेशक अभिषेक तेतरवाल, महेश चंद्र तेतरवाल, आदर्श तेतरवाल, अभिलाषा चौधरी, प्रधानाचार्य श्रवण कुमार व प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी, गोविंद सोनी ने अतिथियों का माल्यार्पण, साफा एवं गेस्ट ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मान किया। व्याख्याता गोविंद सोनी व प्रीति जोशी आदि ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

महिला-पुरुष व बुजुर्गों की कबड्डी प्रतियोगिता 22 को

जयपुर टाइम्स

सादुलपुर(निस)। सादुलपुर के निकटवर्ती गांव बिंजवास व इंद्रपुरा में ग्रामीणों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कीड़ा भारती की झुंझुनूं प्रांत महिला प्रमुख गायत्री पूनिया ने कबड्डी को ओलंपिक खेलों में शामिल करने की मांग को लेकर गांव-गांव आयोजित होने वाले कबड्डी मुकाबलों की जानकारी दी। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 22 फरवरी को गांव बिंजवास में महिला, पुरुष व बुजुर्ग वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता को लेकर ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर सुत्बे सिंह रामी, जयसिंह, निहालसिंह, प्रताप पूनिया, मुकेश शर्मा, महावीर पूनिया आमपुर, हरिसिंह सुबेदार, दयावीर शर्मा, मोटन पूनिया, अजीत भालोरिया, मांगेराम पूनिया, हरिसिंह, भूलादेवी, अमर सिंह अध्यापक, सेवाराम गोळात, रामकिशन अछापुर, प्रेम सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

साइबर क्राइम रोकने के लिए सरकार करे विशेषज्ञों की भर्ती: मेघवाल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। क्षेत्रीय विधायक मनोज मेघवाल ने बजट सत्र 2026 में स्थगन नियम 50 के अन्तर्गत देश प्रदेश में बढ़ते साईबर फ्रॉड व साइबर क्राइम का मामला विधानसभा में उठाया है। विधायक मनोज मेघवाल ने विधानसभा में कहा कि यह बहुत गंभीर विषय है और आए दिन अखबारों में साइबर क्राईम की खबरें ही नजर आती हैं और लोगों के मेहनत की कमाई ठगों के हाथ लग रही है। इस प्रकार के संगठित अपराध के जरिये अमीर लोगों की धमकियां देकर फ्रोड किए जा रहे हैं। अतः पुलिस महकमे के साईबर सेल में विशेषज्ञों की भर्ती की जावे, ताकि इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। क्योंकि पढ़े लिखे लोगों को ही ठगी का शिकार बनाया जा रहा है।

सखी दर्पण समाचार पत्र का जिला कलेक्टर ने किया विमोचन

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। महिला अधिकारिता विभाग के अधीन संचालित अमृता बहुउद्देशीय समिति की ओर से संचालित किया जा रहे पाक्षिक समाचार पत्र सखी दर्पण का सोमवार को जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने विमोचन किया। जिला कलेक्टर ने बताया कि यह अच्छी पहल है इसमें महिलाएं समाचार पत्र के माध्यम से महिलाओं के प्रोत्साहन और मनोबल बढ़ाने वाली सामग्री का प्रकाशन करेगी। उपवन संरक्षक (आईएफएस) काविया बी ने कहा कि जिले की महिलाओं को इस समाचार पत्र के माध्यम से अपनी बात रखने का एक मंच मिलेगा। इसमें महिलाओं की प्रेरणात्मक कहानियों से अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिलेगा। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्योला ने बताया कि इस समाचार पत्र में महिलाओं की सफलता की कहानी, उनके संघर्ष, चिकित्सा, मनोरंजन, संबंधित गतिविधियों एवं आलेखों का संकलन होगा। इस दौरान जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नेहा झाझडिया, विभाग की सुपरवाइजर पूजा कुमारी, टीना, सुशीला, वरिष्ठ सहायक मनोज स्वामी, कनिष्ठ सहायक राहुल जांगिड़ भी उपस्थित रहे।

रामदेवरा के मुख्य पुजारी ने किए दर्शन

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। कस्बे के गणगौरी चौक स्थित बाबा रामदेव मंदिर में बुधवार को रामदेवरा के मुख्य पुजारी भोमसिंह तंवर ने दर्शन किए। दर्शन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर मंदिर पुजारी रामदास कामड़ सहित नानुदास कमाड़, संदीप सुथार, शंकर लाल चौहान, चेतराम तेजस्वी, भागीरथ चौहान व माणक प्रजापत ने मुख्य पुजारी का साफा पहनाकर व माल्यार्पण कर स्वागत किया।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।

जांगिड़ ने किया कैंसर जांच शिविर का उद्घघाटन

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। विधानसभा प्रत्याशी व भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने ओसवाल पंचायत भवन में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से आयोजित आरोग्यम -सवाईकल कैंसर जांच शिविर का शुभारम्भ किया। जांगिड ने तेरापंथ महिला मंडल का आभार व्यक्त करते कहा कि आपकी ओर से शुरू की गई यह पहल कैंसर के शीघ्र निदान, जागरूकता और समय पर उपचार प्रदान कर लोगों के जीवन में आशा का संचार करेगी, यह नेक प्रयास चिकित्सा को सुलभ बनाकर समाज को स्वस्थ और जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है। मुफ्त कैंसर जांच शिविर के सफल आयोजन के लिए समर्पित डॉक्टरों, आयोजक तेरापंथ महिला मंडल और वॉलंटियर्स का जांगिड ने हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस मौके पर तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष संतोष डागा, जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा अध्यक्ष मनोज चोरड़िया, बीसीएमओ डॉ. महेंद्र नायक, डॉ. मनीष राज़, डॉ. तृप्ति मील, डॉ. स्नेहलता शर्मा, कमल हंसावत, ज्योति श्यामसुखा, श्रेणु बोथरा, मोनिका खटेड़, दीप्ति बोथरा, मंत्री पवन धाडेवा, राजेंद्र बोथरा, अभय कुमार बरडिया, मांगीलाल बीरमेचा, मनीष बोथरा, मोहित बरडिया, उदय राज चोरड़िया, हितेन डागा सहित काफी लोग उपस्थित रहे।

रहनावा में किसान पाठशाला का आयोजन

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। उपखंड के रहनावा गांव में एनएम ईओ योजनान्तर्गत फार्मर्स फील्ड स्कूल पद्धति के माध्यम से समन्वित कीट तकनीकी प्रदर्शन कृषक प्रशिक्षण का आयोजन सहायक कृषि अधिकारी प्रभु दयाल के तत्वावधान में किया गया। कृषक मास्टर ट्रेनर अरुण कुमार शर्मा ने उपस्थित किसानों को सहज और सरल भाषा में महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। किसानों ने इस प्रकार के क्लस्टर हरनावा में निरंतर आयोजनों के लिए कृषि पर्यवेक्षक प्रभुलाल की प्रशंसा की। वहां उपस्थित किसान रामलाल रोयल ने भी अपने अनुभव किसानों के साथ शेयर किए।

2121 कलश के साथ शोभायात्रा आज

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। गांव धोरा की ढाणी गोरखधूणा में संत पंडित रेवतीरमण आश्रम पर महाशिवरात्रि महोत्सव के तहत रूद्र महायज्ञ समिति के सहयोग से विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होंगे। छह फरवरी से शुरू होने वाले 11 दिवसीय धार्मिक आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई है तथा 121 कुंडीय रूद्र महायज्ञ के लिए यज्ञशाला का निर्माण करवाया जा रहा है। समाजसेवी शिक्षक घनश्यामलाल शर्मा ने बताया कि रूद्र महायज्ञ को लेकर पांच फरवरी को दोपहर 12 बजे बीदासर गोशाला स्थित राधाकृष्ण मंदिर से गाजे-बाजे व मनमोहक झांकियों के साथ 2121 कलश के साथ कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए गोरख धूणा पहुंचकर संपन्न होगी, जहां अग्नि स्थापना की जाएगी। छह फरवरी को यज्ञ आचार्य चन्द्रशेखर दाधीच के सानिध्य में 121 पंडितों व 351 जोड़े एक साथ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महायज्ञ शुरू करवाएंगे। यज्ञ अनुष्ठान का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 12 बजे व दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक रहेगा। आयोजन के तहत कार्यक्रम स्थल पर सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक पं. नोरतनमल शर्मा दड़ीबा भागवत कथा का वाचन करेंगे। वहीं दोपहर 1:30 से 3:30 बजे तक शिवपुराण कथा तथा दोपहर 3.30 से शाम 5.30 बजे तक श्रीराम कथा का वाचन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिदिन 351 शिवलिंगों का अभिषेक किया जाएगा। 11 दिवसीय धार्मिक आयोजन का समापन 16 फरवरी को होगा।

गिरदावर सर्किल पर आयोजित होंगे ग्राम उत्थान शिविर

झुंझुनूं(निस)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले किसानों, पशुपालकों व नागरिकों की समस्याओं का निदान गांव में ही हो, इस बात को लेकर गिरदावर सर्किल पर एक दिवसीय विशेष ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। जिले में 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर इन शिविरों की शुरूआत की गई है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार झुंझुनूं जिले में प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इसमें कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, आपदा प्रबंधन, ग्रामीण विकास व पंचायती राज सहित संबंधित विभागों की सहभागिता से कृषकों व पशुपालकों सहित ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवाते हुए लाभान्वित किया जाएगा। 5 फरवरी को गांगियासर, त्यौंदा, भालोठ, जाखल, खान्दवा, भीमसर, गुढ़ा गौड़जी व अजाड़ी कलां में शिविर लगेंगे।

राजसेस महाविद्यालयों में संविदा नियुक्तियों की चयन प्रक्रिया पर तत्काल रोक की मांग

एसडीएम को ज्ञापन दिया

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान (उच्च शिक्षा) की हेतमसर कन्या महाविद्यालय इकाई की ओर से (राजसेस) महाविद्यालयों की वर्तमान संकल्पना एवं संचालन व्यवस्था के विरोध में शांतिपूर्ण व मर्यादित विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्राध्यापकों ने महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर काली पट्टी बांधकर तथा मांगों से संबंधित प्ले-कार्ड्स लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के बाद इकाई सचिव अविनाश कुमार मील के नेतृत्व में सुभाष चंद्र, योगेंद्र कुमार व सदस्यों ने एसडीएम मुनेश कुमारी को राज्यपाल, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि महासंघ का स्पष्ट मत है कि राजसेस योजना के अंतर्गत संचालित महाविद्यालयों का वर्तमान स्वरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल भावना के विपरीत है। इन महाविद्यालयों में स्थायी अकादमिक ढांचे का अभाव, अपर्याप्त अधोसंरचना व संसाधन, शोध व नवाचार की संभावनाओं का न होना तथा संविदा व अस्थायी नियुक्तियों पर आधारित अध्यापन व्यवस्था राज्य की उच्च शिक्षा को गुणवत्ता, बहुविषयकृता व अकादमिक निरंतरता से दूर ले जा रही है। महासंघ ने अवगत कराया कि सत्र 2020-21 से 2022-23 के मध्य राजसेस योजना के अंतर्गत 303 नवीन महाविद्यालय खोले गए तथा वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सत्र 2023-24 एवं 2024-25 में 71 अतिरिक्त राजसेस महाविद्यालय खोले जा चुके हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 374 हो गई है। इनमें से लगभग 260 महाविद्यालयों में आज भी एक भी स्थायी संकाय सदस्य कार्यरत नहीं है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विधानसभा चुनाव-2023 के पश्चात गठित राज्य सरकार की ओर से राजसेस महाविद्यालयों एवं विषयों के संचालन के संबंध में गठित सोडाणी समिति की सिफारिशें अब तक न तो सार्वजनिक की गई हैं और न ही लागू की गई हैं। महासंघ ने यह भी गंभीर आपत्ति दर्ज कराई कि भर्ती परीक्षा कैलेंडर-2026 के माध्यम से राजसेस नियम-2023 में परिवर्तन कर पाँच वर्षों के लिए 28500 रुपये के नियत वेतन पर संविदा टीचिंग एसोसिएट व अशैक्षणिक पदों की चयन प्रक्रिया प्रारंभ करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके लिए अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड को अभ्यर्थना भेजी जा चुकी है। महासंघ के अनुसार यह व्यवस्था अस्थायी, असुरक्षित एवं नीति-विरोधी है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के सर्वथा विपरीत है। महासंघ ने राज्य सरकार से मांग की राजसेस महाविद्यालयों के संबंध में गठित सोडाणी समिति की सिफारिशों को अविलंब लागू किया जाए, राज्य में संचालित सभी महाविद्यालयों को सामान्य राजकीय महाविद्यालयों के रूप में संचालित करने के स्पष्ट आदेश जारी किए जाएं तथा संविदा नियुक्तियों की प्रस्तावित चयन प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो संगठन को लोकतांत्रिक एवं आंदोलनात्मक मार्ग अपनाने के लिए विवश होना पड़ेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

ट्रस्ट ने छात्रावास की बालिकाओं के लिए उपलब्ध कराई बस सुविधा

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। बेगराज भंवरलाल चोरडिया ट्रस्ट की ओर से कस्तूरबा गांधी छात्रावास में अध्ययनरत बालिकाओं को विद्यालय लाने एवं वापस छात्रावास छोड़ने के लिए बस सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर मंगलवार को पीएमश्री धापुदेवी चोरडिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान चोरडिया ट्रस्ट के प्रतिनिधि विजय सिंह दर्जी का विद्यालय स्टाफ ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता संदीप सुथार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए आत्मनिर्भर बनने एवं शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी किशनलाल गहनोलीया, ट्रस्ट प्रतिनिधि विजय सिंह एवं संदीप सुथार ने छात्राओं से भरी बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जानकारी के अनुसार छात्रावास से विद्यालय की दूरी अधिक होने के कारण बालिकाओं को पैदल आने-जाने में काफी परेशानी होती थी। इस समस्या की जानकारी प्रेरक संदीप सुथार के माध्यम से ट्रस्ट को मिलने पर चोरडिया परिवार ने बस सुविधा उपलब्ध कराई। विद्यालय स्टाफ ने इस पहल के लिए चोरडिया परिवार का आभार जताया। कार्यक्रम में एसीबीओ चरणसिंह, विद्यालय प्राचार्य अशोक कुमार, दुलीचंद सेठिया स्कूल के प्राचार्य हेमराज मेघवाल, शिक्षक भंवरसिंह राजावत, सुरेश कुमार जानू सहित अन्य उपस्थित रहे।

पीसीबी स्कूल में 21 भामाशाहों को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय राजकीय पीसीबी उच्च माध्यमिक विद्यालय में भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य रणवीर सिंह महरिया की अध्यक्षता में आयोजित हुए कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ए सी बी ओ मंजू पंवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा दान श्रेष्ठ दान है। मंचस्थ अतिथि भामाशाह कौशल्या गुलेरिया, शिक्षाविद् स्नेहप्रभा मिश्रा, हरिप्रसाद तोदी, यंग्स क्लब के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा, साहित्यकार डॉ घनश्यामनाथ कछावा, श्यामसुंदर स्वर्णकार ने कार्यक्रम को संबोधित किया। प्राचार्य रणवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से 21 भामाशाहों का अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र भेंट कर, साफा पहनाकर, माल्यार्पण कर सम्मान किया। इस अवसर पर इंद्रजीत, रामेश्वरलाल खीचड, कृष्णा गोदारा, दिलीप कुमावत आदि उपस्थित रहे। भामाशाह व अतिथियों का स्वागत सुनीता शर्मा, इकबाल खान, मोहिनी कालेर, अभिषेक चौधरी, राकेश रांकावत, अशोक कुमार, मुकेश कुमार, तपेश शर्मा, गिरधारी लाल, विनोद कुमार, अरविंद कुमार, राजेंद्र सिंह, जितेश झुरिया, विभा सोनी, सुषमा शर्मा, विनीता मीणा, राधा चंदन, अनिल कुमार लांबा, इंद्रजीत भदरवाल आदि ने किया। संचालन शिक्षिका एकता मीणा ने किया। भामाशाह स्व. बजरंगलाल तापड़िया जसवन्तगढ़ को 2 मिनट का मौन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में समाजसेवी पवन तोदी, कौशल्या गुलेरिया, ईश्वर सिंह चौधरी, अशोक कुमार प्राध्यापक, पवन कुमार मौसूण, गिरधारी लाल जांगिड, स्नेहप्रभा जयकुमार शर्मा, सुभाषचन्द्र वेदी, देवकी नन्दन शर्मा, सीता राम जिलोया, धर्मराज बटेसर, रामकरण चौधरी, डॉ. शर्मिला प्रकाश सोनी, सुप्रीम फाउण्डेशन जसवन्तगढ़, द धर्मार्थ सेवा संस्थान, इरफान इशाक बडगुजर, अनिल कुमार प्रजापत प्राचार्य, मुन्नालाल ढ़ेनवाल, गोविन्द राम भाटी, राधेश्याम लाटा, श्रवण कुमार सोनी आदि का सम्मान किया गया।

आज से 16 फरवरी तक होगा श्री राधा कृष्ण मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। आज 5 फरवरी से 16 फरवरी तक दुलिया बास स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न होगा। किशोर दास स्वामी ने बताया कि 5 फरवरी से 7 फरवरी तक मंदिर में मूर्तियों का प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा। 6 फरवरी को संकट मोचन मंदिर, नया बाजार, रविदास मंदिर, वाल्मीकि बस्ती, खटीक बस्ती होते हुए मूर्तियों का नगर भ्रमण जुलूस निकाला जाएगा। 9 फरवरी को कृषि मंडी पीछे स्थित गणेश मंदिर से कार्यक्रम स्थल तक अखिल भारतीय सांगलिया धूणी के पीठाधीश्वर स्वामी ओम दास महाराज के सानिध्य में विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। 9 फरवरी से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ होगा जिसमें श्री दशनाम संन्यास आश्रम गुलर धाम के महंत स्वामी कानपुरी महाराज व्यास पीठ से कथा का वाचन करेंगे। वहीं 7 फरवरी से ही रात्रि में प्रतिदिन सुजला क्षेत्र के सत्संग मंडलों की ओर से सुंदरकांड, अखंड संकीर्तन, शिव कीर्तन, श्याम कीर्तन, शास्त्रीय संगीत संध्या, फाल्गुन संध्या, भजन संध्या सहित अन्य कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इसको लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन बुधवार को स्वामी समाज भवन में किया गया, जिसमें भैरदास महाराज, खड़क दास स्वामी, श्याम सुंदर शर्मा, सुरेंद्र प्रजापत, रूपचंद स्वामी, राजेंद्र प्रजापत, निरंजन स्वामी, रामोतार स्वामी, दीनदयाल स्वामी, दुर्गा दास स्वामी, भागीरथ प्रजापत, खेमचंद स्वामी सहित अन्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रचार सामग्री का विमोचन भी किया गया। इस 11 दिवसीय कार्यक्रम में सांगलिया पीठाधीश्वर स्वामी ओम दास महाराज, महावीर जती महाराज गाडोदा धाम, ओम दास महाराज मौजी दास धुणा अड़कसर, बजरंग पुरी महाराज लाडनूं, चंद्रमा दास महाराज पालवास, जग्गू दास महाराज कुमास, मुक्तिनाथ महाराज मीरण धाम, केशव दास महाराज सुजानगढ़, संजयानंद महाराज बीदासर, श्याम शरण दास महाराज, सरल नाथ महाराज, तनसुखदास महाराज गोपालपुरा सहित अन्य विद्वान संतों का प्रतिदिन कार्यक्रम में सानिध्य मिलेगा।

वर्ल्ड कैंसर दिवस पर पेम्स स्मियर कैंप का आयोजन

सुजानगढ़(नि.सं.)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार सुजानगढ़ महिला मंडल की ओर से वर्ल्ड कैंसर दिवस पर पेम्स स्मियर कैंसर कैंप का आयोजन किया गया। तेरापंथ भवन में आयोजित कैंप का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से साध्वी श्री प्रज्ञावती ने किया। महिला मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष राजकुमारी भूतोड़िया ने स्वागत भाषण दिया। डिप्टी सीएमएचओ डॉक्टर प्रवीण झुरिया ने अपने भाषण में कहा कि यह टेस्टिंग बहुत ही रेयर होती है और तेरापंथ महिला मंडल सुजानगढ़ ने यह जो कदम उठाया है यह बहुत सराहनीय है।

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION
Churu, Depot, e-mail:- rsrtc.cmchu@gmail.com

Sr. No. : 201 Dated :- 26/01/2026

NOTICE INVITING BID

Route wise operation for 17 + Driver & Above Seater Deluxe Vehicle in the Rural area of depots under the control of RSRTC on Revenue Sharing Basis

Online Bids in the prescribed form are invited for Route wise operation for 17 + Drive & Above Seater Deluxe Vehicle in the Rural area of depots under the control of RSRTC on Revenue Sharing basis is as under. The detailed information of the Bid available at RSRTC website - **http://transport.rajasthan.gov.in/RSRTC/, http://sppp.rajasthan.gov.in** and also on **https://eproc.rajasthan.gov.in.**

Online Bid will be accepted on above website up to 11-02-2026 up to 17:00 hrs. and will be opened on 13-02-2026 at 12:00 Hrs. in the office of the undersigned.

UBN NO. RTC2526SLOB00756

Raj.Samwad/C/25/19125 विज्ञापन संख्या 373/2025-26 Chief Manager

कार्यालय ग्राम पंचायत बालेरा पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांकः- ग्रा.प. बा. / खु. नि. / 2025-26 / 160-171 दिनांक :- 04/02/2026

खुली - निविदा सूचना 10-11/2025-26

इस कार्यालय द्वारा स्वीकृत कार्यो को सम्पादित करने के लिए दो वर्षाकाल की डिफेक्टव लाईब्लिटिज के साथ उपयुक्त श्रेणी के राजस्थान / केन्द्र सरकार में पंजिकृत संवेदकों से ई-टेडर प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन / आफलाईन निविदाये आमंत्रित कि जाती है। उक्त निविदाएं SPPP portel पर upload कर दी गई है।

उक्त से संबधित अन्य विस्तृत विवरण http//eproc.rajasthan.gov.in or http//SPPP rajasthan.gov.in NIB NO ZCR2526A1458-59 UBN No ZCR2526WSOB02510-11 Download कर देखी जा सकती है।

प्रशासक
ग्राम पंचायत बालेरा
पं.स. बीदासर (चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बालेरा
पं.स. बीदासर (चूरू)

कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा, खण्डेला, जिला सीकर (राज0)

ईमेल-cbeeokdl@gmail.com

क्रमाक- सीबीईओ / खण्डेला / निविदा / 2025-26/ 265 दिनांक- 04/2/2026

खुली प्रतियोगी बोली आमंत्रण सूचना (वर्ष 2025-26)

गुरु गोलवलकर आकाक्षी ब्लॉक विकास योजना अन्तर्गत प्रमुख षासन सचिव आयोजना ग्रुप-4 विभाग के ई पत्रांक 188757460 दिनांक 18.11.2025 एवं कार्यालय जिला कलेक्टर के ई पत्रांक 19913408 दिनांक 16.01.2026 की बजट स्वीकृति के अनुक्रम में आवंटित बजट अनुसार स्थानीय ब्लॉक के विद्यालयों में शैक्षिण वातावरण उन्नयन हेतु विभिन्न प्रकार की सामग्री वितरित किया जाना प्रस्तावित है। इस हेतु अधिकृत एंव GST होल्डर सेवा प्रदाताओं से मुहरबंद बोली आमंत्रित की जाती है-विस्तृत विवरण वेबसाईट http//sppp.rajasthan.gov.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्यदिवस को कार्यालय में एंव सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

NIBRSE2526A1786
BN-RSE2526GSOB06663 DIGITAL TOOLS
BN-RSE2526GSOB06664 HORDINGS
BN-RSE2526GSOB06665 LIBRARY RACKS

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
समग्र शिक्षा खण्डेला, सीकर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू

क्रमांक :- 5828-5848 दिनांक :- 04-02-2026

ई-निविदा सूचना संख्याः 53/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरू में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमत्रित की जाती है। आर. पी डब्लयू.ए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबधित विवरण बेबसाईट http//dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp विभागीय वेबसाईट http//eproc.rajasthan.gov.in व http//www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http//sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB No. - PWD2526A5497

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1.	PWD2526WSOB22388	2	PWD2526WSOB22390
3	PWD2526WSOB22391	4	PWD2526WSOB22392

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड चूरू

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू

क्रमांक :- 5709-5723 दिनांक :- 30-01-2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्याः 52/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरू में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमत्रित की जाती है। आर. पी डब्लयू. ए 100 की शर्त लागू होगी । निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http//dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp विभागीय वेबसाईट Uhttp//eproc.rajasthan.gov.inThttp//www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http//sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB No.- PWD 2526A5445

S.no	UBN NO.
1.	PWD2526WSOB22218

DIPR/C/2165/2026

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड चूरू

एसडीएम ने किया विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण

कंप्यूटर ऑपरेटर मिला अनुपस्थित

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। उपखण्ड अधिकारी अमीलाल यादव ने बुधवार को पीएचसी ईयारा, पीएचसी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अम्बेडकर छात्रावास सदू बड़ी व ग्राम पंचायत सदू छोटी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पीएचसी में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर संविदा कर्मी जगदीश अनुपस्थित पाया गया। निरीक्षण के समय विभिन्न संस्थानों में पाई गई कमियों को लेकर उपखण्ड अधिकारी ने संबंधित संस्था प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा व्यवस्थाओं में शीघ्र सुधार करने के निर्देश दिए।

शबे बरात के महत्व को किया रेखांकित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शाबान महीने के पवित्र महीने में शबे बरात मनाई गई। इस मौके पर मस्जिद तौकीर हसन रहमतुल्लाह अलैहे के इमाम वह चीफ शहर काजी हाफिज मोहम्मद अकरम रिजवी ने शबे बरात के बारे में लोगों को बताया। मस्जिद के इमाम अकरम साहब ने सिरत ए मुस्तफा शबे बरात की अहमियत बताई। शबे बरात की पाक रात में होने वाली इबादतों के बारे बताया कि यह गुनाहों से माफी मांगने की रात है। मस्जिद के इमाम साहब ने मुल्क ए हिंदुस्तान मैं अमन शांति की दुआ की। इस अवसरपर पर कंठस्थ कुरान शरीफ हिफ्ज करने पर दारुल उलूम हनफिया अशफाकिया में पढ़ने वाले छात्र हाफिज फतेह मोहम्मद की दस्तारबंदी की गई। मस्जिद में नमाजियों का इबादत का दौर जारी रहा। कार्यक्रम में हाफिज अमीर सुहैल, हाफिज सदर मोइनुद्दीन खां, कोषाध्यक्ष आरिफ खां, यासीन खां, समीर खान खोखर, ताज खां, मुअजीन मो.आरिफ शेट्टी, सवाई खां, असलम भाटी, मोहम्मद अयूब खोखर, सैफ अली खां, मोहिद्दीन खान, मासूम अली, आमिर भाटी, एहसान खां, जावेद डीलर आमिर खान, अनवर खान, माहिर खान, अजहरुद्दीन मानका, मोहम्मद अयान आदि लोगों ने शिरकत की।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता मोयीवाल का स्वागत

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता भवानीशंकर मोयीवाल का बुधवार को निजी होटल में जयपुर से बीकानेर जाते हुए अल्प प्रवास पर रतनगढ़ पधारने पर भाजपा नेता अरविंद इंदौरिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता मोयीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा की सरकार आने के बाद युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करते हुए बंपर भर्तियां खोली जा रही है, साथ ही पेपर लीक होने बंद हो गए हैं, पेपर लीक माफिया पर सरकार की ओर से कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इस अवसर पर रमेश कुमार पारीक, राकेश शर्मा, हनुमान बारवाल, नारायण दायमा, अनुप पीपलवा, पूरणमल गोदारा , श्रीकृष्ण सैनी, राकेश सिंह, संस्कार शर्मा, परमेश्वर प्रजापत, सुभाष सोनी, जितेंद्र माली, बनवारी प्रजापत, मदन जांगिड़, बीरबल प्रजापत अनिल मेघवाल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

झुंझुनूं-गुढ़ा स्टेट हाइवे पर बोलेरो-पिकअप भिड़ंत, बोलेरो चालक की मौत

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं-गुढ़ा स्टेट हाइवे पर सोमवार रात मुन्ना वाली ढाणी, बड़ागांव के पास बोलेरो और पिकअप की आमने-सामने भिड़ंत में बोलेरो चालक की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो के टायर टूटकर अलग हो गए। जानकारी के अनुसार दोरासर निवासी राजवीर महला (28) पुत्र मंगलचंद बोलेरो से दोरासर से बड़ागांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप से उसकी गाड़ी टकरा गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल राजवीर को तत्काल बीडीके अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक राजवीर गांव में मुर्गी फार्म और खेती का कार्य करता था तथा अविवाहित था। घटना की सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंचे। मृतक के भाई संजय महला ने गुढ़ागौड़जीन थाने में पिकअप चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और बोलेरो को टक्कर मारने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

हिंदू सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। कस्बे के शास्त्री नगर स्थित पोद्दारों की बगीची में विवेकानंद बस्ती के आगामी 14 फरवरी को होने वाले विराट हिन्दू सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया गया । इस अवसर पर संतोषदास जी की बगीची के संत मस्तगिरि महाराज का पावन सान्निध्य रहा। सर्व हिन्दू समाज के नागरिकों व मातृ शक्ति के सान्निध्य में मस्तगिरि महाराज व वरिष्ठजनों की ओर से कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया। मस्तगिरि महाराज ने 14 फरवरी को सकल हिन्दू समाज की ओर से आयोजित किए जाने वाले इस विराट हिन्दू सम्मेलन में सभी सनातन प्रेमियों को शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि हिन्दुओं में परस्पर स्नेह, समरसता और एकता के भाव को प्रगाढ़ कर आने वाली पीढ़ियों में हिंदू धर्म

के संस्कारों व शिक्षा का बीजारोपण करने के लिए इन हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। बस्ती में स्थित प्रत्येक हिन्दू घर में इस आयोजन के लिए पीले चावल व निमंत्रण पत्र भिजवाए जायेंगे। हम सभी को चाहिए कि सभी प्रकार के जातिगत विभेदों व राजनैतिक वैमनस्यताओं से ऊपर उठकर हिन्दू सम्मेलन में शामिल हों। उन्होंने कहा कि हमें हमारे जीवन में राष्ट्र को प्रथम स्थान पर रखना चाहिए। हमें गर्व होना चाहिए कि हमने भारत की पावन देवभूमि पर सबके कल्याण की मंगलकामना करने वाली तथा पूरी पृथ्वी को अपना कुटुम्ब मानने वाली सर्वश्रेष्ठ सनातन हिन्दू संस्कृति में जन्म लिया है। आयोजन समिति के अध्यक्ष जयप्रकाश ताम्रायत ने सभी कार्यकर्ताओं को इस आयोजन को भव्यतम स्वरूप प्रदान करने के लिए कमर कसने का आह्वान किया। इस अवसर पर मदन लाल कम्मा, सीताराम बबेरवाल, किशन लाल गहलोत, मोहनलाल बबेरवाल, कैलाश चौधरी, वासुदेव चाकलान, देवकिशन सोनी, किशन लाल जांगिड़, गोपाल दर्जी, जगनाराम सोडा, विकास कौशिक, निलेश कुमार इंदौरिया,रवि इंदौरिया,महेश शर्मा, केसर देवी, ताराचंद शर्मा, मनोज सारस्वत, महेश कुमार लुंडीया, सुरेश सेवदा, नवरत्न महर्षि, नवरत्न कम्मा,हिमांशु मालपुरिया, चंद्रकला देवी, राजेश्वरी देवी, सरोज देवी आदि उपस्थित रहे।

संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। भारत सरकार के आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम के तहत बुधवार को राजगढ़ पंचायत समिति में जिले के आशान्वित राजगढ़ ब्लॉक में चयनित 06 संकेतकों की संतृप्ति के लिए संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसडीएम मनोज खेमादा ने कहा कि संपूर्णता अभियान 2.0 चिन्हित सूचकांकों के माध्यम से क्षेत्र के शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र का उन्नयन करने की दिशा में महत्पूर्ण अभियान है। यह अभियान गति, गुणवत्ता और परिणाम-आधारित क्रियान्वयन का मिशन है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि सभी विभाग नियमित फील्ड मॉनिटरिंग कर लक्ष्य आधारित कार्य योजना से काम करें। महावीर पूनिया ने कहा कि अभियान के माध्यम से ब्लॉक में बाल पोषण, आंगनबाड़ी सुविधाएं, स्वच्छता, पेयजल, शिक्षा सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विशेष फोकस कर सुधार के सतत प्रयास किए जाएंगे। एसीईओ व मुख्य आयोजना अधिकारी भागचंद खारिया ने कहा कि संपूर्णता अभियान 2.0 डेटा-बेस्ड मॉनीटरिंग, स्थानीय जागरूकता कार्यक्रम और ग्राम-स्तरीय भागीदारी से ही सफल होगा। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल औपचारिक रिपोर्टिंग

नहीं बल्कि स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा-संबंधी संकेतकों में वास्तविक प्रभाव डालना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पशुपालन, ग्रामीण विकास, आजीविका आदि से संबंधित संकेतकों पर समन्वित प्रयास कर आमजन को विभिन्न विभागों की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत आगामी 3 माह में चिन्हित 06 संकेतकों के लक्ष्यों के विरूद्ध शत-प्रतिशत उपलब्धि पर काम किया जाएगा। इस दौरान तहसीलदार रामसिंह सैनी, बीडीओ भागीरथ कटारिया, सीबीईओ सुमन जाखड़, सीडीपीओ सीमा गहलोत, रविन्द्र, डॉ. अजमेर कुहाड़, रमेश शर्मा, राजीविका महिलाएं सहित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पाईवाल का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता भवानी शंकर पाईवाल का जयपुर से बीकानेर जाते समय अल्प प्रवास पर रतनगढ़ पहुँचने पर संगम चौराहा स्थित एक निजी होटल पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने साफा, दुपट्टा व पुष्पहार पहनाकर स्वागत व अभिनन्दन किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता पाईवाल ने कहा कि कांग्रेस सरकार में लगातार पेपर लीक होने से विधार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ था। अब भाजपा के सुशासन में पेपर लीक माफिया जेल की हवा खा रहे है, दूसरी ओर प्रदेश सरकार रोजगार कैलेन्डर के माध्यम से युवाओं को रोजगार की गारन्टी दे रही है। स्वागत कार्यक्रम का संचालन डॉ अरुण पंचलगिया ने किया। इस अवसर पर भाजपा नेता अर्जुन सिंह फ्रांसा, गोपालकृष्ण शर्मा, जिला

प्रवक्ता ओम महर्षि, शहर मण्डल अध्यक्ष महेश सैनी, गोरीसर मण्डल अध्यक्ष सुशील इन्दौरिया, निरंजन रुन्थला, सुभाष भूण, भिवराज प्रजापत, किशनलाल घोडेला, हनीफ खत्री, स्वरूप सिंह, सलीम खान,पृथ्वी सिंह, योगेश प्रजापत, योगेश सारस्वत, दीपचन्द प्रजापत, गोविन्द कठोड़, महेन्द्र उपाध्याय, श्याम मेघवाल, महेश इन्दौरिया, कन्हैयालाल स्वामी, साबीर गौरी, हनुमान सिंह, रामकिशन गौरिसरिया, विमल शास्त्री, चतुर्भुज प्रजापत, नदीम चेजारा, किशन भाटी सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का चौंमू में स्वागत

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निस)। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का चौंमू पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। उनके चौंमू हाईवे पर पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया। चौंमू में राधास्वामी बाग स्थित चौराहे पर स्वाभिमान ग्रामीण विकास संस्थान के अध्यक्ष डॉ. श्रवण बराला के नेतृत्व में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां कार्यकर्ताओं ने उन्हें चुनरी ओढ़ाकर और साफा पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष मेघराज चौधरी, एडवोकेट सुरेश गोदारा सहित कई भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी मौजूद रहे। वसुंधरा राजे के आगमन को लेकर पूरे चौंमू क्षेत्र मैं खासा उत्साह देखने को मिला और

माहौल पूरी तरह से राजनीतिक रंग में रंगा नजर आया।
कार्यक्रम का मंच संचालन एडवोकेट सुरेश गोदारा ने किया। स्वागत सम्मान में पंचायत समिति गोविंदगढ़ की निवर्तमान उप प्रधान कमला चौधरी, डॉ. अभिषेक बराला, डॉ. दीपिका बराला, एडवोकेट भावना बराला, अशोक गोरा सहित अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ग्राम व उपखंड स्तरीय जनसुनवाई स्थगित, जिला स्तरीय जनसुनवाई 19 को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार गुरुवार को आयोजित होने वाली ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई तथा 12 फरवरी को आयोजित होने वाली उपखंड स्तरीय जनसुनवाई को स्थगित किया गया है। इसी क्रम में 19 फरवरी को जिला स्तरीय जनसुनवाई को यथावत रखा गया है। एडीएम अर्पिता सोनी ने बताया कि जन अभियोग निराकरण विभाग की ओर से जारी आदेशानुसार भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम–2026 के कारण अधिकारियों, कर्मचारियों की व्यस्तता को देखते हुए गुरुवार को आयोजित होने वाली ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई तथा 12 फरवरी को आयोजित होने वाली उपखंड स्तरीय जनसुनवाई को स्थगित किया गया है। इसी क्रम में गुरुवार, 19 फरवरी को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई को यथावत रखा गया है।

4 स्थाई वारंटी गिरफ्तार, 1 स्थाई वारंटी का किया निस्तारण

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर धोखाधड़ी का 18 माह से फरार आरोपी 'हीरा' गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। भरतपुर महानिरीक्षक पुलिस रेंज भरतपुर कैलाश चन्द बिश्नोई आईपीएस की ओर से चलाये जा रहे फरार अपराधी स्थाई वारंटी, पीओज, भगौड़ा, उद्घोषित इनामी अपराधी की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे आपरेशन शिकंजा के तहत धौलपुर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान आईपीएस के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी डॉ कमल कुमार आरपीएस व वृताधिकारी वृत बाड़ी महेन्द्र मीणा आरपीएस के निकटतम सुपरविजन व देवेन्द्र शर्मा पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना बाड़ी जिला धौलपुर के नेतृत्व में पुलिस थाना बाड़ी की ओर से कार्यवाही की गई। कार्यवाही विवरण ऑपरेशन शिकंजा अभियान के तहत थाना बाडी पुलिस ने स्थाई वारंटी, पीओज, भगौड़ा, उद्घोषित इनामी अपराधी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर टीम की ओर से तकनीकी साक्ष्यों व मानवीय इनपुट के आधार पर अब तक 15-17 साल से रेता परिवहन के फरार 2 स्थाई वारंटियों व 10 वर्ष से फरार दो अन्य स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया और 1 का अन्य तरीके से निस्तारण किया। घटना विवरण 2 जून 2025 को एक मामला न्यायालय से इस आशय का प्राप्त हुआ। कि प्रार्थी की बुआ का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर बुआ के हिस्से की आरजी को हड़पने का षडयंत्र किया। जिस पर थाना पर मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान किया किया गया। अनुसंधान से मुल्जिम हीरा की ओर से फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर धोखाधड़ी करना पाया गया। मुल्जिम हीरा करीब 18 माह से फरार था। जिसे 4 फरवरी को मुखबिर की सूचना पर बस स्टेंड बाड़ी से गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की।

सेवानिवृत्ति की खुशी जरूरतमंदों के नामः

तारानगर में 22 परिवारों को राशन किट वितरित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर की बेटी व सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी भगवती वर्मा ने सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश करते हुए कस्बे के सात्युँ सर्किल के पास झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले 22 अति जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री की राशन किट वितरित की। भगवती वर्मा ने यह सेवा कार्य जिला शिक्षा अधिकारी पद से सेवानिवृत्त होने की खुशी में किया। इस अवसर पर भगवती वर्मा ने बताया कि उन्हें यह प्रेरणा अपने पिता, शिक्षाविद व्याख्याता व पूर्व पार्षद देवीदत्त वर्मा से मिली है। क्षेत्रवासियों ने इस नेक पहल के लिए भगवती वर्मा का आभार जताते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में देवीदत्त वर्मा, टेकचंद चौहान,

गोविन्द प्रसाद वर्मा (डीजीएम, बैंक ऑफ बड़ौदा), सरला, रविन्द्र चौहान, भावना चौहान, आशा देवी, योगेश वर्मा, सीमा, अमित बाणिया, विकास बाणिया, आरुष पंवार, मोहम्मद इलियास बिसायती, रवि पंवार, नीलाक्ष चौहान सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

पंचायत समिति सदस्यों के निर्वाचन के लिए रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) (कलक्टर) अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर जिले में पंचायत समिति सदस्यों के निर्वाचन – 2026 के लिए रिटर्निंग अधिकारी व सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किए हैं। जारी आदेशानुसार राजगढ़ पंचायत समिति के लिए उपखंड मजिस्ट्रेट को रिटर्निंग अधिकारी व राजगढ़ नायब तहसीलदार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, सिद्धमुख पंचायत समिति के लिए सिद्धमुख तहसीलदार को रिटर्निंग अधिकारी व सिद्धमुख नायब तहसीलदार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, चांदगोठी (मुख्यालय राजगढ़) पंचायत समिति के लिए राजगढ़ तहसीलदार को रिटर्निंग अधिकारी व हमीरवास नायब तहसीलदार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, तारानगर पूर्व पंचायत समिति के लिए तारानगर उपखंड मजिस्ट्रेट को रिटर्निंग अधिकारी व साहवा नायब तहसीलदार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, तारानगर पश्चिम (भालेरी) पंचायत समिति मुख्यालय तारानगर के लिए तारानगर तहसीलदार को रिटर्निंग अधिकारी व तारानगर नायब तहसीलदार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, सरदारशहर पंचायत समिति के लिए सरदारशहर उपखंड मजिस्ट्रेट को रिटर्निंग अधिकारी व सरदारशहर नायब तहसीलदार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, सरदारशहर पूर्व पंचायत समिति के लिए सरदारशहर तहसीलदार को रिटर्निंग अधिकारी व राजलदेसर नायब तहसीलदार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, भानीपुरा पंचायत समिति के लिए भानीपुरा तहसीलदार को रिटर्निंग अधिकारी व भानीपुरा नायब तहसीलदार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, चूरू पंचायत समिति के लिए चूरू उपखंड मजिस्ट्रेट को रिटर्निंग अधिकारी व चूरू नायब तहसीलदार (कार्यालय निर्वा. रजि. अधि.) को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, चूरू उत्तर (मुख्यालय चूरू) पंचायत समिति के लिए चूरू तहसीलदार को रिटर्निंग अधिकारी व दूधवाखारा नायब तहसीलदार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, रतनगढ़ पंचायत समिति के लिए रतनगढ़ उपखंड मजिस्ट्रेट को रिटर्निंग अधिकारी व रतनगढ़ तहसीलदार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, सुजानगढ़ पंचायत समिति के लिए सुजानगढ़ उपखंड मजिस्ट्रेट को रिटर्निंग अधिकारी व सुजानगढ़ तहसीलदार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, बीदासर पंचायत समिति के लिए बीदासर उपखंड मजिस्ट्रेट को रिटर्निंग अधिकारी व बीदासर तहसीलदार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है।

राष्ट्रीय ऋण योजना अंतर्गत वर्ष पात्र आवेदकों के साक्षात्कार 11 को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त व विकास सहकारी निगम लिमिटेड की ओर से राष्ट्रीय ऋण योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निधारित लक्ष्यों के विरूद्ध अनुसूचित जाति वर्ग, अनुसूचित जनजाति वर्ग, दिव्यांगजन वर्ग, सफाई कर्मचारी वर्ग व अन्य पिछड़ा वर्ग के प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों में से पात्र आवेदकों का 11 फरवरी को सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के पुराने कार्यालय भवन में सवेरे 10 बजे से साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। अनुजा निगम परियोजना प्रबंधक नगेन्द्र सिंह ने बताया कि संबधित आशार्थी साक्षात्कार में अपने साथ ऑनलाइन किए गए आवेदन प्रपत्र का प्रिंट आउट, जाति प्रमाण पत्र, जनाधार कार्ड की प्रति, आधार कार्ड की प्रति, राशनकार्ड की प्रति, मूल निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र (अगर लागू हो) व बैंक पासबुक प्रति साथ लेकर उपस्थित हो। साक्षात्कार में उपस्थित नहीं होने वाले आशार्थियों के आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।